शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 18 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-228

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को दी सार्वजनिक चुनौती

हलफनामा दें या माफी मांगें तीसरा कोई रास्ता नहीं

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर लगाए जा रहे आरोपों पर आज मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को खुली चुनौती दी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस बुला कर कहा कि राहुल गांधी झूठे हैं। वे अपने आरोपों को शपथपत्र के जरिए औपचारिक रूप से चुनाव आयोग को दें, या अपने झूठ के लिए देश से माफी मांगें। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, राहुल गांधी के सामने और कोई तीसरा रास्ता नहीं है।

बिहार में वोट चोरी के विपक्ष के आरोपों का खंडन करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही मतदाता ऐसे झूठे आरोपों से डरते हैं। बिहार एसआईआर के बाद संवैधानिक निकाय की ओर से आयोजित यह पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस थी। इसमें ज्ञानेश कुमार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला और उनके आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा, सिर्फ पीपीटी दिखाने से, वो भी जिसमें आंकड़े चुनाव आयोग के नहीं हैं, झूठ सच नहीं हो जाता। आपको सबूत देना होगा। उन्होंने राहुल गांधी को सीधी चेतावनी दी कि वे

वोट चोरी जैसे शब्दों का इस्तेमाल संविधान का अपमान

मतदाता हों या चुनाव आयोग, झूठे प्रलापों से नहीं डरते

हलफनामा दें या देश से माफी मांगें? तीसरा कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सात दिन में हलफनामा नहीं दिया तो आरोप निराधार मान लिए जाएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार एसआईआर की कवायद में जल्दबाजी के आरोप पर कहा, कुछ लोग गुमराह कर रहे हैं कि एसआईआर की कवायद इतनी जल्दी क्यों की जा रही है? आप बताइए कि मतदाता सूची को चुनाव से पहले दुरुस्त करना चाहिए या बाद में? ऐसे में चुनाव आयोग अपना काम ही कर रहा है। जनप्रतिनिधित्व कानून कहता है कि आपको हर चुनाव से पहले मतदाता सूची को दुरुस्त करना होगा। यह चुनाव आयोग की कानूनी जिम्मेदारी है। फिर सवाल उठा कि क्या चुनाव समिति बिहार के सात करोड़ से ज्यादा मतदाताओं तक पहुंच पाएगी? सच्चाई यह है कि यह काम 24 जून को शुरू हुआ था। पूरी प्रक्रिया लगभग 20 जुलाई तक पूरी हो गई थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने साफ-साफ कहा, राहुल गांधी और विपक्ष चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति कर रहा है। ऐसे झूठे आरोपों से चुनाव आयोग डरने वाला नहीं है। पिछले दो दशकों से लगभग सभी राजनीतिक दल मतदाता सूची में त्रुटियों को ▶10 पर

भाजपा की साजिश बिहार का चुनाव चुराने की है : राहुल

सासाराम, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बिहार के सासाराम से मतदाता अधिकार यात्रा की शुरुआत करते हुए कहा कि भाजपा की साजिश बिहार का चुनाव चुराने की है। कांग्रेस के इस कार्यक्रम में महागठबंधन के नेताओं का भी जुटान हुआ। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राजद प्रमुख लालू यादव, पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समेत कई नेता शरीक हुए।

राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव जीतने के चार महीने बाद भाजपा महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव जीत जाती है। जबकि ओपिनियन पोल हमारे पक्ष में था। हालांकि जब हमने इसकी गहराई से पड़ताल की तो पता चला कि विधानसभा चुनाव से पहले हर विधानसभा क्षेत्र में लाखों वोटर जोड़े गए, जिसकी बदौलत भाजपा चुनाव जीत गई। अब यही कारनामा बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एसआइआर के जरिए बिहार में किया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि आखिर भाजपा हर चुनाव कैसे जीत जाती है? राहुल गांधी ने कहा कि एसआइआर के माध्यम से जो वोट चोरी की जा रही है, उसे हम पूरे बिहार की जनता को दिखाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान और मताधिकार को बचाने की लड़ाई है। ▶10 पर

यह झूठ की बुनियाद पर कहानी गढ़ने की यात्रा है : जायसवाल

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की मतदाता अधिकार यात्रा का टायर पहले ही पंक्चर हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट खुद इसकी निगरानी कर रहा है। भारत की जनता उन लोगों के साथ नहीं खड़ी है जिन्हें सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा नहीं है। जो लोग संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं करते। बिहार की जनता जानती है कि चुनाव आयोग उन्हें कैसे न्याय देगा।

भाजपा नेता सीआर केसवन ने इसे संविधान बदनाम यात्रा करार दिया। केसवन ने राहुल गांधी पर अलोकतांत्रिक और छलपूर्ण तरीके से भय फैलाने की रणनीति के तहत संविधान खत्म करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसकी सहयोगी राजद एक व्यक्ति, एक वोट की रक्षा की बात करते हैं, लेकिन उनका असली एजेंडा एक परिवार और एक वंशवादी शासन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उन्होंने राहुल गांधी की यात्रा को संविधान बदनाम यात्रा बताया और कहा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को अलोकतांत्रिक और छलपूर्ण तरीके से डराने-धमकाने की राहुल गांधी की बार-बार की जा रही कोशिशें बुरी तरह विफल होंगी। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि ▶10 पर

हमें जनता का आशीर्वाद मिला, कुछ लोगों को यह पच नहीं रहा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राजधानी दिल्ली के एक कार्यक्रम में विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि देश के लोगों का भरपूर आशीर्वाद भाजपा को मिला है, यह विपक्ष को पच नहीं रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भाजपा की सरकारें दिल्ली के साथ-साथ चारों तरफ हैं। यह दिख रहा है कि जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है। यही आशीर्वाद कुछ लोग बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। वे जनता से दूर हो चुके हैं। जमीन से दूर हो चुके हैं। इसी वजह से उनकी बौखलाहट सड़कों पर दिख रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज का भारत क्या सोच रहा है, उसके सपने और संकल्प क्या हैं, ये सब कुछ आज पूरी दुनिया अनुभव कर रही है। देश के लोग और पूरी दुनिया यह देखती है कि पिछली सरकारों ने राजधानी दिल्ली समेत पूरे देश को किस तरह बर्बाद किया। देश को एक तरह से गड्ढे में गिराने का काम कर ▶10 पर

द. कोरिया ने आतंकवाद के खिलाफ भारत को दिया पूरा समर्थन

हम भारत के लोगों के साथ खड़े हैं

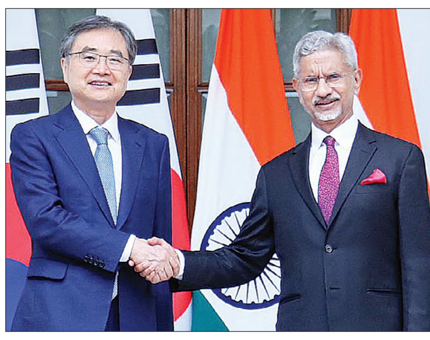

द. कोरिया के विदेश मंत्री ने भारत के विकास को सराहा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून ने पहलगाम आतंकी हमले और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता जाहिर की। उन्होंने कहा, दक्षिण कोरिया भारत सरकार और भारत के लोगों के साथ खड़ा है। दक्षिण कोरिया आतंकवाद के सख्त खिलाफ है। हम इस मुद्दे पर बहुत सख्त और दृढ़ हैं। हम किसी भी आतंकवादी हमले के सख्त खिलाफ हैं। हम भारत सरकार और भारत के लोगों के साथ खड़े हैं।

भारत और दक्षिण कोरिया ने सेमीकंडक्टर, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्रों में अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके दक्षिण कोरियाई समकक्ष चो ह्युन के बीच बातचीत में समग्र द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर प्रमुखता से चर्चा हुई। चो ह्यून ने कहा कि शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उनकी अच्छी बैठक हुई। उन्होंने 2015 से 2017 तक दिल्ली में राजदूत के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। पिछले 10 वर्षों में और भी अच्छे बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली आकर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। चो ह्युन लगभग 10 साल पहले इस शहर में आए थे, तो भारत की संस्कृति की गहराई देखकर अभिभूत हो गए थे। उन्होंने कहा, मुझे भारत में कोरियाई राजदूत के रूप में सेवा करने पर बहुत गर्व है। ▶10 पर

डोभाल के न्यौते पर भारत आ रहे चीन के विशेष प्रतिनिधि

सीमा समस्या के समाधान की द्विपक्षीय पहल

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो के सदस्य, विदेश मंत्री एवं भारत-चीन सीमा मसले पर चीन के विशेष प्रतिनिधि वांग यी 18 से 20 अगस्त तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। यह यात्रा भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) और भारत के विशेष प्रतिनिधि अजीत डोभाल के निमंत्रण पर हो रही है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस दौरान वांग यी और डोभाल के बीच भारत-चीन सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की 24वीं दौर की वार्ता आयोजित की जाएगी। यह वार्ता दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के समाधान की दिशा में निरंतर चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। देश के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के बीच आपसी हितों, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। यह मुलाकात भारत-चीन संबंधों को संतुलित और रचनात्मक दिशा में आगे ले जाने का अवसर प्रदान करेगी। चीन के विदेश मंत्रालय ने भी अपने आधिकारिक बयान में वांग यी की भारत यात्रा की पुष्टि की है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 18 से 20 अगस्त तक विदेश मंत्री और भारत-चीन सीमा मसले पर चीन के विशेष प्रतिनिधि वांग यी भारत की यात्रा पर जाएंगे। ▶10 पर

केरल सरकार के स्कूली हैंडबुक में भूल या षडयंत्र?

सुभाष चंद्र बोस अंग्रेजों के डर से जर्मनी भागे!

तिरुवनंतपुरम, 17 अगस्त (एजेंसियां)। केरल राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की कक्षा चार की किताब में लिखा गया है कि सुभाष चंद्र बोस अंग्रेजों के डर से जर्मनी भाग गए थे। केरल सरकार के इस पाठ्यपुस्तक से विवाद काफी बढ़ गया। कहा जा रहा है कि यह तथ्यात्मक गलती नहीं, बल्कि भारत के महानतम स्वतंत्रता सेनानियों में से एक के योगदान को जानबूझकर विकृत करने का षडयंत्र है।

इतिहासकारों का कहना है कि सुभाष चंद्र बोस ने भारत की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, उनके बारे में यह कहना कि वे डर से भाग गए, उनकी वीरता का अपमान है। सुभाषचंद्र बोस डर से नहीं, बल्कि अंग्रेजों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने और एक सैन्य मोर्चा बनाने के दृढ़ संकल्प के साथ भारत से बाहर गए थे। उनकी आजाद हिंद फौज ब्रिटिश शासन के लिए एक बड़ी चुनौती थी और नेताजी की यह फौज आज भी लोगों को प्रेरित करती है। हालांकि, खबर है कि एससीईआरटी ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और अगले संस्करण में सुधार का वादा किया है। लेकिन केवल एक माफी और भविष्य में सावधानी का वादा काफी नहीं है। केरल और पूरे देश के लोगों को यह जानने का अधिकार है कि ऐसी गंभीर गलती हुई ही क्यों? और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर क्या कार्रवाई की जाएगी? ▶10 पर

सीपी राधाकृष्णन होंगे एनडीए के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एडीए) ने अपने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सीपी राधाकृष्णन के नाम की घोषणा की है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यह ऐलान करते हुए कहा कि राधाकृष्णन को एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद के लिए चुना गया है। वर्तमान में सीपी राधाकृष्णन महाराष्ट्र के राज्यपाल के पद पर कार्यरत हैं। जेपी नड्डा ने बताया कि उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के चयन के लिए भाजपा के संसदीय बोर्ड की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सर्वसम्मति से सीपी राधाकृष्णन के नाम पर मुहर लगाई गई। तमिलनाडु के तिरुप्पुर में 20 अक्टूबर 1957 को जन्मे चन्द्रपुरम पोनुस्वामी ▶10 पर

पुतिन ने दुनिया के सामने उजागर कर दिया ट्रंप का पाखंड

भारत ही नहीं अमेरिका भी कर रहा है रूस से व्यापार

वाशिंगटन/मास्को, 17 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में हुई मुलाकात में रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का मसला तो हल नहीं हुआ, लेकिन भारत के खिलाफ ट्रंप द्वारा फैलाए गए भ्रामक तथ्य की असलियत पुतिन ने जरूर उजागर कर दी। साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति ट्रंप के सामने पुतिन ने दुनिया को यह जानकारी दी कि युद्ध के दौरान भी अमेरिका और रूस का व्यापारिक संबंध बना रहा और युद्ध में यह व्यापार 20 प्रतिशत तक पहुंचा। यह आधिकारिक जानकारी पाकर दुनिया के देश हतप्रभ हैं, क्योंकि ट्रंप ने युद्ध के दौरान रूस से व्यापारिक संबंध बनाए रखने के कारण भारत पर टैरिफ का अतिरिक्त भारी बोझ लादने की घोषणा की थी। जबकि खुद

यूद्ध के दौरान रूस-अमेरिका का व्यापार 20% बढ़ा

अमेरिका युद्ध के दौरान भी रूस के साथ व्यापारिक संबंध बनाए था। पुतिन ने ट्रंप के सामने ही यह तथ्य रख कर उनका झूठ बेनकाब कर दिया। ट्रंप दुनिया के तमाम देशों को धमकाते रहते हैं कि वे रूस से व्यापार बंद कर दें। उनका तर्क होता है कि इससे यूक्रेन युद्ध की फंडिंग हो रही है। अब पुतिन ने ट्रंप की मौजूदगी में ही कह दिया कि ट्रंप सरकार के कार्यकाल में अमेरिका के साथ रूस का व्यापार बढ़ा है। पुतिन ने कहा, अमेरिका में ट्रंप प्रशासन आने के बाद हमारे आपसी व्यापार में बढ़ोतरी हुई है। अभी यह आंकड़ा मोटे तौर पर है, लेकिन फिर भी व्यापार 20 प्रतिशत से ज्यादा है। हमारे पास सहयोग के लिए कई महत्वपूर्ण क्षेत्र मौजूद हैं। पुतिन ने कहा, रूस और अमेरिका के बीच व्यापार और निवेश की साझेदारी में बहुत बड़ी संभावनाएं हैं। व्यापार, ऊर्जा, डिजिटल और उच्च तकनीक और अंतरिक्ष विकास जैसे क्षेत्रों में दोनों देश एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं। अमेरिका और रूस को पुराने पन्ने पलटने और फिर से सहयोग की राह पर लौटने की आवश्यकता है।

विचित्र बात यह है कि ट्रंप ने बीते 4 अगस्त को भारत के रूस से तेल खरीदने पर सवाल उठाए थे। ▶10 पर

केंद्रीय मंत्री दिल्ली की सीएम ने किया स्वागत

दिल्ली पहुंचे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। नासा के एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन के पायलट और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अमेरिका से भारत लौट आए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और छात्रों ने उनका स्वागत किया। शुभांशु ने 18 दिन के मिशन में 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किए। उनके साथ गगनयान मिशन के बैकअप अंतरिक्ष यात्री प्रशांत बालकृष्णन नायर भी लौटे। सीएम रेखा गुप्ता और मंत्री जितेंद्र सिंह ने एयरपोर्ट पर ▶10 पर

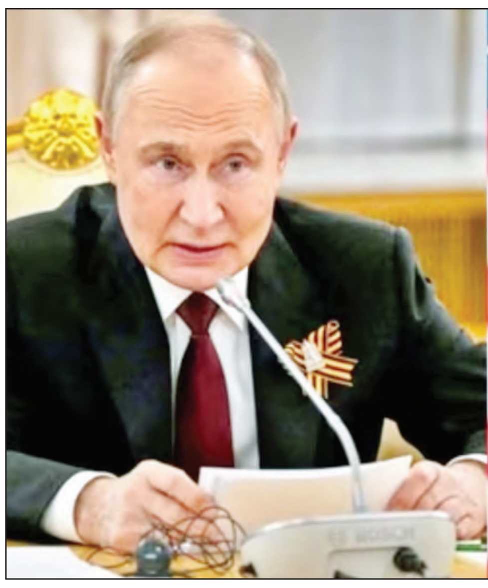

मेलेनिया ने लिखा खत, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने हाथों से पुतिन को सौंपा

वाशिंगटन,17 अगस्त (एजेंसियां) ।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच अलास्का में हुई बैठक पर दुनिया भर की नजरें थीं। यह मीटिंग भले ही रूस और यूक्रेन का युद्ध अभी रुकवा नहीं पाई हो लेकिन दोनों पक्षों की तरफ से इस मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मीटिंग के पहले ट्रंप ने अपनी पत्नी मेलेनिया द्वारा लिखा एक खत राष्ट्रपति पुतिन को अपने हाथों से दिया। इस खत में उन्होंने यूक्रेन के अगली पीढ़ी के लिए हमले रोकने की अपील की। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने जैसे ही यह खत पुतिन को दिया। उन्होंने बिना कोई समय गंवाए वहीं पर इसे पढ़ना शुरू कर दिया। इस पत्र को अब सार्वजनिक कर दिया है। इसमें अमेरिका की प्रथम महिला ने लिखा, हर बच्चे के दिन में एक जैसे शांत सपने होते हैं। वह ग्रामीण, शहरी क्षेत्र में या किसी भी देश में पैदा हुआ हो। वह केवल प्यार, संभावना और खतरे से सुरक्षा के सपने देखते हैं। माता-पिता होने के नाते... अगली पीढ़ी की इस आशा को पोषित करना और उसे बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। अपने-अपने देशों के नेताओं के रूप में हमारी जिम्मेदारी कुछ और आगे तक है। उन्होंने लिखा, बिना किसी शक के मैं यह कह सकती हूं कि हम सभी को एक गरिमापूर्ण विश्व की कल्पना करनी चाहिए। ताकि हर इंसान शांति के साथ जाग सके और भविष्य पूरी तरह से सुरक्षित रहे। प्रथम महिला ने लिखा, राष्ट्रपति पुतिन मुझे इस बात का यकीन है कि आप भी इस बात से सहमत होंगे कि प्रत्येक पीढ़ी के वंशज अपने जीवन की शुरुआत पवित्रता के साथ करें। एक मासूमियत के साथ, जिसमें भूगोल, सरकार या किसी विचारधारा का कोई हस्तक्षेप न हो। आज की दुनिया में कुछ बच्चे अपने आस-पास के अंधेरे में, अपनी हंसी को शांत रखने के लिए मजबूर हैं। राष्ट्रपति पुतिन आप अकेले ही इन बच्चों को उनकी प्यारी हंसी वापस कर सकते हैं। इन बच्चों की रक्षा करके आप केवल रूस की ही सेवा नहीं करेंगे, बल्कि आप मानवता की सेवा भी करेंगे। अपनी बात को खत्म करते हुए मेलेनिया ने कहा, ऐसा साहसिक विचार सभी मानवीय भेदभावों से परे है और आप केवल पेन के एक झटके से इस बात को लागू कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी दो दिनों के दौरे पर नेपाल पहुंचे

काठमांडू। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी दो दिनों के दौरे पर रविवार को लक्तमंदु पहुंचे हैं। भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर उतरे मिसरी का नेपाल के विदेश मंत्रालय के अधिकारी तथा भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने स्वागत किया। अपने दो दिवसीय दौरे पर विदेश सचिव मिसरी सबसे पहले प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात कर उन्हें भारत भ्रमण का औपचारिक निमंत्रण पत्र हस्तांतरण करने वाले हैं। प्रधानंत्री ओली का भारत भ्रमण सितंबर में तय किया गया है। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद भारतीय विदेश सचिव मिसरी नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल से मिलने के लिए उनके आधिकारिक निवास स्थल शीतल निवास जाएंगे। राष्ट्रपति से शिष्टाचार मुलाकात के बाद वे विभिन्न दलों के शीर्ष नेताओं से भी मिलेंगे। भारतीय दूतावास की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक भारतीय विदेश सचिव मिसरी नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा से उनके निवास पर मुलाकात करने वाले हैं तो प्रमुख विपक्षी दल माओवादी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड से उनके आवास पर मिलने जाने वाले हैं। राजनीतिक मुलाकातों के अलावा वे नेपाल के विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा से मुलाकात करेंगे और अपने नेपाली समकक्षी अमृत राई से द्विपक्षीय वार्ता में सहभागी होने वाले हैं। इस मुलाकात के क्रम में नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली के प्रस्तावित भारत भ्रमण के दौरान उठाए जाने वाले एजेंडा को अंतिम रूप दिए जाने की जानकारी नेपाल के विदेश सचिव राई ने जानकारी दी है।

मौत के दरवाजे से लौटी महिला ने सुनाए डेथ एक्सपीरियंस

लंदन। दुनिया में कई लोग ऐसे हुए हैं जो दावा करते हैं कि वे मौत के दरवाजे तक गए और फिर लौट आए। ऐसे अनुभवों को नियर डेथ एक्सपीरियंस कहा जाता है। स्वीडन की 42 वर्षीय जेनेट हेडस्ट्रॉम भी ऐसी ही एक महिला हैं, जिन्होंने दावा किया कि उन्होंने मौत के बाद की दुनिया देखी और वहां से वापस आईं। जुलाई 2004 में जेनेट और उनकी बहन जॉनशोपिंग शहर के पास एक भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गईं। आमने-सामने की टक्कर में जेनेट की हालत इतनी गंभीर थी कि डॉक्टरों को लगा, वे मौके पर ही दम तोड़ चुकी होंगी। सीट बेल्ट के दबाव से उनके सभी आंतरिक अंग दिल के पास खिसक गए थे, आंतें और डायफ्राम फट गए थे, दोनों फेफड़े पंचर हो गए थे। दर्द से कराहते हुए वे बार-बार कह रही थीं, मैं मर रही हूं। इसी दौरान जेनेट ने महसूस किया कि वे अपने शरीर से बाहर निकल रही हैं और एक तेज प्रकाश की ओर बढ़ रही हैं। वहां उन्हें दो फरिश्ते और उनकी दिवंगत गॉडमदर की आत्मा मिली।

महज 24 घंटे में कैटेगरी-5 का खतरनाक तूफान बना एरिन, कैरिबियन द्वीपों में बाढ़-भूस्खलन का खतरा

सैन जुआन । अटलांटिक महासागर में कैरिबियन के उत्तर में बना हरिकेन एरिन सिर्फ एक दिन में ट्रॉपिकल

स्टॉर्म से कैटेगरी पांच के ताकतवर तूफान में बदल गया। अमेरिका के नेशनल हरिकेन सेंटर (एनएचसी) ने शनिवार को जानकारी दी कि एरिन ने तेजी से रफ्तार पकड़ ली है। इसके बाद अब 160 मील प्रति घंटा (लगभग 255 किमी/घंटा) की जबरदस्त हवाएं चल रही हैं। मामले में नेशनल हरिकेन सेंटर के डायरेक्टर माइक ब्रेन्नन ने कहा कि एरिन एक बहुत ही ताकतवर तूफान बन गया है। सिर्फ 9 घंटों में इसकी हवा की गति 60 मील/घंटा (लगभग 96 किमी/घंटा) बढ़ गई। इसके साथ ही हरिकेन विशेषज्ञ माइकल लॉरी ने इसे अविश्वसनीय बताया। साथ ही कहा कि अगस्त महीने में इस तरह की तेजी से ताकत हासिल करना बहुत ही दुर्लभ है। खतरा अभी टला नहीं, भले ही तूफान समुद्र में रहे विशेषज्ञों ने बताया कि तूफान इस वक्त एंग्विला से 110 मील (180 किमी) उत्तर में था और पश्चिम की ओर 16 मील/घंटा (26 किमी/घंटा) की रफ्तार से बढ़ रहा है। इसका केंद्र जमीन से दूर रहेगा, लेकिन इसके असर से प्योर्टो रिको और आसपास के द्वीपों में भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन और कीचड़ फिसलने का खतरा है। सेंट मार्टिन, सेंट बार्ट्स और सेंट मार्टेन के लिए ट्रॉपिकल स्टॉर्म वॉच जारी की गई है। तूफान का आकार भी बढ़ेगा रिपोर्ट में बताया गया है कि हालांकि तूफान अभी छोटा है (हैरीकेन-फोर्स हवाएं सिर्फ 45 किमी तक फैल रही हैं)।

ताइवान में अब बच्चे पैदा करने का खर्च उठाएगी सरकार, देगी 6 लाख

ताइपे, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे कई एशियाई देशों में गिर रही जन्मदर

ताइपे,17 अगस्त (एजेंसियां) ।

शादी और फिर बच्चों का खर्च उठाना इंसान की जिम्मेदारी होती है, लेकिन ताइवान सरकार ने बच्चे के जन्म की जिम्मेदारी लेने का फैसला किया है। वहां रहने वाले नागरिकों को बच्चे को जन्म देने के लिए होने वाले महंगे खर्च में भी सरकार मदद करेगी और उन्हें एकमुश्त राशि भी देगी। ताइवान में लगातार घटती जन्मदर को देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है। अब जो कपल बच्चे पैदार करने के लिए इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन यानि आईवीएफ का सहारा लेंगे, उन्हें सरकार की ओर से करीब 6 लाख रुपए तक की आर्थिक मदद दी जाएगी। ये फैसला देश में गिरती जन्मदर को रोकने और परिवार बढ़ाने को प्रोत्साहित करने के मकसद से लिया गया है।

अब तक सरकार आईवीएफ करवाने वाले दंपतियों को करीब तीन लाख रुपए की मदद देती थी, लेकिन अब यह राशि दोगुनी कर दी गई है। इस प्रस्ताव को जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है और इसके बाद इसे देशभर में लागू कर दिया जाएगा। नए प्रस्ताव के तहत आईवीएफ ट्रीटमेंट के दूसरे से छठे चरण के लिए भी उतनी ही राशि दी जाएगी, जितनी पहले चरण में मिलती है। आम तौर पर आईवीएफ प्रक्रिया में कई बार प्रयास करने पड़ते हैं और खर्च ज्यादा हो जाता है। ऐसे में लोग इससे पीछे हट जाते हैं। इसलिए यह योजना उन दंपतियों को राहत देगी जो संतान चाहते हैं लेकिन आर्थिक कारणों से रुक जाते हैं।

ताइवान, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे कई एशियाई देशों में जन्मदर तेजी से गिर रही है। युवा पीढ़ी शादी और बच्चे पैदा करने से दूर होती जा रही हैं, जिससे भविष्य में जनसंख्या घटने और काम करने वालों की संख्या कम होने का खतरा बढ़ रहा है। इसके अलावा वन चाइल्ड पॉलिसी के चलते चीन में भी काम करने वाले युवाओं की संख्या कम हो गई है जबकि रूस भी जनसंख्या की कमी की समस्या से जूझ रहा है।

जनवरी 2025 से चीन ने एक राष्ट्रीय बाल-देखभाल सब्सिडी शुरू की है, जिसके तहत हर तीन साल से कम उम्र वाले बच्चे पर 3600 युआन यानि 43,000 रुपए हर साल दिए जाएंगे।

शादी के 50 साल बाद पता चला तीनों बच्चे किसी और के

वाशिंगटन। अमेरिका में 50 साल से विवाहित एक बुजुर्ग दंपति के जीवन का चौंकाने वाला सच सामने आया है। सालों बाद पति को पता चला कि जिन तीन बच्चों को वह अपना समझता रहा, वहीं उसके नहीं हैं। अदालत में पेश हुई डीएनए रिपोर्ट ने पत्नी की बेवफाई का खुलासा किया और पति का भरोसा पूरी तरह तोड़ दिया। वीडियो में बुजुर्ग व्यक्ति अदालत में खड़े होकर अपने दर्द का इज़हार करता दिखता है। उसका कहना था कि वह खुद आकर्षक व्यक्तित्व का मालिक है, लेकिन उसके बच्चे न तो शक्ल-सूरत में उससे मिलते हैं और न ही उनके स्वभाव में कोई समानता है। उसने व्यंग्य करते हुए कहा कि जैसे बच्चे गली से उठाकर लाए गए हों। शुरू में पत्नी ने इस आरोप को सिरे से नकार दिया और अपनी वफादारी का दावा किया, लेकिन जैसे ही डीएनए रिपोर्ट पढ़ी गई, सच्चाई सामने आ गई तीनों बच्चे जैविक रूप से उस व्यक्ति के नहीं थे। पति के मुताबिक, उसे वर्षों से शक था, लेकिन उसने इसे नज़रअंदाज़ किया। आखिरकार 50 साल की शादी के बाद उसने सच्चाई जानने के लिए डीएनए टेस्ट करवाने का फैसला किया। नतीजों ने न केवल यह साबित किया कि बच्चे उसके नहीं थे, बल्कि यह भी सामने आया कि शादी के दौरान पत्नी ने किसी और से संबंध बनाए थे। इस खुलासे ने उसके पूरे वैवाहिक जीवन की नींव हिला दी। यह मामला पैटर्निटी फ्रॉड यानी पितृत्व धोखाधड़ी का उदाहरण है जब कोई महिला जानबूझकर गलत व्यक्ति को बच्चे का पिता बताती है। यह भावनात्मक, आर्थिक और कानूनी तीनों स्तरों पर गंभीर परिणाम ला सकता है। कुछ देशों, जैसे ऑस्ट्रेलिया में, ऐसे मामलों में पुरुषों को आर्थिक मुआवजा मिल सकता है। उदाहरण के तौर पर, 2002 में विक्टोरियन काउंटी कोर्ट ने लियाम नील मैगिल को 70,000 डॉलर लौटाने का आदेश दिया था, जब पता चला कि उनके तीन बच्चों में से सिर्फ एक ही उनका था।

इंसानों को ग्रह प्रॉक्सिमा सेंचुरी बी पर बसाने की तैयारी

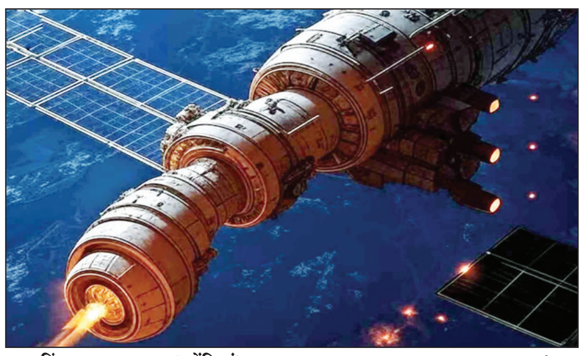

वाशिंगटन,17 अगस्त (एजेंसियां) ।

वैज्ञानिकों ने क्रिसालिस नामक एक महत्त्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशन की योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य है इंसानों को पृथ्वी से लगभग 40 ट्रिलियन किलोमीटर दूर स्थित ग्रह प्रॉक्सिमा सेंचुरी बी पर बसाना। वैज्ञानिकों का मानना है कि यहां जीवन संभव हो सकता है, इसलिए इसे इंसानों के नए घर के रूप में चुना गया है। क्रिसालिस अंतरिक्ष यान को इस बेहद लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। यह ग्रह अल्फा सेंचुरी सौरमंडल का हिस्सा है, जो पृथ्वी से लगभग 4.4 प्रकाश वर्ष दूर है और आकार व वातावरण में काफी हद तक पृथ्वी जैसा माना जाता है। इसकी लंबाई 58 किलोमीटर है और इसका ढांचा परतों में बंटा हुआ है, जैसा कि रशियन नेस्टिंग डॉल में होता है। यान के अंदर एक स्वायत्त मिनी-सिटी तैयार की जाएगी, जिसमें खेती के खेत, पशुपालन के स्थान, स्कूल, अस्पताल, पार्क, घर और लाइब्रेरी जैसी सभी सुविधाएं मौजूद होंगी। हर घर में हवा और तापमान को नियंत्रित करने की उन्नत तकनीक होगी, ताकि यात्रियों को पृथ्वी जैसी आरामदायक स्थिति मिल सके।

ऊर्जा के लिए इसमें न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर लगाया जाएगा, जो निरंतर बिजली उपलब्ध कराएगा। कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण बनाए रखने के लिए यान लगातार घूमता रहेगा, जिससे यात्री शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकें। इस मिशन में कुल 2,400 लोगों के रहने की क्षमता होगी, लेकिन शुरुआत में केवल 1,500 लोग ही इसमें सवार होंगे, ताकि संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव न पड़े। 400 साल लंबी यह यात्रा एक मल्टी-जनरेशन मिशन होगी, यानी जो लोग शुरुआत में इस यात्रा पर निकलेंगे, वे अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाएंगे। उनकी अगली पीढ़ियां इस सफर को आगे बढ़ाएंगी और अंततः आखिरी पीढ़ी ही प्रॉक्सिमा सेंचुरी बी पर कदम रखेगी। आबादी के संतुलन के लिए जन्म दर पर सख्त नियंत्रण रखा जाएगा, जिससे सामाजिक और संसाधन संबंधी संतुलन बना रहे। पूरे मिशन के संचालन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एआई न केवल नियम लागू करेगी और निर्णय लेगी, बल्कि विवाद समाधान और पीढ़ी-दर-पीढ़ी ज्ञान के हस्तांतरण में भी अहम योगदान देगी, ताकि हर नई पीढ़ी मिशन के उद्देश्य, तकनीकी जानकारी और सामाजिक मूल्यों को समझते हुए आगे बढ़े। यात्रियों को इस लंबी और एकाकी यात्रा के लिए मानसिक रूप से तैयार करने के लिए उन्हें 70 से 80 साल तक अंटार्कटिका जैसे कठिन और एकांत स्थानों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

थाईलैंड-कंबोडिया सेनाओं की बैठक, सीमा पर शांति बनाए रखने पर सहमति

बैंकॉक/फ्नोम पेन्ह। थाईलैंड और कंबोडिया की सेनाओं के प्रतिनिधियों ने शनिवार को थाईलैंड के त्राट प्रांत में थाईलैंड-कंबोडिया रीजनल बॉर्डर कमिटी (आरबीसी) की विशेष बैठक की। थाई नेवी के अनुसार, बैठक में थाई पक्ष से चंथाबुरी और त्राट बॉर्डर डिफेंस कमांड के कमांडर और कंबोडिया की मिलिट्री रीजन-3 के कमांडर शामिल हुए। दोनों पक्षों ने आपसी मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने और सीमा क्षेत्रों में शांति एवं लोगों की भलाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक के बाद एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए गए। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय की अंडर-सेक्रेटरी ऑफ स्टेट और प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा कि इस विशेष बैठक में सीमा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई और यह तय किया गया कि दोनों देशों की सेनाएं नियमित रूप से संपर्क बनाए रखेंगी। उन्होंने कहा कि बैठक का उद्देश्य संघर्षों से बचना और मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से हल करना है। कंबोडिया को उम्मीद है कि यह बैठक युद्धविराम समझौते के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा देगी, जिससे सीमा क्षेत्रों में शांति, स्थिरता और सामान्य स्थिति बहाल होगी।

आखिरी जंग: फिलिस्तीनियों को दक्षिणी गाजा में शिफ्ट करके हमास का सफाया करेगा इजरायल

तेल अवीव,17 अगस्त (एजेंसियां) ।

करीब दो साल से इजरायल युद्ध की आग में जल रहा है। यहां के लोग भी इस जंग से परेशान हो गए हैं। इसके लिए जगह जगह प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी बीच इजरायल के ने हमास से आखिरी जंग का प्लान तैयार किया है। ताकि निर्णायक जंग के बाद इसे खत्म किया जा सके। फिलिस्तीनियों को दक्षिणी गाजा में शिफ्ट करने की योजना बना रही है जिससे कि घनी बस्ती वाले इलाकों में हमले किए जा सकें। इजरायली सेना का कहना है कि हमास के बचे-कुचे लड़ाके घनी बस्ती वाले इलाकों में छिपे हुए हैं।

ऐसे में हमास को पूरी तरह खत्म करने के लिए इन इलाकों में ऑपरेशन चलाया जाएगा और आम लोगों को दक्षिणी गाजा में शिफ्ट कर दिया जाएगा। गाजा में मानवीय सहायता के लिए जिम्मेदार इजरायली सेना ने कहा कि रविवार से गाजा में टेंट और राहत सामग्री की सप्लाई सुचारु रूप से शुरू हो जाएगी। इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा है कि अब गाजा में हमास को हराने की आखिरी जंग जल रही है। इजरायल की बात करें तो युद्ध से ऊब चुके लोग अब सड़कों पर आ चुके हैं। वहीं बंधकों के परिवारों को डर है कि अगर युद्ध आगे बढ़ता है तो बचे हुए 20 बंधकों के जीवन को भी खतरा हो सकता है। हमास समय-समय पर बंधकों के वीडियो जारी करता है। इससे इजरायली परिवारों में बेचैनी और बढ़ जाती है। इजरायल गाजा में कई बार इस तरह के ऐलान कर चुका है। इजरायली सेना ने जब भी किसी इलाके को खाली करने का आदेश दिया तब अप्रत्याशित हमले भी किए गए। कई बार ऐसा हुआ कि लोग जहां शिफ्ट हो रहे थे, वहीं बम गिरा दिए गए। ऐसे में फिलिस्तीनियों को इजरायल पर एकदम भरोसा नहीं है। हालांकि हमले के डर से बहुत सारे लोग दक्षिणी गाजा में जाने को तैयार भी हैं।

ट्रंप हथियारबंद जवानों की करेंगे तैनाती, वॉशिंगटन डीसी को बना दिया छावनी

वाशिंगटन,17 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन डीसी को छावनी बना दिया है। यहां नेशनल गार्ड्स की तैनाती कर दी है। कुछ ही दिनों में यहां हथियारबंद जवान नजर आएंगे। पहले कहा गया था कि राजधानी में तैनात नेशनल गार्ड्स को हथियार नहीं दिया जाएगा, हालांकि अब ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि अपराध से निपटने के लिए हथियार जरूरी हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक अधिकारियों ने बताया है कि नेशनल गार्ड्स को जरूरत पड़ने पर हथियार मुहैया करवा दिए जाएंगे।

नेशनल गार्ड्स के जवान मंगलवार से ही वॉशिंगटन डीसी में तैनात हो गए हैं। वे प्रशासनिक, लॉजिस्टिक से लेकर शहर के सुंदरीकरण तक का काम कर रहे हैं। नेशनल मॉल में भी सेना के वाहन को पार्क किया गया था। इसके अलावा सरकारी इमारतों के सामने भी गार्ड्स की तैनाती की गई है। इसके अलावा नेशनल गार्ड्स के जवान शहर में

गश्त कर रहे हैं। जवानों ने कई लोगों को गिरफ्तार भी किया है। वेस्ट वर्जीनिया के गवर्नर पैट्रिक मोरिसे ने ऐलान किया है कि वह 300 से 400 जवानों को राजधानी वॉशिंगटन डीसी के लिए रवाना कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि राजधानी को अपराध के चंगुल से छुड़ाना है। दरअसल वॉशिंगटन डीसी में स्थानीय शासन डेमोक्रेट्स का है। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप किसी तरह वॉशिंगटन डीसी का कंट्रोल अपने हाथों में लेना चाहते हैं। पेंटागन के अधिकारियों का कहना है कि नेशनल गार्ड्स के जवानों को शांति स्थापित करने की ट्रेनिंग दी गई है।

अब पाकिस्तान खोलने जा रहा है 5 खरब डॉलर का बड़ा मार्केट, कैसे लगेगी बोली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का खनिज खज़ाना बेहद समृद्ध है। कोयला, तांबा, सोना, लौह अयस्क, क्रोमाइट, कीमती पत्थर और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी नमक की खदानें यहां मौजूद हैं। इसके अलावा यह देश दुनिया के पांचवें सबसे बड़े कॉपर और गोल्ड भंडार का भी मालिक है। यही वजह है कि अमेरिका, चीन, सऊदी अरब, ब्रिटेन, तुर्किये और यूएई जैसे बड़े देश इस बोली प्रक्रिया में शामिल होने को तैयार हैं। अगर यह योजना सफल रहती है तो यह पाकिस्तान के इतिहास की सबसे बड़ी रेवेन्यू मोबिलाइजेशन साबित हो सकती है। न सिर्फ़ विदेशी मुद्रा भंडार मज़बूत होंगे, बल्कि पाकिस्तान को वैश्विक रेयर अर्थ रेस में भी महत्वपूर्ण स्थान मिल सकता है। हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि इतनी बड़ी पूंजी का प्रवाह तभी पाकिस्तान की किस्मत पलट पाएगा जब वह आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता, सुरक्षा चुनौतियों और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाए। वरना यह खजाना भी देश की किस्मत नहीं बदल पाएगा। चीन, सऊदी अरब और अमेरिका के अलावा ब्रिटेन, तुर्किये और यूएई भी इस दौड़ में शामिल हैं। दिलचस्प सवाल यह है कि क्या ऊर्जा और खनिज खोज में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रही भारत की ओएनजीसी जैसी सरकारी कंपनी पांच खरब डॉलर की इस खनिज संपदा में बोली लगा पाएगी।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अब कठुआ में फटा बादल, 7 मरे, दर्जनों लापता

अथक मेहनत से सुरक्षाबल कर रहे लोगों की मदद

जम्मू, 17 अगस्त (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में कुदरत का कहर जारी है। अब कठुआ के तीन स्थानों पर बादल फटने से भारी तबाही हुई है। पांच बच्चों समेत सात लोगों के मरने और दर्जनों के लापता होने का समाचार है। रेलवे ट्रैक और हाईवे को भी नुकसान हुआ है। जिस कारण जम्मू कश्मीर का शेष देश से संपर्क कट गया है। बीसियों घर तबाह हो गए हैं। मौसम विभाग ने अभी 25 अगस्त तक ऐसे हादसों के होने की चेतावनी दी है।

बादल फटने जैसी घटना से कठुआ में कोहराम की स्थिति पहली बार बनी है। अपने संपर्कों से जो बातचीत हुई है, उसके मुताबिक जम्मू-पठानकोट नेशनल हाईवे के ऊपरी कंडी क्षेत्र में सबसे ज्यादा नुक्सान हुआ है। बादल फटने का पहला इम्पैक्ट दिलवां, खरोट और जोड़ पर पड़ा है। सात लोगों की मौत की पुष्टि की जा रही है जबकि कई घायल हैं। जंगलोट से सटे केंद्रीय विद्यालय कठुआ और सैन्य क्षेत्र में नुकसान की सूचना है।

बताया जा रहा है बाढ़ का कुछ पानी कंडी इलाके के बीच से जाने वाली नहर में चले जाने से कठुआ शहर को बड़ा नुकसान होने से टल गया। इसके बावजूद कठुआ के वार्ड 7 और खासकर आईटीआई सड़क जलमग्न हो गए। कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाड़ियां जहां पार्क थीं सुबह उससे दूर जाकर मिलीं। ओल्ड सांबा कठुआ मार्ग भी कई फुट पानी में घंटों तक रहा। नदी नालों में बाढ़ का असर निचले मैदानी इलाकों पर भी पड़ा। सुरक्षित माने जाने वाले कुछ इलाक़ों में बाढ़ के हालात बन गए।

जबकि रेलवे अधिकारियों ने रविवार को लगातार भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति के कारण उधमपुर और पठानकोट सेक्शन के बीच ट्रेन सेवाएं अगली सूचना तक स्थगित कर दीं। एक अधिकारी ने बताया कि लगातार भारी बारिश के कारण उधमपुर और पठानकोट के बीच अगली सूचना तक सेवाएं स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि यह निलंबन पिछले 10 घंटों से हो रही भारी और लगातार बारिश के कारण है, जिससे पटरियाँ परिचालन के लिए असुरक्षित हो गई हैं। अधिकारी ने कहा कि यह कदम सभी यात्रियों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले के घाटी इलाके में एक विनाशकारी बादल फटने से कथित तौर पर 7 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि को हुई इस प्राकृतिक आपदा ने क्षेत्र के एक सुदूर गांव को अलग-थलग कर दिया है, जिससे बचाव और राहत कार्यों की चुनौतियां और बढ़ गई हैं।

कठुआ में बादल फटने से तीन जगहें प्रभावित हुईं, जिनमें सबसे ज्यादा असर राजबाग के जोड़ घाटी इलाके में महसूस किया गया। रात भर हुई भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन हुआ, जिससे जमीन और संपत्ति को काफी नुकसान हुआ।

उज नदी और आस-पास के जलाशयों के बढ़ते जल स्तर ने चिंता बढ़ा दी है, जिससे स्थानीय अधिकारियों ने सुरक्षा सलाह जारी कर निवासियों से नदियों और नालों से दूर रहने का आग्रह किया है।

सूत्रों के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र से बजरी और कीचड़ भरा पानी जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया, जिससे यातायात बाधित हुआ।

पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) सहित आपातकालीन प्रतिक्रिया दल प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्यों में सहायता और फंसे हुए निवासियों को राहत प्रदान करने के लिए तैनात किए गए हैं। जिला प्रशासन स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहा है, बागड़, चांगडा और दिलवान-हुतली जैसे इलाकों में भूस्खलन की और भी खबरें हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला : कोर्ट के हर आदेश का उल्लंघन करना अवमानना नहीं

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक आश्चर्यजनक फैसले में कहा है कि कोर्ट द्वारा जारी किए गए हर निर्देश का उल्लंघन होना अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का आधार नहीं बन सकता। यह फैसला न्यायमूर्ति अनिल क्षत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन की पीठ ने हाल ही 12 अगस्त को सुनाया है। यह मामला भारतीय वन सेवा के अधिकारी संजीव चतुर्वेदी द्वारा दायर अवमानना याचिका से जुड़ा है। उन्होंने इंटेलिजेंस ब्यूरो के केंद्रीय जन सूचना अधिकारी के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसमें कोर्ट के आदेशों की बार-बार जानबूझकर अवहेलना करने का आरोप लगाया गया था। कोर्ट ने जुलाई 2023 और अगस्त 2024 में खइ को संजीव चतुर्वेदी से संबंधित गोपनीय रिपोर्ट समेत प्रासंगिक रिकॉर्ड पेश करने का निर्देश दिया था।

याचिका के अनुसार, आईबी के सीपीआईओ ने इन रिकॉर्ड्स को कोर्ट में पेश नहीं किया था, जिसके कारण चतुर्वेदी ने अवमानना की कार्यवाही की मांग की थी। यह विवाद तब शुरू हुआ था जब मई 2014 में पर्यावरण मंत्रालय ने आईबी से संजीव चतुर्वेदी की जान को खतरे के आकलन पर एक रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन बाद में आरटीआई अधिनियम के तहत यह रिपोर्ट उन्हें देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि किसी अधिकारी के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती, क्योंकि याचिकाकर्ता ने अवमानना करने वाले का नाम नहीं दिया है।

वहीं, वरिष्ठ वकीलों ने तर्क दिया कि जब आईबी की वेबसाइट और सीपीआईओ का नाम सार्वजनिक डोमेन में नहीं है, तो नाम कैसे दिया जा सकता था। यह भी उल्लेखनीय है कि मार्च 2024 में दिल्ली हाईकोर्ट की एक एकल पीठ ने संजीव चतुर्वेदी की ही याचिका पर केंद्रीय जांच ब्यूरो के सीपीआईओ को बिना नाम लिए अवमानना नोटिस जारी किया था।

इधर, विधि विशेषज्ञों का कहना है कि न्यायालय की अवमानना अधिनियम 1971 की धारा 2 ब के अंतर्गत न्यायालय के किसी भी निर्देश का जानबूझकर किया गया उल्लंघन न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आता है। इसमें किसी भी तरह का कोई भेदभाव नहीं किया गया है।

अग्रसेन बैंक की 10वीं शाखा कुकटपल्ली में उद्घाटित

बैंक का विस्तार जारी रहेगा : प्रमोद केडिया

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्राहकों की बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने अपनी 10वीं शाखा का उद्घाटन कुकटपल्ली के केपीबीएच कॉलोनी स्थित मलिक प्लाजा में किया। बैंक की इस नई शाखा का उद्घाटन कुकटपल्ली के विधायक माधवराम कृष्णा राव (बीआरएस) ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।

इस अवसर पर, पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष शरद बी. पित्ती ने स्ट्रॉन्ग रूम और सेफ डिपॉज़िट लॉकर सुविधा का उद्घाटन किया।

इसके साथ ही, कोठारी ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के संस्थापक और अध्यक्ष स्वरूपचंद कोठारी और तिबरेवाला इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष ज्योति प्रकाश तिबड़ेवाला ने अन्य बैंकिंग सेवाओं का उद्घाटन किया, ताकि ग्राहक उनका लाभ उठा सकें।

बैंक के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि बैंक की 11वीं शाखा सितंबर 2025 में माधापुर में खोली जाएगी। इसके अलावा, भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के तहत, बैंक वित्तीय रूप से सुदृढ़ और सुव्यवस्थित बैंक (एफएसडब्ल्यूएम) श्रेणी में एक और शाखा खोलने की योजना बना रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बैंक भविष्य में पूरे तेलंगाना में अपनी शाखाओं का विस्तार करने की योजना बना रहा है, जिसके लिए नियामक प्राधिकरणों से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त किए जाएँगे।

अध्यक्ष ने सभी शेयरधारकों, ग्राहकों और शुभचिंतकों से आग्रह किया कि वे कुकटपल्ली की इस नई शाखा में उपलब्ध सभी आधुनिक बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठाएँ। यह शाखा एक अत्याधुनिक एटीएम सेंटर से भी सुसज्जित है।

अग्रसेन बैंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने निर्बाध ग्राहक सेवा और वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि बैंक का मज़बूत नेतृत्व और समर्पित कर्मचारी अपने सदस्यों के बीच विश्वास को लगातार बढ़ा रहे हैं।

उद्घाटन समारोह में बैंक के कई निदेशक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें- सीए नवीन कुमार अग्रवाल (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), सुरेश कुमार अग्रवाल (उपाध्यक्ष), नारायण दत्त (अध्यक्ष ईच्), नरसिंग दास, गोपाल चंद अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, अंजु केडिया, बजरंग प्रसाद गुप्ता, सीए पंकज कुमार अग्रवाल, और महावीर पित्ती (सदस्य बीओएम) आदि शामिल हैं।

अन्य गणमान्य अतिथियों में शेखर यादव, दीपक अग्रवाल, सूर्यकांत अडेप्पा, पूर्व कॉर्पोरेटर बाबू राव, पंकज अग्रवाल, हजारी लाल केडिया, पूरनमल अग्रवाल, मेघराज अग्रवाल और प्रदीप अग्रवाल भी उपस्थित थे। बैंक के महाप्रबंधक/सीईओ सीवी राव, उप-महाप्रबंधक आनंद अग्रवाल, सभी शाखाओं के शाखा प्रबंधक और अन्य कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

तेयूप द्वारा भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप), हैदराबाद ने 17 अगस्त, 2025 को एक दिवसीय भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यशाला युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की शिष्या साध्वीश्री डॉ. गवेषणा श्री जी ठाणा-4 के सान्निध्य में जैन तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में संपन्न हुई।

कार्यशाला का प्रारंभ साध्वीश्री डॉ. गवेषणा श्री जी के नमस्कार महामंत्र उच्चारण से हुआ। तेयुप की भिक्षु प्रज्ञा मंडली ने विजय जीत का गीत प्रस्तुत किया। परामर्शक प्रवीण श्यामसुखा ने 'शावक निष्ठा पत्रिका' का वाचन किया और अध्यक्ष राहुल गोलछा ने सभी का स्वागत किया।

अपने मंगल उद्बोधन में साध्वीश्री डॉ. गवेषणा श्री जी ने आचार्य भिक्षु के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु के दो प्रभावशाली रूप थे-विचार और चारित्र। वे शुद्धि के प्रवर्तक और संघ व्यवस्थापक थे, और उनका मानना था कि आचारवान व्यक्तियों से ही संबंध रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु का संगठन शक्ति के लिए नहीं, बल्कि आचार की शुद्धि के लिए था, और उनकी दृष्टि में आचार भक्ति पर आधारित संगठन का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि आचार्य भिक्षु ने दान, दया और अहिंसा जैसे अनेक सिद्धांत दिए, जो आज भी मार्गदर्शकों के लिए प्रकाश स्तंभ के समान हैं।

साध्वी मेरूप्रभा जी, मयंकप्रभा जी और दक्षप्रभा जी ने आचार्य भिक्षु के सम्मान में एक सुंदर गीत प्रस्तुत किया।

कार्यशाला के दौरान, आचार्य भिक्षु के जीवन से जुड़े प्रश्नोत्तरों का एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 60 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। इस सत्र में उत्साहपूर्वक उत्तर देने वाले हुबली के वीरेन जीरावाला का अभिनंदन किया गया। प्रतियोगिता के परिणाम शीघ्र ही घोषित किए जाएँगे।

कार्यक्रम का संचालन संयोजक निर्मल बैंगनी और प्रदीप दुधोडिया ने किया। तेयुप मंत्री नीरज सुराणा ने सभी संयोजकों और कार्यशाला में भाग लेने वालों का आभार व्यक्त किया।

स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करे: मांडविया

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को फिट इंडिया संडे ऑन साइक्लिंग के 36वें संस्करण में सभी नागरिकों से सक्रिय जीवनशैली के लिए फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करने आह्वान किया।

डा. मांडविया ने आज गुजरात के पालीताणा स्थित अपने गृह ग्राम हनोल से फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल में भाग लेकर सभी नागरिकों से एक सक्रिय जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। संडे ऑन साइकिल के 36वें संस्करण में राष्ट्रीय कैडेट कोर के युवाओं की भी भागीदारी रही। डॉ. मांडविया ने गांव के पुरुषों और महिलाओं से फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करने और कार्बन क्रेडिट सुविधा का उपयोग करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, मैं सभी से फिट इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करने और यह देखने का आग्रह करता हूं कि साइकिल से काम पर जाने या गांव में घूमने से कितना कार्बन बच रहा है। इस ऐप को इस तरह से विकसित किया गया है कि यह आपको दूरी और लगने वाले समय से लेकर हृदय गति आदि तक, आपके स्वास्थ्य के बारे में सभी जानकारी देता है, जो आपके स्वास्थ्य पर नजर रखने के लिए फायदेमंद है। साइकिल चलाना मोटापे से लड़ने और प्रदूषण से निपटने का एक बेहतरीन साधन है।

मैं सभी से हमारे फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अभियान का हिस्सा बनने का आग्रह करता हूं।

एक स्वस्थ और प्रदूषण मुक्त भारत के निर्माण के अपने मिशन को जारी रखते हुए, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने आज राष्ट्रीय कैडेट कोर के साथ मिलकर देश भर में 5000 स्थानों पर 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल'का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 3000 नमो फिट इंडिया क्लबों ने भी भाग लिया।

दिल्ली में आयोजित कार्यकम में 1200 से अधिक उत्साही साइकिल चालकों ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम का चक्कर लगाया और डॉ. शिखा गुप्ता द्वारा आयोजित रस्सी कूदने की गतिविधि के अलावा ज़ुम्बा, ध्यान और योग सत्रों का आनंद लिया। इसके अलावा, तलवारबाज नाजिया शेख और बेनी क्वेभा ने साइक्लिंग अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि यह टियर 1 और टियर 2/3 शहरों में मोटापे और वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के बारे में बहुत जरूरी जागरूकता फैला रहा है।

इस अवसर पर तलवारबाज बेनी क्वेभा ने कहा, इतनी बड़ी भीड़ के साथ साइकिल चलाने का यह मेरा पहला अनुभव है। मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल लोगों को मोटापे और प्रदूषण जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बारे में जागरूक करने की एक बेहतरीन पहल है।

लोगों को एक ही जगह पर ज़ुम्बा, योग, रस्सी कूदने से लेकर बैडमिंटन, नेट क्रिकेट आदि जैसी विभिन्न शारीरिक गतिविधियों का आनंद लेते देखना बहुत अच्छा लगा। सुबह की शुरुआत ऊर्जा से भरपूर रही और सभी के लिए यह संदेश स्पष्ट था कि हमें फिट और स्वस्थ रहने के लिए एक सक्रिय जीवनशैली अपनानी होगी।

इस बीच, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) के 100 से अधिक राइडर्स ने पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स (पीएलडब्ल्यू) में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल्स में सक्रिय रूप से भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि इस साइक्लिंग पहल का अब तक 46 हजार से अधिक स्थानों पर आयोजन किया जा चुका है, जिसमें कुल मिलाकर आठ लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया है।

बॉलीवुड में बसती है घोस्ट राइटर्स की एक गुमनाम दुनिया!

मजबूरी में बड़े-बड़े दिग्गज कर चुके हैं हुनर का सौदा

सिनेमा... एक ऐसी दुनिया जहां के भगवान हर शुक्रवार को बदल जाते हैं। नई-नई फिल्में रिलीज होती हैं। नए-नए स्टार्स बनते हैं। इनमें से कई बॉक्स ऑफिस पर कमाई कोहराम मचाते हैं, तो कई दिलों को छू जाते हैं। पर्दे पर रूप-रंग, संगीत और चमक-दमक की दुनिया में एक कुनबा उनका भी है, जो पर्दे पर पीछे होते हैं, लेकिन उनके बिना दर्शकों के दिल तक जाने की कल्पना नहीं की जा सकती। यह कुनबा है, फिल्म के राइटर्स की। वो जो किसी फिल्म के लिए उसकी आत्मा यानी कहानी, स्क्रीनप्ले और गाने तैयार करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिनेमा के समंदर में उन लेखकों की भी एक जमात है, जो गुमनाम हीरोज होते हैं। ये वो हैं, जो मजबूरी में अपने हुनर का सौदा करते हैं। ये दुनिया है घोस्ट राइटर्स की। जो पसीना तो अपना बहाते हैं, लेकिन उसकी कमाई यानी कि नाम कोई और खा रहा होता है। बॉलीवुड के ऐसे ही घोस्ट राइटर्स की। एक पड़ताल, उन कलम के जादूगरों के बारे में, जिनमें बॉलीवुड के कई दिग्गजों के नाम भी शामिल हैं।

दरअसल, बॉलीवुड में लेखकों, गीतकारों और संगीतकारों को उनका हक न मिलना कोई नई बात नहीं है। कई बार तो सीधे - सीधे घोस्ट राइटिंग वाला मामला होता है। घोस्ट राइटिंग का मतलब होता है किसी और के लिए लिखना, बिना अपने नाम का इस्तेमाल किए। एक घोस्ट राइटर वह व्यक्ति होता है, जो किसी और के नाम से कंटेंट (कहानी, गाना, स्क्रिप्ट आदि) तैयार करता है, लेकिन उसका श्रेय उस व्यक्ति को मिलता है, जिसके लिए वह कंटेंट लिखा गया है। असली लेखक का नाम कभी सामने नहीं आता। हमने इंडस्ट्री की जानी-मानी हस्तियों से बात की, जानना चाहा कि आखिर किन हालातों में होती है घोस्ट राइटिंग।

आज अचानक घोस्ट राइटर की बात क्यों?

आप सोच रहे होंगे कि आज अचानक घोस्ट राइटर्स का जिक्र क्यों? दरअसल, बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई 'सैयारा' में हमने घोस्ट राइटिंग की झलक देखी। मोहित सूरी ने अपनी फिल्म में इसका मुद्दा एक सीन के जरिए उभारा है। जहां गाना कोई और लिख रहा है, लेकिन नाम किसी और का हो रहा। रील से परे रियल दुनिया में यह सच्चाई कहीं ज़्यादा गहरी है। स्क्रीन पर गूंजते डायलॉग्स और हिट गीतों के पीछे अक्सर ऐसे रचनाकार होते हैं, जिन्हें न नाम मिलता है, न पहचान। ये हैं घोस्ट राइटर, जो किसी और के लिए लिखते हैं और गुमनाम रहते हैं। लेकिन आखिर वो ऐसा क्यों करते हैं?

सैयारा की कहानी एक ऐसे गायक की है, जो शुरुआत में अपने गानों में नाम न दिए जाने पर जमकर हंगामा करता है। लेकिन कहानी में एक ऐसा मोड़ भी आता है, जब वह मजबूरीवश अपने गीतों के लिए क्रेडिट न मिलने के बावजूद चुप रह जाता है। यह बदलाव फिल्म में बेहद संवेदनशील तरीके से, बीते हुए दृश्यों के माध्यम से दर्शाया गया है। गौरतलब है कि इस फिल्म के वही गाने, जो अब ग्लोबल चार्ट्स में अपनी जगह बना चुके हैं, उनके कंपोजर तनिष्क बागची ने भी हाल ही में एक पोस्ट के जरिए इस बात पर नाराजगी जाहिर की कि फिल्म के पोस्टर में संगीतकारों को उचित श्रेय यानी क्रेडिट नहीं दिया गया।

घोस्ट राइटर हमेशा से बॉलीवुड के गलियारों में मौजूद रहा है, कभी जरूरत में, कभी समझौते में, तो कभी जानबूझकर खुद को पर्दे के पीछे रखकर। हिंदी सिनेमा के भारत कुमार कहे जाने वाले अभिनेता-निर्देशक-लेखक मनोज कुमार ने अपने संघर्ष के दिनों में कई फिल्मों के लिए घोस्ट राइटिंग की थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया था, वो मेरे संघर्ष के दिन थे। मैं रणजीत स्टूडियो में राइटिंग का काम करता था। उस वक्त मुझे एक सीन के 11 रुपये मिलते थे। हफ्ते में 5-6 सीन मिल जाते थे, और

60-70 रुपये का इंतजाम हो जाता था।

मनोज कुमार बताते हैं कि एक बार निर्देशक रमेश सहगल अभिनेता अशोक कुमार के लिए सीन को लेकर परेशान थे। उन्होंने काह, 'मैंने लिखने की पेशकश की तो पहले हंसी में उड़ा दिया गया, मगर जब मजबूरी आई, तो मुझे मौका मिला। अशोक कुमार को मेरा लिखा सीन इतना पसंद आया कि उन्होंने शगुन के तौर पर 11 रुपये दिए। मैंने उनके पैर छुए और तभी से मेरा नाम बनना शुरू हुआ। हीरो बनने से पहले मैंने कई फिल्मों के लिए घोस्ट राइटिंग की।

घोस्ट राइटिंग का यह चलन सिर्फ डायलॉग्स तक सीमित नहीं रहा। मशहूर शायर जां निसार अख्तर के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने लंबे समय तक लोकप्रिय गीतकार साहिर लुधियानवी के लिए गाने लिखे, बिना किसी क्रेडिट के। यह वह दौर था जब साहिर का नाम इंडस्ट्री में ब्रांड बन चुका था और वे जां निसार अख्तर को हर महीने दो हजार रुपये दिया करते थे, बस अपने नाम से लिखवाने के लिए। मैंने प्यार किया के लिए गाने लिखने वाले प्रसिद्ध शायर असद भोपाली के बेटे और फिल्म राइटर गालिब असद भोपाली बताते हैं, 'मेरे पिताजी जरूरत के समय मामूली पैसों के लिए सावन कुमार टाक और प्रकाश मेहरा जैसे निर्माताओं को बिना किसी क्रेडिट की मांग किए गानों के मुखड़े दे देते थे। बाद में वही मुखड़े उनके गानों में सुनाई देते थे।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे प्रतिष्ठित लेखक जोड़ी सलीम-जावेद के बारे में एक किस्सा आज भी खूब चर्चा में रहता है। जब उनकी सुपरहिट फिल्म 'जंजीर' रिलीज हुई, तो उन्होंने खुद ब्रश उठाकर पोस्टरों पर पेंट से लिखवाया, 'Written by Salim-Javed' यह उनकी उस जिद का प्रतीक था, जो लेखकों को उनका हक दिलाने की दिशा में एक मजबूत कदम बन गया, क्योंकि उससे पहले पोस्टरों पर लेखकों का नाम नहीं जाता था। मगर विडंबना देखिए कि यही जोड़ी, जिसने लेखकों को नई पहचान दी, वह भी घोस्ट राइटिंग की चपेट से अछूती नहीं रही।

एंग्री यंग मैन डॉक्यूमेंट्री शो के लॉन्च के दौरान जावेद अख्तर ने खुद यह स्वीकार किया कि उन्होंने और सलीम खान ने फिल्म (अधिकार) के लिए घोस्ट राइटिंग की थी और बदले में उन्हें 5,000 रुपये मिले थे। यह चलन आज भी जारी है।

प्रसिद्ध लेखक-निर्देशक अनुराग कश्यप ने खुलकर स्वीकार किया कि उन्होंने टीवी शो क्या सीन है के लिए बतौर घोस्ट राइटर काम किया था। वह बताते हैं, मैं चप्पल पहनकर आता था, इसलिए ऑफिस के अंदर नहीं जाता था। बस बाहर बैठकर चुपचाप डायलॉग्स लिखता था, एक घोस्ट राइटर की तरह।' यह महज कुछ नाम हैं, जो सामने आए हैं। लेकिन इंडस्ट्री में ऐसे अनगिनत कलमकार हैं, जो आज भी पर्दे के पीछे अपनी पहचान छिपाकर किसी और की चमक के लिए शब्द बुनते हैं।

घोस्ट राइटिंग को अक्सर लेखक के शोषण के रूप में देखा जाता है। एक ऐसी व्यवस्था, जिसमें रचनात्मक श्रेय किसी और को मिल जाता है और असली लेखक पर्दे के पीछे रह जाता है। लेकिन फिल्म इंडस्ट्री की जमीन पर यह तस्वीर कहीं अधिक जटिल है। कई बार यह लेखन एक समझौते के तहत होता है। 'भूल भुलैया' जैसी हिट फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी इस बारे में बेहद ईमानदारी से अपनी कहानी साझा करते हैं। अनीस बज्मी बताते हैं, 'मैंने 6-7 फिल्मों के लिए घोस्ट राइटिंग की है, लेकिन यह हमारी आपसी अंडरस्टैंडिंग के तहत हुआ। वो मेरे संघर्ष के दिन थे। मुझे पैसों की सख्त जरूरत थी, घर का किराया भरना था, बच्चों की स्कूल फीस जमा करनी थी। हां, मैंने कई बड़ी फिल्मों के लिए बिना क्रेडिट के काम किया। और मैंने आज तक उन फिल्मों का नाम नहीं लिया, क्योंकि मैंने वादा निभाया।

अनीस आगे कहते हैं, मगर एक दिन मेरे सब्र का बांध टूट गया। मैंने डेविड धवन की फिल्म 'स्वर्ग' लिखी, जिसमें राजेश खन्ना, गोविंदा और जूही चावला जैसे सितारे थे, तो यह फिल्म डेविड की पिछली फ्लॉप 'आग का गोला' के बाद उनके करियर को नई ऊंचाई देने वाली साबित हुई। जब मैंने देखा कि पोस्टर पर मेरा नाम नहीं है, तो मैं अंदर से टूट गया। फिर मैंने अपने नाम के स्टिकर छपवाए और खुद जाकर पोस्टर पर चिपकाने लगा। आज भी मुझे वो पल याद है, जब मैं पोस्टर देख रहा था और सोच रहा था कि अपना नाम कहां चिपकाऊं।

घोस्ट राइटिंग से आसान हो जाता है बॉलीवुड में एंट्री का रास्ता?

बॉलीवुड में घोस्ट राइटिंग को लेकर अक्सर यह सवाल उठता है, क्या यह हमेशा मजबूरी, आर्थिक तंगी या समझौतों का परिणाम होती है? इस पर जाने-माने लेखक-निर्देशक उमेश शुक्ला खुलकर कहते हैं, 'नहीं, हमेशा पैसा ही वजह नहीं होता। कई बार आप अपनी लेखनी को संवारना चाहते हैं, इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाना चाहते हैं। मैं अपनी बात करूं तो मैंने 'हेरा फेरी', 'फिर हेरा फेरी', 'जोश', 'बादशाह', 'हंगामा', 'मालामाल वीकली', 'डोली सजा के रखना' जैसी कई फिल्मों के लिए घोस्ट राइटिंग की। इन फिल्मों के क्रेडिट में नाम नीरज वोरा का था, लेकिन बतौर लेखक मेरी असल ग्रोथ वहीं से शुरू हुई। नीरज जी से बहुत कुछ सीखने को मिला। जब वे व्यस्त होते, तो मुझे एक्टर्स को सीन नरेट करने का मौका मिलता और वो मेरे लिए बेहद रोमांचक होता।'

महावतार नरसिम्हा की 200 करोड़ के क्लब में शामिल

वॉर 2 और कुली के खौफ की उड़ाई धज्जियां वहीं सैयारा फीकी पड़ गई

महावतार नरसिम्हा इस समय बॉक्स ऑफिस पर किसी जादू से कम नहीं है। यह फिल्म हर दिन करिश्मा कर रही है और सबको चौंका रही है। जहां ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर स्टारर वॉर 2 के सामने अन्य फिल्ममेकर्स अपनी फिल्में रिलीज करने से कतरा रहे हैं, वहीं 'महावतार नरसिम्हा' अपने नाम का डंका पीट रही है। वॉर 2 जैसी 400 करोड़ी बजट की फिल्म के आगे भी इसने घुटने टेकने से इनकार कर दिया। यह फिल्म 23 दिनों में ही 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है, और हर दिन 6-7 करोड़ कमा रही है। वहीं, सैयारा की कमाई लाखों में सिमट गई है। इसे रिलीज हुए तीस दिन हो चुके हैं।

महावतार नरसिम्हा एक एनिमेशन फिल्म है, जिसमें भक्त प्रह्लाद, हिरण्यकश्यप और भगवान नरसिंह की कहानी है, और इसने दर्शकों के साथ इस कदर कनेक्ट किया है कि अब यह 23 दिन बाद सैयारा से भी कई गुना अधिक कमा रही है। और तो और यह रजनीकांत की कुली और ऋतिक रोशन-जूनियर एनटीआर की वॉर 2 के बीच भी डटकर टिकी हुई है। महावतार नरसिम्हा का बजट 40 करोड़ रुपये है, इसने 23 दिन में 202.35 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इसने 178.85% की बढ़त दिखाई थी और 7.25 करोड़ कमाए थे। दिलचस्प बात ये है कि यह फिल्म हर दिन 5 करोड़ से अधिक कमा रही है। इसकी सबसे ज्यादा कमाई हिंदी में हो रही है। 'महावतार नरसिम्हा' ने 16वें-17वें दिन तो 20.5 से 23.5 करोड़ तक की कमाई की। वहीं, जहां 23वें दिन सैयारा सिर्फ 3.75 करोड़ ही कमा पाई थी, वहीं 'महावतार नरसिम्हा' 6.75 करोड़ कमाए। महावतार नरसिम्हा इंडिया में 202.35 करोड़ का नेट कलेक्शन कर चुकी है, और वर्ल्डवाइड इसने 257 करोड़ का कारोबार कर लिया है। महावतार नरसिम्हा 25 जुलाई को रिलीज हुई थी, और पहले हफ्ते में इसने 44.75 करोड़ रुपये, दूसरे हफ्ते में 73.4 करोड़ और तीसरे हफ्ते में 70.2 करोड़ का कलेक्शन किया। फिल्म का ट्रेंड कमाल का है और दो बड़ी फिल्में 'कुली' और 'वॉर 2' की रिलीज भी इसकी कमाई पर कोई खास असर नहीं डाल पाईं। हालांकि, गुरुवार, 14 अगस्त को इनके रिलीज होने से 'महावतार नरसिम्हा' की कमाई थोड़ी डगमगाई और सिर्फ 2.6 करोड़ ही कमा पाई। लेकिन अगले ही दिन इसने 178.85% की बढ़त दिखाते हुए तगड़ा जंप लगाया और 7.25 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं, अनीत पड्डा और अहान पांडे की 'सैयारा' अब लाखों में सिमट चुकी है। रिलीज के 24वें दिन इसने 4 करोड़ रुपये कमाए थे, पर 25वें दिन यह धम्म से गिरी और सिर्फ 1.35 करोड़ ही कमा सकी। इसके बाद से कमाई हर दिन गिरती चली गई और 'सैयारा' लाखों में सिमटकर 30वें दिन 57 लाख रुपये पर आ गई। इसने सबसे कम कमाई 28वें दिन की थी, और सिर्फ 20 लाख का ही कलेक्शन कर पाई।

बिग बॉस 19 में बड़े राज खोलेगी शफक नाज

हत्यारे की बहन का लगा था ठप्पा, सलमान के शो में हुई एंट्री!

सलमान खान बिग बॉस के नए सीजन के साथ टीवी पर लौट रहे हैं। यह नया सीजन यानी बिग बॉस 19 24 अगस्त को प्रीमियर होगा, जिसके लिए कई सिलेब्रिटीज को अप्रोच किया गया है। हालांकि, अभी तक सिर्फ अशनूर कौर, गौरव खन्ना और बसीर अली को कन्फर्म कंटेस्टेंट्स बताया जा रहा है। इसी बीच एक और हसीना का नाम सामने आया है, जिसे सलमान के शो के लिए कन्फर्म बताया जा रहा है। इस हसीना का अपने परिवार से तगड़ा विवाद रहा है, पर यह टीवी की दुनिया में जाना-माना नाम है। पहचाना हम किसकी बात कर रहे हैं? इस एक्ट्रेस ने एकता कपूर के सीरियल महाभारत में कुंती का किरदार निभाया था, और फिर चिड़िया घर में मयूरी के किरदार से दर्शकों की चहेती बन गई। और तो और इस एक्ट्रेस की बहन भी एक जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस हैं और बिग बॉस ओटीटी में नजर आ चुकी है। इस एक्ट्रेस का नाम है शफक नाज, जो फलक नाज और शीजान खान की बहन हैं। बिग बॉस की हर अपडेट देने वाले द हैंडल बिग बॉस तक ने जानकारी दी है कि शफक नाज बिग बॉस 19 में नजर आएंगी। उनका नाम सलमान के शो के लिए कन्फर्म है।

शफक नाज एक पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस और कथक डांसर हैं। उन्होंने साल 2010 में टीवी शो सपना बाबुल का- बिदाई से एक्टिंग करियर शुरू किया था। इसके बाद वह अदालत, क्राइम पेट्रोल और फियर फाइल्स जैसे शोज में दिखीं। शफक के करियर में महाभारत टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, जिसमें वह कुंती का किरदार निभाकर चर्चा में आईं। शफक नाज बॉलीवुड में भी काम कर चुकी हैं। वह साल 2017 में आई फिल्म गेस्ट इन लंदन में नजर आई थीं। इसके अलावा वह फिल्म एक्स और वाय में दिखीं, जो 2022 में ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई।

शफक नाज भाई-बहन और मां संग बिगड़े रिश्तों के कारण भी सुर्खियों में रही हैं। कई साल से उनका फलक, शीजान खान और मां संग रिश्ता चर्चा में रहा है। हालांकि, जब टुनिशा शर्मा के सुसाइड केस में जीशान खान फंसे, तो शफक का पूरे परिवार संग अच्छा रिश्ता था। उस मुश्किल घड़ी में तीनों भाई-बहन एकजुट खड़े रहे, पर बाद में एक बार फिर उनके बीच खटास आ गई थी। कुछ महीने पहले शीजान खान और फलक नाज ने बहन शफक नाज पर गुस्सा निकाला और बताया कि एक्ट्रेस ने उनसे रिश्ता तोड़ लिया है। जब मां बीमार थीं और अस्पताल में भर्ती थीं, तो शफक नाज उनसे मिलने भी नहीं गईं। शीजान खान ने कहा था कि शफक नाज उनके और परिवार की नजरों में गिर गई हैं।

वहीं, शफक नाज ने एक बार बताया था कि जब भाई शीजान जेल में बंद था, तो लोगों ने उन्हें हत्यारे की बहन बुलाना शुरू कर दिया था। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें गालियां देते और कोसते थे। शफक ने इसे भयानक सपने जैसा बताया था।

शफक नाज अपनी लव लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहीं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में दावा किया था कि उन्होंने कुछ महीनों तक एक्टर अविनाश सचदेव को डेट किया था। शफक के मुताबिक, यह साल 2012 की बात है। तब दोनों तेरी मेरी लव स्टोरीज में साथ काम कर रहे थे। हालांकि, अविनाश सचदेव ने शफक संग लिंकअप या किसी तरह के रिलेशनशिप से इनकार किया था।

शफक नाज की फिर मस्कट के रहने वाले एक बिजनेसमैन से सगाई हुई थी, पर यह 2023 में टूट गई। शफक नाज इस बिजनेसमैन को तीन साल से डेट कर रही थीं। एक्ट्रेस ने बताया था कि कुछ पारिवारिक कारणों से उनकी सगाई टूटी। कुल मिलाकर, शफक नाज की निजी जिंदगी में खूब उथल-पुथल और विवाद रहे हैं। अब जब वह बिग बॉस 19 में आएंगी, तो जाहिर है कई दिलचस्प खुलासे होंगे और काफी राज बाहर आएंगे।

आज सूर्य करेंगे स्वराशि सिंह में गोचर

ज्योतिष में सौरमंडल के राजा सूर्य देव हर महीने अपनी राशि बदलते हैं। अगस्त माह में सूर्य देव 17 अगस्त की सुबह 1:41 मिनट पर कर्क राशि की यात्रा समाप्त करके अपनी स्वयं की राशि सिंह में प्रवेश कर चुके हैं। इस राशि पर ये 17 सितंबर तक गोचर करेंगे उसके बाद कन्या राशि में चले जाएंगे। सूर्य ग्रह के इस राशि परिवर्तन का शुभ-अशुभ असर सभी राशियों पर पड़ेगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सूर्य देव जगत की आत्मा के कारक हैं। धरती पर ऊर्जा का सबसे बड़ा प्राकृतिक स्रोत भी सूर्य है। ज्योतिष में सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा बताया गया है। सूर्य देव सिंह राशि के स्वामी है। ज्योतिष में सूर्य को तेज, मान-सम्मान और यश, उच्च पद-प्रतिष्ठा, आदि का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य का राशि परिवर्तन एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। जिसका प्रभाव सभी राशि के जातकों पर पड़ता है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य तुला राशि में नीचराशि तथा मेष राशि में उच्चराशिगत संज्ञक माने गए हैं। उच्च भाव में ग्रह अधिक मजबूत और बलशाली होते हैं। जबकि नीच राशि में ये कमजोर हो जाते हैं।

सूर्य का शुभ-अशुभ प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियां बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

देश-दुनिया में बड़े बदलाव

दुनिया भर में प्राकृतिक आपदा अधिक रहेगी। रियल स्टेट के कारोबार में वृद्धि होगी। विदेशों में राजनीतिक उठापटक सत्ता परिवर्तन इत्यादि होने की संभावना। भारतीय बाजारों में अचानक तेजी आएगी और व्यापार बढ़ेगा। अचानक किसी वस्तु के दाम बढ़ेंगे और बाजार से वह वस्तु गायब होगी। होटल रेस्टोरेंट वालों के लिए बहुत ही अच्छा समय होगा। सांस्कृतिक रूप से कोई कोई विवाद या उत्तल पुथल होने की संभावना। व्यापार में तेजी आएगी।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

उपाय

भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें । जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें । भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें ।

सूर्य के सिंह राशि में जाने पर सभी राशियों पर क्या होगा प्रभाव।

मेष राशि

राशि के पांचवें भाव में सूर्य का भ्रमण होने से मेष राशि के जातकों को संतान से सम्बन्धित मामलो में काफी शुभफल मिल सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

वृष राशि

जातकों के लिए चतुर्थ भाव का सूर्य भूमि से लाभ दे सकता है। सुख साधन बढ़ाने के प्रयास सफल हो सकते हैं। व्यापार या नौकरी के लिए ये एक माह का समय काफी ठीक रह सकता है।

मिथुन राशि

राशि के तृतीय भाव में स्वराशि सूर्य का गोचर शुभफलदायी रहेगा। भाई बहनों से बिगड़े संबंध बन सकते हैं। आर्थिक लाभ की सम्भावना बनी रहेगी।

कर्क राशि

जातकों के लिए सिंह राशि सूर्य का भ्रमण दूसरे भाव में होने से धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक माहौल में उल्लास बना रहेगा। लेकिन कड़वी भाषा और गुस्से से बात बिगड़ सकती है।

सिंह राशि

सूर्य सिंह राशि के स्वामी हैं। इस गोचर के प्रभाव से आपको आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। समाज में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत में बदलाव देखने को मिलेंगे। परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है।

कन्या राशि

राशि के बारहवें भाव में स्वराशि सूर्य के आने से विदेश या जन्म स्थान से दूर जाने का मौका मिल सकता है। मुकदमेबाजी या अदालती उलझनों से कुछ राहत मिल सकती है।

तुला राशि

तुला राशि के लिए सिंह राशि का सूर्य काफी लाभ लेकर आयेगा। एकादश भाव में स्वराशि सूर्य का होना आर्थिक लाभ के प्रबल सकेत दे रहा है। बिगड़े कार्य बनेंगे।

वृश्चिक राशि

राशि के दशम् भाव में सूर्य, मंगल और शुक्र की स्थिति बड़े सम्मान या लाभ का इशारा है। विशेषकर वृश्चिक राशि के राजनेताओं और अधिकारियों के लिए ये एक माह का समय काफी शुभ समाचार ला सकता है।

धनु राशि

जातकों के लिए भाग्य भाव का सूर्य भाग्य में बढ़ोतरी करेगा। पिता का स्वास्थ्य सुधर सकता है। दूरस्थ यात्राओं से मानसिक तनाव रहेगा।

मकर राशि

जातकों के लिए आठवें भाव में स्वराशि सूर्य चिंताएं बढ़ा सकता है, लेकिन अचानक धन लाभ के प्रबल योग रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में तनाव की स्थिति रह सकती है।

कुम्भ राशि

जातकों के लिए सातवें भाव में स्वराशि सूर्य के आने से नौकरी के लिए शुभ रहेगा। लेकिन दाम्पत्य जीवन में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। साझेदार से बिगड़े संबंध प्रयास करने से सुधर सकते हैं।

मीन राशि

राशि के जातकों के लिए छठे भाव का सूर्य सामाजिक प्रभाव बढ़ायेगा। नौकरी चाहने वालो के लिए ये एक माह का समय काफी शुभ रह सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कर्ज मुक्ति होने की संभावना भी बनी रहेगी।

सिंह संक्रांति पर जरूर करें यह काम!

पंचांग के मुताबिक, इस बार की सिंह संक्रांति बेहद खास है क्योंकि सूर्य का यह गोचर रविवार को हुआ, जो स्वयं सूर्य देव को समर्पित दिन है। ऐसे में सिंह संक्रांति को बेहद खास माना जा रहा है। 17 अगस्त को तड़के रात 2 बजे सूर्य देव ने कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश किया।

सूर्य गोचर का प्रभाव

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, सूर्य देव के राशि परिवर्तन से मेष, सिंह, तुला और वृश्चिक राशि वालों को लाभ मिलेगा। यह संक्रांति इन 4 राशि वालों के लिए सौभाग्यपूर्ण रहेगा। वहीं, सूर्य के सिंह राशि में गोचर करने से मिथुन, कन्या, मकर और मीन राशि वालों को नुकसान हो सकता है। ऐसे में इन 4 राशि वालों को सूर्य गोचर के दौरान सतर्क रहने का जरूरत है।

सिंह संक्रांति पर क्या करें

धार्मिक मान्यता के अनुसार, सिंह संक्रांति पर ग्रहों के राजा सूर्य देव की पूजा, मंत्र जाप और दान करना बहुत पुण्यदायी माना गया है। इस दिन लाल रंग के फूल, तांबा, गुड़, गेहूं और मसूर दाल का दान करना शुभ और लाभकारी होता है। साथ ही, सिंह संक्रांति के दिन 'ॐ आदित्याय नमः' या 'ॐ भास्कराय नमः' मंत्र का जाप करने से सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है।

भाद्रपद अमावस्या को पिठोरी अमावस्या क्यों कहते है? जानिए क्यों खास है यह दिन

हर महीने में पड़ने वाली अमावस्या का अपना महत्व होता है, लेकिन भाद्रपद माह में आने वाली अमावस्या को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। इसे पिठोरी अमावस्या, भादो अमावस्या या कुश ग्रहणी अमावस्या के नाम से भी माना जाता है। इस साल 2025 में भाद्रपद अमावस्या दो दिन पड़ रही है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपनी संतान की लंबी उम्र और खुशहाल जीवन के लिए व्रत रखकर देवी पार्वती और 64 योगिनियों की पूजा करती हैं। पिठोरी अमावस्या के दिन स्नान, दान और पितरों के निमित्त पिंडदान करना बहुत ही लाभकारी होता है।

पिठोरी अमावस्या कब है?

पंचांग के मुताबिक, भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 22 अगस्त को सुबह 11:55 बजे शुरू होगी, जो कि 23 अगस्त की सुबह 11.35 बजे समाप्त होगी। ऐसे में पिठोरी अमावस्या का व्रत 22 अगस्त को रखना शुभ होगा। वहीं, भादो अमावस्या का स्नान-दान 23 अगस्त को किया जाएगा।

भादो अमावस्या को पिठोरी अमावस्या क्यों कहते हैं?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भाद्रपद अमावस्या को पिठोरी अमावस्या इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस दिन 64 योगिनियों और देवी पार्वती की पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन मां पार्वती ने 64 योगिनियों के साथ मिलकर भगवान गणेश की पूजा की थी। इसी वजह से इसे पिठोरी अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। पिठोरी शब्द का मतलब है आटे की मूर्तियां। इसी कारण इस दिन महिलाएं आटे से 64 योगिनियों की मूर्तियां बनाकर उनकी पूजा करती हैं।

देवी पार्वती का आशीर्वाद

ऐसी मान्यता है कि इस दिन आटे से योगिनियों की मूर्तियां बनाकर पूजा करने से देवी पार्वती प्रसन्न होती हैं और महिलाओं को संतान सुख का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। इसके अलावा, इस दिन पितरों का तर्पण और श्राद्ध करने का भी विधान बताया गया है।

इसलिए कहते हैं कुश ग्रहण अमावस्या

पिठोरी अमावस्या को कुश ग्रहणी अमावस्या भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन कुशा घास का भी विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन एकत्रित की गई कुशा बहुत पवित्र और लाभकारी होती है। पिठोरी अमावस्या पर कुशा से पितरों के निमित्त तर्पण करने से परिवार में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

भाद्रपद अमावस्या का क्या महत्व है?

भाद्रपद अमावस्या या पिठोरी अमावस्या पितृ तर्पण, श्राद्ध और दान-पुण्य के लिए विशेष रूप से फलदायी मानी जाती है। इस दिन पितरों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की जाती है और उनका आशीर्वाद पाने के लिए विभिन्न अनुष्ठान भी किए जाते हैं, जिससे वे अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं।

स्नान और दान:- भादो अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान करना और दान-पुण्य करना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इससे व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है।

कुश ग्रहण:- भाद्रपद अमावस्या को कुश ग्रहण करने का भी विधान है। इस दिन कुश का इस्तेमाल धार्मिक कार्यों, जैसे पूजा, श्राद्ध और तर्पण में किया जाता है।

कालसर्प दोष निवारण:- धार्मिक मान्यता के अनुसार, भादो अमावस्या के दिन कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए भी पूजा की जाती है।

पिठोरी अमावस्या पर क्या करें?

पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान करें।

गंगा या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करें।

इस दिन गरीबों और जरूरतमंदों को दान-पुण्य करें।

पिठोरी अमावस्या पर कुश ग्रहण करें ।

इस दिन भगवत गीता का पाठ करें ।

अपने सामर्थ्य अनुसार गरीबों को भोजन कराएं।

सपने में बहुत सारे कुत्ते देखना किस बात का संकेत देता है?

सपने में कुत्ते का दिखना, शुभ और अशुभ दोनों हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने सपने में कुत्ते को कैसे देखा है। अक्सर लोगों को सपने में कुत्ते का झुंड दिखाई देता है, जो एक खास संकेत माना जाता है।

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में कुत्तों का झुंड देखने के कई मतलब हो सकते हैं। यह सपना आपके जीवन में दोस्ती, वफादारी, सुरक्षा या आपसी संघर्ष का संकेत दे सकता है। सपने में कुत्तों का झुंड देखना आपके जीवन में मजबूत रिश्तों और सामाजिक संबंधों की जरूरतों की तरफ इशारा करता है।

सपने में बहुत सारे कुत्ते देखने का मतलब है कि यह सपना आपके जीवन में सुरक्षा और सुरक्षा की भावना का प्रतीक है। यह सपना संकेत देता है कि आप अपने आसपास के लोगों से सुरक्षित और संरक्षित महसूस करते हैं। स्वप्न शास्त्र के मुताबिक, कुत्तों का झुंड सपने में देखना कभी-कभी हिंसक या आक्रामक आंतरिक संघर्ष का संकेत हो सकता है। इसका मतलब है कि आपको अपने आसपास विश्वासघाती लोगों से सतर्क रहने की जरूरत है।

सपने में कुत्तों का झुंड देखना आपके परिवार और रिश्तों पर ध्यान देने की आवश्यकता का भी संकेत दे सकता है। इसका मतलब है कि शायद आपको अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने या अपने रिश्तों को सुधारने की जरूरत है। अगर आपने सपने में बहुत सारे काले कुत्ते देखे हैं या सपने में बहुत सारे कुत्ते भौंकते हुए देखे हैं, तो इसका मतलब है कि आपको अपने कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहना होगा वरना आपके लिए वे परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

भगवान का सुदर्शन चक्र कैसे बना दिव्य अस्त्र और क्यों है अनंत शक्ति का प्रतीक?

सुदर्शन चक्र केवल एक अस्त्र नहीं बल्कि भगवान विष्णु की अनंत शक्ति और दिव्यता का प्रतीक है। पुराणों और शास्त्रों के अनुसार, इसका भगवान ब्रह्मा ने निर्माण किया और भगवान विष्णु को प्रदान किया। इसकी रचना में केवल भौतिक तत्व नहीं बल्कि उच्चतम आध्यात्मिक ऊर्जा और ब्रह्मांडीय संतुलन की शक्ति भी समाहित है।

सुदर्शन चक्र न केवल भगवान विष्णु का दिव्य अस्त्र है, बल्कि यह धर्म, न्याय और शक्ति का प्रतीक भी है। यह चक्र न केवल असुरों और पापों का नाश करता है, बल्कि धर्म की रक्षा और भक्तों की रक्षा में भी सर्वोच्च माना जाता है। सुदर्शन चक्र का गोलाकार स्वरूप अनंतता, निरंतर गति और न्याय की स्थिरता को दर्शाता है।

विश्वकर्मा की दिव्य कला

पुराणों के अनुसार, यह चक्र देवशिल्पी विश्वकर्मा द्वारा निर्मित किया गया था। सूर्य देव की तेजस्विता इतनी अधिक थी कि उनका ताप सभी प्राणियों के लिए चुनौतीपूर्ण था। विश्वकर्मा ने सूर्य के तेज का कुछ हिस्सा अवशोषित कर उसे गढ़कर कई दिव्य अस्त्र बनाए। इनमें सबसे प्रमुख और शक्तिशाली अस्त्र था सुदर्शन चक्र। इसे भगवान विष्णु को समर्पित किया गया ताकि वह धर्म की रक्षा और अधर्म का नाश कर सकें।

भगवान शिव का वरदान

कई पुराणों में वर्णन है कि जब देवताओं और दैत्यों का युद्ध भयंकर हो गया, तो देवताओं ने भगवान शिव की आराधना की। शिवजी प्रसन्न हुए और उन्होंने विष्णु को यह दिव्य चक्र प्रदान किया। कहा जाता है कि यह केवल शत्रु नाश करने का अस्त्र नहीं, बल्कि समय, गति और ब्रह्मांडीय न्याय का प्रतीक है।

सुदर्शन का अर्थ और शक्ति

सुदर्शन का शाब्दिक अर्थ है शुभ-दर्शन। यह चक्र न केवल गोलाकार और तेजस्वी है, बल्कि इसमें 108 धाराएँ हैं, जो इसे ब्रह्मांड के हर कोने तक पहुँचने वाला बनाती हैं। इसे भगवान की कृष्ण लीला और मोहक शक्ति का प्रतीक भी माना जाता है।

महाभारत और अन्य कथाओं में उपयोग

महाभारत में भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र का प्रयोग कई महत्वपूर्ण घटनाओं में किया। सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है शिशुपाल वध, जहां उन्होंने चक्र से शिशुपाल का संहार किया। इसके अलावा, जयद्रथ वध में भी यह चक्र निर्णायक साबित हुआ। पुराणों में इसे विष्णु का मुख्य शस्त्र और ब्रह्मांडीय न्याय का संचालनकर्ता कहा गया है।

धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

सुदर्शन चक्र केवल युद्ध का साधन नहीं है। यह धर्म की रक्षा, समय का संतुलन और न्याय का प्रतीक है। वैदिक ग्रंथों में इसे आशीर्वाद और दिव्य शक्ति का प्रतिनिधि बताया गया है। भक्ति और श्रद्धा से पूजा करने पर कहा जाता है कि यह भक्तों को अधर्म से बचाता है और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

संपादकीय

ट्रंप टैरिफ से निर्यात पर संकट

केंद्र सरकार के प्रामुख सलाहकार (आर्थिक) अनंता नागेश्वरन ने कहा कि ट्रंप टैरिफ का असर 6 महीने से ज्यादा नहीं रहने वाला है। उन्होंने कहा, लांग टर्म चैलेंज के लिए प्राइवेट सेक्टर को अहम योगदान देना होगा। नागेश्वरन ने चेताया कि छह महीने के दौरान जैम्स एंड जूलरी टेक्सटाइल और पूड इंडस्ट्री को बढ़े हुए टैरिफ का मुकाबला करना होगा। ट्रंप टैरिफ का भारत की अर्थव्यवस्था पर खासकर वुछ क्षेत्रों में तो अभी से बुरा असर पड़ना शुरू हो गया है। भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के भारी भरकम 50 फीसदी टैरिफ ने देश के कई प्रामुख निर्यात उद्योगों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। इसका असर न सिर्प भारत के 55 फीसदी निर्यात पर पड़ेगा, बल्कि राज्यों के सामने भी नईं चुनौतियां खड़ी हो गईं हैं। हालांकि, टैरिफ का असर सभी क्षेत्रों में समान नहीं है। लेकिन कहीं पुराने सौदों पर संकट है तो कहीं भविष्य में आर्डर ठप होने की आशंका बढ़ गईं है। चावल निर्यातकों की चिता ! भारत 127 देशों को करीब 60 लाख टन बासमती चावल निर्यात करता है। इसमें से करीब 2.70 लाख टन यानि 4 फीसदी चावल अमेरिका को जाता है। इस निर्यात में करीब 40 फीसदी हिस्सा हरियाणा में तरावड़ी (करनाल) से जाता है। ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्ट अधिकारियों का कहना है कि अगर अमेरिका को बासमती चालव का निर्यात नहीं होता तो भी बड़ा नुकसान नहीं होने वाला है। 2.70 लाख टन अन्य देशों में खपाना मुश्किल नहीं होगा। फिलहाल चावल निर्यातक वेट एंड वॉच की स्थिति में हैं, क्योंकि इस साल का निर्यात लगभग पूरा हो चुका है। पानीपत उत्तर भारत का बड़ा टेक्सटाइल हब है। जहां से हर साल करीब 20,000 करोड़ रुपए का निर्यात होता है। इसमें से 10,000 करोड़ रुपए तक का व्यापार अकेले अमेरिका से जुड़ा है। निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने से 500 करोड़ रुपए के पुराने ऑर्डर पर संकट आ गया है। नए ऑर्डर नहीं मिल रहे हैं। वुछ निर्यातक पहले से ही स्थिति को भांप गए थे। ऐसे में उन्होंने अमेरिका से बड़े ऑर्डर लेना बंद कर दिए और उत्पादों में भी कटौती की है। सिगापुर के जरिए भी अमेरिका से व्यापार की गुंजाइश है। यूके से द्विपक्षीय समझौते से वुछ लाभ मिल सकता है। पानीपत में 35000 करोड़ टेक्सटाइल्स इकाइयां हैं जिसमें 500 एक्सपोर्ट हाउस हैं और इनमें करीब 2.5 लाख लोगों को रोजगार मिला है। नए ऑर्डर नहीं मिलने पर इनकी आजीविका पर असर पड़ेगा। जम्मूकश्मीर के हैंडलूम और हस्तशिल्प उद्योग (विशेषकर पश्मीना एवं घानी शॉल) ने बीते तीन साल में निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। टैरिफ के बाद कारोबारी सतर्व हो गए हैं। जम्मू के शॉल निर्यात संगठन ने कहा अमेरिका में माल महंगा होगा पर कोई आर्डर अभी तक रद्द नहीं हुआ है। हमारे लिए दूसरे देशों के बाजार खुले हुए हैं। मगर अमेरिका में मांग घटी तो निर्यात को दूसरे देशों के बाजारों में मोड़ देंगे। वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय और जम्मू-कश्मीर आर्थिक सव्रे से वुल निर्यात तीन साल में बढ़कर 2023-24 में 1,162 करोड़ पहुंच गया। इसमें शॉल का निर्यात 477.24 करोड़ था। रोहतक का नटबोल्ट उद्योग सालाना 5,000 करोड़ रुपए का कारोबार करता है। इसमें 70 फीसदी निर्यात अमेरिका को होता है। उद्यमियों का कहना है कि नया टैरिफ अगर लागू होता है तो न सिर्प आपूर्ति प्राभावित होगी बल्कि कारोबार भी मुश्किल में आ जाएगा। चिता की बात है कि वुछ वंपनियों को दो महीने से अमेरिका से कोई आर्डर नहीं मिला है। बड़ी वंपनियां पुराने आर्डर को पूरा करने में लगी हैं। भविष्य के लिए जो आर्डर मिले हैं। उनकी आपूर्ति पर टैरिफ का असर दिखेगा। अतिरिक्त टैरिफ से जिले की औद्योगिक इकाइयों के लिए दुनिया के बड़े बाजारों में माल बेचना मुश्किल हो जाएगा। क्योंकि उत्पाद 25 फीसदी तक महंगा हो जाएगा। इसका असर वंपनी पर सीधा न पड़कर ग्राहक पर पड़ेगा। जसमेर लाठा जिसने बताया हम अमेरिका, यूके, यूरोप में नट-बोल्ट की आपूर्ति करते हैं। टैरिफ के कारण यहां से करीब 50 करोड़ रुपए के ही आर्डर बुक हुए हैं। हमारा 70 फीसदी नट-बोल्ट अमेरिका जाता है। पहले कस्टम डूाटी तीन फीसदी थी। अब यह बढ़कर 25 फीसदी हो गईं है । यह पिछले 40-50 वर्षो में बहुत ज्यादा है। इसके अलावा 25 फीसदी टैरिफ और भी है। इससे हमारा उत्पाद काफी महंगा हो जाएगा ऐसा यहां के उद्योग चलाने वालों का मानना है। मैंने यह तो सिर्प हरियाणा के वुछ उद्योग और निर्यातकों की बात की है, शेष देश में प्राभावित उद्योगों की बात नहीं की। लाखों कामगार बेरोजगार होने की कगार पर खड़े हैं। पहले से ही बेरोजगारी देश में चरम पर है, इस नए धमाके का क्या असर पड़ेगा जल्द पता चल जाएगा।

> भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के भारी भरकम 50 फीसदी टैरिफ ने देश के कईं प्रामुख निर्यात उद्योगों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। इसका असर न सिर्प भारत के 55 फीसदी निर्यात पर पड़ेगा, बल्कि राज्यों के सामने भी नईं चुनौतियां खड़ी हो गईं हैं। हालांकि, टैरिफ का असर सभी क्षेत्रों में समान नहीं है। लेकिन कहीं पुराने सौदों पर संकट है तो कहीं भविष्य में आर्डर ठप होने की आशंका बढ़ गईं है। चावल निर्यातकों की चिता! भारत 127 देशों को करीब 60 लाख टन बासमती चावल निर्यात करता है। इसमें से करीब 2.70 लाख टन यानि 4 फीसदी चावल अमेरिका को जाता है। इस निर्यात में करीब 40 फीसदी हिस्सा हरियाणा में तरावड़ी (करनाल) से जाता है।

आप का नजरीया

आसिम मुनीर की खुली धमकी

खुली धमकी अमेरिका के फ्लोरिडा शहर में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने अमेरिकी धरती से भारत को धमकी भरा बयान दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच मईं में हुए संघर्ष के तीन महीने बाद अब पाकिस्तानी सेना प्रमुख का बयान सामने आया है। मुनीर ने दावा किया है कि मईं में हुए संघर्ष में पाकिस्तान को कामयाबी मिली थी। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत विश्व गुरु बनने का दावा करता है लेकिन ऐसा वुछ नहीं है। आसिम मुनीर का बयान ऐसे समय पर सामने आया है जब शनिवार और रविवार को ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय थल सेना और वायु सेना प्रमुखों के अलग-अलग बयान सामने आए हैं। पहले बता दें कि भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने क्या कहा था। उन्होंने कहा था कि पहलगाम हमले के जवाब में चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर किसी भी पारपंरिक मिशन से अलग था। शनिवार को भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने दावा किया था कि मईं में हुए संघर्ष के दौरान भारत ने छह पाकिस्तानी विमानों को मार गिराया था। हालांकि उसी रोज पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने बयान जारी कर इसका खंडन किया। 10 मईं को संघर्ष विराम पर सहमति बनने के बाद गोलीबारी थम गईं थी। उस समय पाकिस्तान ने भारत के पांच लड़ावू विमान गिराने का दावा किया था, जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था। फ्लोरिडा में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने एक निजी कार्यव्रम में दावा किया था कि पाकिस्तान ने भारत के भेदभाव पूर्ण और दोहरे व्यवहार वाली नीतियों के खिलाफ एक सफल वूटनीतिक युद्ध लड़ा है। धमकी दे डाली। मुनीर ने कहा कि अगर भारत ने सिंधु नदी का पानी रोकने के लिए बांध बनाया तो हम मिसाइल से उसे उड़ा देंगे। मुनीर ने कहा, हम भारत के सिंधु नदी पर डैम बनने का इंतजार करेंगे और जब वे ऐसा करेंगे तो हम मिसाइलों से उसे तबाह कर देंगे। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल मुनीर यह गीदड़ भभकी देने से भी नहीं चूके कि अगर भविष्य में भारत के साथ युद्ध में उनके देश के अस्तित्व को खतरा हुआ तो वो इस पूरे क्षेत्र को परमाणु युद्ध में झोंक देंगे। मुनीर ने कहा कि हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं और अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे।

> भारत और पाकिस्तान के बीच मईं में हुए संघर्ष के तीन महीने बाद अब पाकिस्तानी सेना प्रमुख का बयान सामने आया है। मुनीर ने दावा किया है कि मईं में हुए संघर्ष में पाकिस्तान को कामयाबी मिली थी। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत विश्व गुरु बनने का दावा करता है लेकिन ऐसा वुछ नहीं है। आसिम मुनीर का बयान ऐसे समय पर सामने आया है जब शनिवार और रविवार को ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय थल सेना और वायु सेना प्रमुखों के अलग-अलग बयान सामने आए हैं।

डिजिटल-विश्व में जिसका वर्चस्व होगा, वही दुनिया पर राज करेगा

आत्मनिर्भर भारत बनने के लिए डिजिटल गुलामी से मुक्ति जरूरी

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

जबसे मोदी सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत का अभियान चलाया गया है, भारत में न केवल उद्योग क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बल्कि रक्षा के क्षेत्र में भी लगातार आत्मनिर्भरता की तरफ लंबे कदम बढ़ाए गए हैं। जिन क्षेत्रों में भारत अभी तक प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए विकसित देशों पर निर्भर रहा है, वहां भी भारत ने प्रौद्योगिकी स्थानांतरण और मेक इन इंडिया के माध्यम से आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ाए हैं। कल तक भारत रक्षा क्षेत्र में, रक्षा प्रणालियों, युद्धक विमानों, युद्ध पोतों और प्रौद्योगिकी के लिए विकसित देशों पर निर्भर रहा है, ऐसे अनेक क्षेत्रों में भी भारत स्वदेशी प्रौद्योगिकी और उपकरणों का तेजी से विकास कर रहा है। जिसके चलते भारत की अर्थव्यवस्था भी तेजी से आगे बढ़ रही है।

वर्तमान युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। इस युग में जिसका डिजिटल-विश्व में वर्चस्व है, वही दुनिया पर राज कर सकता है। आत्मनिर्भर वही हो सकता है जिसके पास डिजिटल शक्ति है। इसी के चलते चीन और रूस जैसे देशों ने अपना खुद का सर्च इंजन बहुत पहले बना लिया था। रूस और चीन दोनों देशों में अपने स्वयं के सर्च इंजन हैं जो गूगल के विकल्प के रूप में काम करते हैं। रूस का सर्च इंजन: यांडेक्स है इसे 1997 में स्थापित किया गया था। यह सर्च इंजन वेब पेज, इमेज, न्यूज और अन्य सेवाएं प्रदान करता है। अगर बाजार हिस्सेदारी की बात करें तो रूस में यांडेक्स की बाजार हिस्सेदारी लगभग 62.6 प्रतिशत है, जबकि गूगल की हिस्सेदारी लगभग 28.3 प्रतिशत है। चीन के सर्च इंजन का नाम बाइडू है जिसकी स्थापना 2000 में की गई जो वेब पेज, इमेज, वीडियो और अन्य सेवाएं प्रदान करता है। चीन में बाइडू की बाजार हिस्सेदारी लगभग 66 प्रतिशत है। हालांकि रूस और चीन में गूगल का प्रयोग किया जाता है लेकिन उनकी बाजार हिस्सेदारी कम है। रूस में गूगल की हिस्सेदारी लगभग 28.3 प्रतिशत है, जबकि चीन में गूगल की हिस्सेदारी बहुत कम है क्योंकि चीन में गूगल की सेवाएं प्रतिबंधित हैं। इसके अतिरिक्त सोगोऊ चीन में एक अन्य लोकप्रिय सर्च इंजन है जिसकी बाजार हिस्सेदारी लगभग 5 प्रतिशत है। चीन ने तो अपना स्वदेशी सर्च इंजन बनाने के साथ-साथ फेसबुक ट्विटर जैसे सभी प्लेटफार्म को चीन में प्रतिबंधित करते हुए अपने स्वदेशी प्लेटफार्म का प्रयोग प्रारंभ कर अमेरिका के गूगल और उसके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता समाप्त कर दी थी।

इस प्रकार यह तय है कि डिजिटल क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने बिना हम आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र नहीं बन सकते। यहां यह कहना भी अनुचित न होगा कि भारत सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी शक्ति होने के बावजूद इस क्षेत्र में अब तक अमेरिका जैसी महाशक्तियों के सामने बहुत पीछे है। यह कहना भी अनुचित न होगा कि भारत लगभग पूरी तरह अमेरिकन डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भर है। भारत में पिछले कई दशकों से यह बात लगातार उठती रही है कि यदि भारत को डिजिटल विश्व में आत्मनिर्भर बनना है तो हमारे पास खुद का सर्च इंजन होना चाहिए। भारत को इससे न केवल हमारी गूगल पर निर्भरता समाप्त होगी बल्कि हमारा डाटा भी हमारे पास रहेगा जिसके माध्यम से अमेरिका और उसकी कंपनियां हमारे बाज़ार पर, हमारे दिलों-दिमाग पर अपना नियंत्रण स्थापित करती है।

लगभग 90 करोड़ इंटरनेट प्रयोक्ताओं के साथ भारत, चीन के बाद विश्व का सबसे बड़ा इंटरनेट प्रयोक्ता है। इसके बावजूद आज भी भारत में एक सामान्य व्यक्ति के लिए इंटरनेट का अर्थ अमेरिकन कंपनियों के गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि हैं। अगर यह न हों तो सामान्य व्यक्ति के लिए इंटरनेट होना भी व्यर्थ हो जाएगा। इन प्लेटफार्म के माध्यम से अमेरिका कंपनियों के पास भारत के 140 करोड़ लोगों का डाटा पहुंचता है। जिसके माध्यम से सूचना-साम्राज्य पर अमेरिका का विश्वभर में और विशेषकर भारत पर लगभग एकाधिकार है। इस सूचना-साम्राज्य के माध्यम से अमेरिकन कंपनियां हमारी सोच, हमारे विचार, हमारी अभिरुचि, हमारे व्यवहार और हमारे दिमागों को पढ़ती हैं। हम क्या सर्च करते हैं, हम क्या संदेश भेजते हैं, हम क्या सोचते हैं, हम किनसे बात करते हैं, हमें किस तरह के समाचार अथवा कार्यक्रम अच्छे लगते हैं, हमें किन उत्पादों की आवश्यकता है? इस डाटा का विश्लेषण करते हुए अमेरिकन कंपनियां भारत में अपने बाजार का विस्तार करती हैं। इसके चलते अमेजन जैसी डिजिटल व्यापार कंपनियों का भी भारत पर तेजी से वर्चस्व बनता जा रहा है। यही नहीं, इन डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से और उपलब्ध सूचनाओं का प्रयोग करते हुए अमेरिका और उसकी कंपनियों द्वारा विश्व के विभिन्न देशों में लोगों की सोच को प्रभावित करते हुए राजनीतिक और रणनीतिक प्रयोग भी किया जाता है। इस तरह डिजिटल दासता न केवल हमारी आर्थिक स्वाधीनता के लिए घातक है बल्कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता के लिए भी चुनौती की तरह हैं।

आत्मनिर्भरता और डाटा की सुरक्षा के लिए भारत द्वारा भी अपना सर्च इंजन बनाने की आवश्यकता महसूस की जाती रही है। भारत की आत्मनिर्भर के लिए न केवल गूगल जैसा सर्च बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी अपने होने चाहिए। अपने कंप्यूटरों पर कार्य करने के लिए भारत के अधिकांश लोग आज भी माइक्रोसॉफ्ट पर निर्भर हैं। यदि आज माइक्रोसॉफ्ट उपलब्ध न हो तो देश का लगभग सारा कार्य बंद हो जाएगा। गूगल फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम आदि प्लेटफार्म का सबसे बड़ा प्रयोग करने वाला देश है। इनके द्वारा अमेरिकन कंपनियां हर वर्ष अरबों डॉलर कमाती है।

हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ हमला करने के बाद भारत सरकार द्वारा डिजिटल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़े कदम उठाने पर विचार कर रही है। चर्चा यह भी है कि भारत द्वारा अपना स्वयं का स्वदेशी सर्च इंजन कॉमेट लॉन्च कर दिया गया है। लेकिन वास्तव में कॉमेट का विकास परप्लेक्सिटी कंपनी द्वारा किया गया है। जिसके चार संस्थापकों में से एक संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भारतीय मूल के अमेरिकी अर्जिनद श्रीनिवास हैं। कॉमेट एक सर्च इंजन है जो उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट पर जानकारी खोजने में मदद करता है। कॉमेट मूलत: एक कृत्रिम बुद्धि युक्त ब्राउजर है। कॉमेट को एआई-ब्राउजर की शुरुआत माना जा रहा है है। जहां ब्राउजर सीधे एआई एजेंट के रूप में कार्य करता है। यह न केवल खोज उपकरण के रूप में एक मेटा सर्च इंजन है, जिसका अर्थ है कि यह अन्य सर्च इंजनों जैसे कि गूगल, बिंग यह माइक्रोसॉफ्ट का सर्च इंजन है, ऐसे सर्च इंजन आदि से परिणाम इकट्ठा करता है और उपयोगकर्ता को एक ही स्थान पर विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्रदान करता है। कॉमेट उपयोगकर्ता को एक ही स्थान पर विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्रदान करता है और उपयोगकर्ता के खोज जिज्ञासा के अनुसार प्रासंगिक परिणाम प्रदान करता है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार मातृभाषा और भारतीय भाषाओं को आगे बढ़ाने की और उनके माध्यम से ज्ञानार्जन की बात करते रहे हैं। सर्च इंजन कॉमेट भारत की जनता की मातृभाषा की शक्ति से लैस है। बताया जा रहा है कि यह अंग्रेजी के अतिरिक्त भारत की 22 से अधिक भाषाओं में कार्य करेगा। यह कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से युक्त है। यह सर्च इंजन भारतीय भाषाओं में सुनेगा, समझेगा और ऑडियो वीडियो के माध्यम से जवाब भी देगा। निश्चय ही भारत का सर्च इंजन कॉमेट भारत की डिजिटल आज़ादी की ओर एक बड़ा कदम है। यदि यह प्रचलित होता है तो इसके प्रयोग से भारतवासियों के डाटा के विदेश में जाने पर रोक लगेगी और डाटा चोरी, भारतीय तंत्र की जासूसी आदि पर भी रोक लगा सकेगी। यह भी उम्मीद की जा रही है कि इसके माध्यम से भारत के लोगों को विशेष कर कमजोर वर्ग के लोगों को भी कम दर पर अधिक डाटा उपलब्ध हो सकेगा।

यह माना जा रहा है कि कॉमेट न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी गूगल को टक्कर दे सकता है। फिलहाल इसे दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और अफ्रीका आदि के 32 देश में लांच किया है। भविष्य में इसका विस्तार किए जाने की भी योजना है। कॉमेट के लॉन्च होते ही दुनिया के 100 से अधिक देशों में इसे डाउनलोड किया गया है। परप्लेक्सिटी कंपनी एआई मोबाइल ओईएमएस के साथ साझेदारी करने की योजना बना रही है ताकि कॉमेट ब्राउजर को स्मार्टफोन में पहले से इंस्टॉल किया जा सके। यदि कॉमेट ब्राउजर स्मार्टफोन में पहले से इंस्टॉल होता है, तो यह नए उपयोगकर्ताओं को आकर्षित कर सकता है और गूगल क्रोम की बाजार हिस्सेदारी को कम कर सकता है। परप्लेक्सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्जिनद श्रीनिवास का कहना है कि अगर कॉमेट उपयोगकर्ताओं के बीच फैल जाता है, और वे इसे क्रोम का डिफॉल्ट ब्राउजर बनाते हैं, तो यह गूगल के लिए विज्ञापन राजस्व में बड़ा नुकसान हो सकता है ।

इसके लॉन्च होते ही अमेरिका की डिजिटल कंपनियों के कान खड़े हो गए हैं, क्योंकि अमेरिकन डिजिटल प्लेटफॉर्मों और गूगल का सबसे बड़ा प्रयोक्ता भारत है। कयास लगाए जा रहे हैं कि कॉमेट के लॉन्च के बाद भारत जल्द ही फेसबुक, व्हाट्सैप, इंस्टाग्राम, ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी लेकर आएगा। ये कंपनियां कॉमेट की चुनौती का सामना करने के लिए रणनीति बनाने में लग गई हैं। कॉमेट के आगमन को गूगल के वर्चस्व को एक बड़ी चुनौती की तरह देखा जा रहा है। कॉमेट में इस तरह की व्यवस्था है जिससे डाटा को सुरक्षित रखा जा सकता है। यदि आने वाले समय में भारत ने अमेरिका डिजिटल प्लेटफॉर्मों को प्रतिबंधित कर स्वदेशी प्लेटफार्म का प्रयोग शुरू किया तो इससे न केवल भारत का डाटा भारत में ही रहेगा बल्कि संभावित डाटा चोरी और जासूसी पर भी रोक लगा सकेगी। इससे डिजिटल विश्व में अमेरिका का वर्चस्व भी कम हो जाएगा। लेकिन इस प्रतिस्पर्धा में गूगल जैसी कंपनियां भी बेहतर विकल्प रखने की कोशिश करेंगी।

अमेरिका ने लंबे समय से भारत सहित लगभग पूरे विश्व पर गूगल और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से परोक्ष नियंत्रण बनाया हुआ था। इसमें कोई संदेह नहीं कि स्वतंत्र होने के बावजूद डिजिटल स्व-तंत्र न होने के कारण भारत डिजिटल दासता का शिकार रहा है। डिजिटल गुलामी की स्थिति में भारत का एक विकसित देश बनना और महाशक्ति बनना संभव नहीं है। कॉमेट की लॉन्चिंग न केवल भारत की डिजिटल शक्ति बढ़ाएगी बल्कि गूगल जैसी कंपनियों के सामने भी चुनौती पेश कर सकती है। लेकिन अभी कॉमेट अपने प्रारंभिक चरण में है, आने वाले समय में पता लगेगा कि गूगल जैसे बड़े सर्च इंजनों के मुकाबले यह कितनी मजबूती से खड़ा हो सकेगा और इसकी स्वीकार्यता कितनी होगी ?

कैबिनेट ने भारत एआई मिशन के लिए 10,300 करोड़ रुपए से अधिक की मंजूरी दी, एआई स्टार्टअप को सशक्त बनाएगा और कंप्यूटर इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच का विस्तार करेगा। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर के अनुसार इंडियाएआई कार्यक्रम के लिए 10,300 करोड़ रुपए से अधिक की यह मंजूरी भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरित करेगी और इसे भारत और दुनिया के लिए एआई के भविष्य को आकार देने वाली शक्ति के रूप में स्थापित करेगी: उनका कहना है कि इंडियाएआई वित्तीय परिव्यय से एआई नवाचार और स्टार्टअप में भारत की अपार क्षमता को लाभ मिलेगा।

एआई ब्राउजर अथवा सर्च इंजन बनाने की दिशा में हम अभी तक कुछ नहीं कर सके हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत सरकार अथवा भारत स्थित किसी भारतीय कंपनी द्वारा भविष्य की प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं के अनुसार आधुनिकतम एआई ब्राउजर अथवा सर्च इंजन तैयार किया जाए, जिसे हम स्वदेशी एआई ब्राउजर अथवा सर्च इंजन कह सकें। इसी प्रकार चीन की तरह भारत में भी अमेरिकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की तरह अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तैयार करने के लिए शीघ्र ठोस पहल किए जाने की आवश्यकता है। भारत के कई बड़े उद्योग समूहों और टैक कंपनियों में यह क्षमता है कि वे इस कार्य के लिए आवश्यक निवेश कर सकें और प्रौद्योगिकी का विकास कर इन कार्यों को पूर्ण कर सकें। निश्चय ही इससे भारत डिजिटल दासता से मुक्त हो कर आत्मनिर्भर, शक्तिशाली और विकसित भारत बन सकेगा!

टैरिफ दादागिरी के बीच 'स्वदेशी' एक जनक्रांति बने

ललित गर्ग

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव की राजनीति' और 'टैरिफ की दादागिरी' का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए वोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है।

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव की राजनीति' और 'टैरिफ की दादागिरी' का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए वोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था" तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की 'ऑक्सीजन' मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है। भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने 'मृतप्राय' कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी,

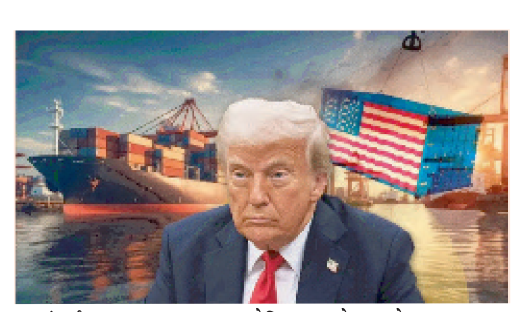

महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ 'यहां बनाएं' तक सीमित नहीं है, यह 'यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ' बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' अभियान अब 'मेड बाय इंडिया' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली। आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय ज़रूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोज़ी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है। आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब 'स्वदेशी' एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णतः आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर। वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार की आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मगौरव की रक्षा करें। जब तक भारत के भीतर से ही भारत की आवाज़ कमजोर की जाएगी, तब तक ट्रंप जैसे बाहरी 'टैरिफ तानाशाहों' को हमारे आत्मबल पर वार करने का साहस मिलता रहेगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज परिस्थितियां आप के अनुरूप रहेगी आप के व्यक्तित्व मे बदलाव आएगा भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. पीपल मे तेल का दीप प्रज्वलित करें हनुमान गायत्री का जप करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सिस्टम के साथ चलना ही लाभकारी रहेगा सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं.धन लाभ भी बनेगा आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. छात्रों को सफलता मिलेगी , स्वास्थ्य ठीक रहेगा । तरल पदार्थ का सेवन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगे धन का व्यय अधिक होगा आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल सकता है. नये काम मे सफलता पाना होतो लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज व्यस्त दिन रहेगा काम का बोझ बढेगा मित्रों का साथ रहेगा मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नंदी महाराज को हराचारा और गुड खिलाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज मौसम के कारण तबीयत नासार रहेगा काम पर छुट्टी करने का विचार होगा आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. वाहन चलाते समय थकान ज्यादा होगी आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.सूर्य अष्टाक्षर मंत्र का जप करें एवं अर्घ्य प्रदान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सीनियर्स के साथ तालमेल बहतर रहेगा करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.यात्रा का योग बन रहा हैं लाभदायक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज बुजुर्गों का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा सचेत रहें माता–पिता का अच्छे से सेवा करेंगे आज बच्चो के साथ घूमने का प्लान बनाए . आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच–समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा. शिवजी पर इक्षुरस का अभिषेक करें लक्ष्मी प्राप्त होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन नक्षत्र समय अनुकूल रहेगा आप मे आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा । घर–परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. घर मे पार्टी का माहौल रहेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें मन शान्त रहेगा काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है.आप को कोई उपहार भी मिल सकता है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ नया ऑफर मिलेगा सफलता बनेंगी आप की कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफ़ल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. घर की स्त्रीयों का पूरा सहयोग रहेगा बच्चों मे मौज मस्ती का माहौल रहेगा शाम का वक्त सुकून मे गुजरेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप की महनत आज रंग लाएगी पुरानी कोई बातों से मन खिन्न रहेगा आप को बहुत विनम्र रहना होगा धैर्य की आवश्यकता हैं उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती है. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. आप को सोचसमझकर चुनाव करना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज भैरव जी को तेल का अभिषेक और उडद के लड्डू का भोग लगाए कोर्ट–कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान–प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. शिवलिंग पर जल और दूध और दूर्वा अर्पित करें सफलता निकट रहेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज पुराना निवेश आप को मिलेगा आय के स्त्रोत खुलेंगे आप के शरीर पर और सौंदर्य को निखारने पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी के प्रभाव से आप जैसी सफलता चाहेंगें वैसी हासिल करेंगें। आज व्यापारीयो को लाभ मिलेगा. अपने हाथ से गरीब को वस्त्र की सेवा करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 अगस्त 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी सायं 05:24 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 02:06 तक
योग : हर्षण रात्रि 10:59 तक
करण : वणिज प्रातः 06:24 तक
चन्द्रराशि : वृषभ दोपहर 02:24 तक
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:30 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– भद्रा प्रातः 06:23 से सायं 05:23 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा को दी सड़कों समेत 2,000 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

चंडीगढ़, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज हरियाणा को ₹2,000 करोड़ की लागत वाली दो महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इन परियोजनाओं में अर्बन एक्सटेंशन रोड–2 के तहत सोनीपत और बहादुरगढ़ के लिए दो नए 4–लेन संपर्क मार्गों का निर्माण शामिल है, जिससे एनसीआर की कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इन परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह दिन हरियाणा के विकास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली और हरियाणा को जोड़ने वाली ₹11,000 करोड़ की 6 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया, जिनमें से दो परियोजनाओं से हरियाणा को सीधा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री सैनी ने बताया कि इन परियोजनाओं से सोनीपत, बहादुरगढ़, गुरुग्राम और मानेसर की दिल्ली एयरपोर्ट तक सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी, जिससे न केवल निर्यात, आयात और निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि लंबे समय से चली आ रही ट्रैफिक जाम की समस्या से भी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि इन पहलों से प्रदेश में निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास की नई दिशा मिलेगी और हरियाणा का योगदान राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में और अधिक सशक्त होगा। मुख्यमंत्री ने 'विकसित भारत–विकसित हरियाणा' के लक्ष्य को लेकर प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली की सराहना:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में युवाओं को पूरी पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के राज में 'पर्ची–खर्ची' से नौकरियां मिलती थीं, लेकिन भाजपा सरकार ने इस व्यवस्था को पूरी तरह से बदल दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अब तक लाखों युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां दी हैं, और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस परंपरा को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं।

कानून व्यवस्था पर कांग्रेस का हमला

हरियाणा बन गया फिरौती प्रदेश: दीपेंद्र हुड्डा

करनाल/भिवानी, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा में लगातार बढ़ते अपराध और हालिया घटनाओं को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर जुबानी हमला किया। रविवार को करनाल पहुंचे कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने गुरुग्राम में यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर हुई फायरिंग की घटना को लेकर कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के हालिया बयान पर आए कमेंट्स में खुद भाजपा कार्यकर्ता स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा अब हरियाणा नहीं, बल्कि फिरौती प्रदेश बन गया है। देश में अपराध दर में हरियाणा नंबर वन बन चुका है, और यह आंकड़े गृह मंत्रालय के क्राइम ब्यूरो के हैं।

हुड्डा ने आगे कहा कि राज्य सरकार की ओर से गठित स्पेशल टास्क फोर्स भी यह मान रही है कि हरियाणा में करीब 80 गैंग खुलेआम फिरौती वसूल रहे हैं। कुछ अपराधी विदेशों से, तो कुछ जेलों से धमकियां और वसूली कर रहे हैं। उन्हें पुलिस प्रशासन का कोई डर नहीं है, क्योंकि सत्ता की डोर कहीं और से संचालित होती है। मुख्यमंत्री की बातों को पुलिस गंभीरता से नहीं लेती, क्योंकि असली डोर दिल्ली के हाथों में है।शिक्षिका मनीषा हत्याकांड पर दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि पूरा प्रदेश अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहा है। सरकार का दायित्व है कि जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़कर कठोर से कठोर सजा दिलाई जाए।

वहीं, भाजपा सरकार में मंत्री श्रुति चौधरी ने भी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि मनीषा हत्याकांड बेहद दर्दनाक है। किसी भी हत्यारे को बख्शा नहीं जाएगा। मैंने और किरण चौधरी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से बात की है। सीएम ने तुरंत संज्ञान लेते हुए एसपी को बदला और पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया। यह बड़ी कार्रवाई है और इससे साफ है कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा।

हिप्सा ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को कबड्डी के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र भेंट किया

चंडीगढ़, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी को कबड्डी के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाण–पत्र भेंट किया है। यह प्रमाणपत्र रविवार को हरियाणा भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में हिप्सा की अध्यक्ष सुश्री कांथि डी. सुरेश और ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग के संस्थापक कार्तिक डम्मू द्वारा सौंपा गया। यह प्रतिष्ठित प्रमाणपत्र पंचकूला में हुए सबसे बड़े कबड्डी आयोजन के लिए दिया गया है, जिसमें खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की अभूतपूर्व भागीदारी रही थी। यह आयोजन पारंपरिक भारतीय खेल कबड्डी के लिए एक नया वैश्विक मानदंड स्थापित करता है। ज्ञात हो कि हाल ही में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में छठे राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ का उद्घाटन भी कबड्डी मैच की शुरुआत करके किया था।

उन्होंने इस अवसर पर विश्वास जताया था कि हरियाणा के खिलाड़ी 2036 के ओलंपिक में भारत के लिए सबसे ज्यादा पदक जीतेंगे। हिप्सा अध्यक्ष सुश्री कांथि डी. सुरेश ने बताया कि अप्रैल 2025 में, हिप्सा ने सफलतापूर्वक ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग का आयोजन किया था, जिसमें यूरोप, अफ्रीका और एशिया के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। उन्होंने कहा कि हिप्सा भारतीय खेलों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने और वैश्विक भारतीय समुदाय को खेलों के माध्यम से जोड़ने का प्रयास जारी रखेगा।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के प्रयासों से हाइटेंशन लाइन होगी भूमिगत

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

झोटवाड़ा क्षेत्र की जनता के लंबे संघर्ष और इंतजार को आखिरकार राहत मिलने जा रही है। वर्षों से सिर के ऊपर मंडराती हाइटेंशन लाइन की समस्या अब खत्म होगी। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में झोटवाड़ा को एक बड़ी सौगात मिली है। पहली बार क्षेत्र के लिए ₹15.75 करोड़ का बजट पास हुआ है, जिसके तहत 132 केवी हाइटेंशन लाइन को भूमिगत किया जाएगा।

शनिवार को कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने झोटवाड़ा के हाइटेंशन लाइन प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जनता से संवाद करते हुए कहा कि यह कार्य पूरा होने के बाद High Tension, No Tension का सपना हकीकत बनेगा। उन्होंने कहा कि यह समस्या झोटवाड़ा में वर्षों पुरानी थी, लेकिन अब इसे स्थायी समाधान मिल रहा है।

संयम के बिना जीवन का निर्माण और निर्वाण नहीं होता : आचार्य वर्धमान सागर

टोंक, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रथमाचार्य चक्रवर्ती आचार्य शांति सागर महाराज आचार्य पद शताब्दी प्रतिष्ठापना महोत्सव के अंतर्गत टोक नगर में विगत माह से अनेक कार्यशालाएं आयोजित की गई। पत्रकार गोष्ठी, एडवोकेट चार्टर्ड अकाउंटेट, के बाद शिक्षकों का सम्मेलन हुआ। आदिनाथ जिनालय में प्रथमाचार्य शांति सागर के गृहस्थ अवस्था दीक्षा उपसर्ग उपवास समाधि प्रसंगों के चित्रों की प्रदर्शनी का लोकार्पण आचार्य ने किया। आचार्य ने उपदेश में बताया कि माता–पिता के बाद शिक्षकों को बच्चो को संस्कारित करना उनका कर्तव्य है, मगर पहले माता–पिता शिक्षकों को संस्कारित होना जरूरी है।

श्रावकों के समूह से ही समाज का निर्माण होता है। संस्कार देव, शास्त्र, गुरुओं, के समागम, समर्पण ओर स्वाध्याय से मिलते हैं। आचार्य ने स्वयं के बारे में बताया कि हमने भी बचपन में माता–पिता और गुरुओं से शिक्षा संस्कार प्राप्त किए, तभी हम इस मार्ग पर आए हैं। प्रथमाचार्य शांतिसागर के समय मुनियों का मूलाचार ग्रन्थ नहीं था किंतु उनकी चर्या आगम जिनवाणी अनुरूप होने से सभी आने वाले साधुओं के लिए प्रेरणा स्तोत्र आदर्श रही। आचार्य शांति सागर का जीवन चारित्र की प्रयोग शाला रहा उन्होंने चारित्र से सभी खंडों महाव्रत, समिति, गुप्ति, धर्म तप आदि पर विजय प्राप्त की इसलिए उन्हें चारित्र चक्रवती की उपमा उपाधि दी गई। यह मंगल देशना आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने प्रथमाचार्य शांतिसागर महाराज आचार्य पद प्रतिष्ठापना महोत्सव समिति के अवसर पर आयोजित शिक्षक सम्मेलन में प्रगट की। राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य ने आगे बताया कि पश्चिमी संस्कृति, टीवी मोबाइल, सोशल मीडिया, गूगल के कारण बच्चे संस्कारहीन होकर उनका पतन हो रहा है संसार को जानने के बजाय अब स्वयं की आत्मा का चिंतन करना जरूरी है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचे : दिया कुमारी

भीलवाड़ा, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी रविवार को भीलवाड़ा जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहीं। इस अवसर पर उन्होंने गुलाबपुरा उपखंड कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), पर्यटन विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की गहनता से समीक्षा की।

बैठक में उप मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों से चल रहे कार्यों की जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुँचे। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समय में पूरे किए जाएँ, पर्यटन से जुड़े विकास कार्यों को गति दी जाए तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाएँ धरातल पर प्रभावी रूप से लागू हों।

उप मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी से जुड़ी शिकायतों पर कड़ा रुख अपनाते हुए निर्देश दिये कि गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध रूप से कार्य नहीं करने वाले लापरवाह ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि विभागीय आधिकारिक फील्ड में रहकर स्वयं मॉनिटरिंग करें। उन्होंने बताया कि सेवा ऐप को शीघ्र ही आमजन के लिए खोला जाएगा साथ ही पीडब्ल्यूडी द्वारा किए गए नवाचार की सराहना की जिसमें पॉलिटेक्निक कॉलेज के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देकर रैंडम रूप से जिले की 51 सड़कों की चयनित छात्रों से सगुनी यात्रा के माध्यम से गुणवत्ता जांच करवाई गई। इसमें 45 सड़के उत्तम व 6 सड़के मध्यम गुणवत्ता वाली पाई गई।उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि भीलवाड़ा जिले से जुड़ी शेष रही बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की देरी नहीं की जाए। उन्होंने कॉरपोरेट और कंपनियों को अपनी सीएसआर राशि को जनहित के कार्यों में खर्च करने का भी आह्वान किया।

बुजुर्गों को अब घर बैठे ही मिलेंगी जरूरी दवाएं: सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के बुजुर्गों के लिए एक अनूठी पहल की घोषणा की है। अब 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों को जरूरी दवाएं घर बैठे ही उपलब्ध कराई जाएंगी। यह सुविधा मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद शुरू की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना को सुचारू रूप से लागू करने के लिए पहले किसी एक जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसे शुरू किया जाएगा और इसके सफल होने पर चरणबद्ध तरीके से पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य बुजुर्गों को स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करना और उन्हें दवाएं लेने के लिए अस्पतालों के चक्कर लगाने की परेशानी से बचाना है।

इस कदम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ एवं समृद्ध भारत के संकल्प को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सरकार की इस पहल से प्रदेश के लाखों बुजुर्गों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर गांव और ढाणी तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इसी सोच के साथ सरकार ने अपने पहले बजट में कुल बजट का 8.26 प्रतिशत स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवंटित किया था। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक में कहा कि निर्माण संबंधी कार्यों के लिए समयसीमा तय कर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ और समृद्ध भारत के संकल्प को मजबूत करने की दिशा में राजस्थान स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि 6 करोड़ 20 लाख से अधिक आभा आईडी बनाकर राजस्थान देशभर में दूसरे स्थान पर है। साथ ही, स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से 1 करोड़ 68 लाख से अधिक आभा लिंक्ड ई–हेल्थ रिकॉर्ड भी बनाए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज को एम्स, दिल्ली की तर्ज पर राजस्थान इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस पर चरणबद्ध रूप से ₹750 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

शर्मा ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए संचालित आरजीएचएस योजना के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए और फ्रॉड की पहचान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाए। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गोरखपुर में सीएम योगी ने किया ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का लोकार्पण

सृष्टि बचाने के लिए कम करना होगा कार्बन उत्सर्जन : योगी

भविष्य की ऊर्जा है ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी

गोरखपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और दुनिया के सामने सबसे बड़ी चिंता जीवसृष्टि और मानव सभ्यता को बचाने की है। जीवसृष्टि और मानव सभ्यता को बचाना है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप हमें नेट जीरो की तरफ बढ़ना होगा, कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम करना होगा। सीएम योगी रविवार को गोरखपुर के खानिमपुर में टोरेंट समूह के ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। टोरेंट गैस और टोरेंट पावर द्वारा स्थापित यह ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट उत्तर प्रदेश का पहला और पूरे देश का दूसरा प्लांट है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा और बीमारियों से बचाव में ग्रीन एनर्जी की बड़ी भूमिका होने जा रही है। कहा कि ऊर्जा क्षेत्र एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में हरित ऊर्जा तथा विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए यह प्लांट बड़ी भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से स्थापित यह प्लांट प्रदूषण से मुक्त उर्जा प्राप्ति की दिशा में एक नया प्रयास है। उन्होंने कहा कि यहां टोरेंट ग्रुप का एक प्लांट पहले सीएनजी का है। अब यहां पर ग्रीन हाइड्रोजन का प्लांट लगाया गया है। अब यहां ग्रीन हाइड्रोजन और सीएनजी-पीएनजी की ब्लेंडिंग होगी। इसके बाद इसे घर घर रसोई गैस के रूप में पहुंचाया जायेगा। सीएम ने कहा कि उम्मीद है कि ग्रीन एनर्जी के उत्पादन के साथ यह नवाचार का केंद्र होगा और लोगों के जीवन को आगे बढ़ाने का कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की ऊर्जा है। उत्तर प्रदेश के लिए यह खुशी की बात है कि प्रचुर जल संसाधन होने के चलते यहां इसकी व्यापक संभावना है। ग्रीन हाइड्रोजन जल से बनेगी। जल में दो हिस्सा हाइड्रोजन और एक हिस्सा ऑक्सीजन होता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जल संसाधन के लिहाज से अत्यंत समृद्ध है। यहां कई जगहों पर दस मीटर की गहराई में पानी मिल जाता है। कई नदियां यूपी में प्रवाहित हैं। जल संसाधन की पर्याप्त उपलब्धता से उत्तर प्रदेश बड़े पैमाने पर ग्रीन एनर्जी बनाने में सामर्थ्यवान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन हर उस कार्य से होता है जिससे प्रदूषण होता है। पहले घरों में भोजन लकड़ी या कोयला से बनाया जाता था जिससे कार्बन उत्सर्जन होता था। पीएम मोदी ने उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ परिवारों को निशुल्क रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराये हैं।

इससे पीछे की मंशा लोगों को फेफड़े, टीबी, आंख से जुड़ी और अन्य बीमारियों से निजात दिलाने की रही। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषण में उज्ज्वला योजना के अगले फेज के लिए बड़ी धनराशि की घोषणा की है। सस्ती रसोई गैस के लिए भी प्रधानमंत्री ने पैकेज की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्ट्रीट लाइट में पहले सामान्य बल्ब प्रयोग किए जाते थे जिससे अधिक कार्बन उत्सर्जन होता था, उर्जा ज्यादा खर्च होती थी और बिजली का बिल भी अधिक आता था। आज एलईडी स्ट्रीट लाइट लगने से उर्जा की खपत कम हुई तथा कार्बन उत्सर्जन भी कम हुआ। एलईडी से कीड़े नहीं जलते और बदबू भी नहीं आती। जबकि पहले प्रयोग होने वाले हैलोजन बल्ब में बरसात के बाद असंख्य कीड़े मड़राते थे जिससे बदबू आती थी।

सीएम योगी ने कहा कि हमारे पास ऊर्जा के क्षेत्र में हाइड्रो पावर, या थर्मल पावर है। प्रदेश में पवन ऊर्जा नहीं है। प्रदेश सरकार ने 22 हजार मेगावाट रिन्यूवल एनर्जी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। अब तक इस क्षेत्र में हम 6 हजार मेगावाट तक पहुंचे हैं। इसमें वृद्धि हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा है। रिन्यूवल एनर्जी के लिए किसी न किसी अन्य ऊर्जा की आवश्यकता होती है। भविष्य में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र सबसे ज्यादा व्यापक संभावना हाइड्रोजन एनर्जी में है। उन्होंने कहा कि अभी यह ऊर्जा कुछ महंगी जरूर है लेकिन आने वाले समय में मोबाइल फोन की तरह सस्ती हो जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रीन एनर्जी पूरी दुनिया की तकदीर को बदल देगी। आज प्रकृति के साथ साथ मनुष्य के स्वास्थ्य पर जो विपरीत प्रभाव पड़ा है उसका पहला कारण प्रकृति के साथ खिलवाड़ और दूसरा कृषि में कीटनाशकों, रसायनिक उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग है। कैंसर, लीवर में खराबी और अन्य गंभीर बीमारियों का भी कारण यही है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। बरसात भी देरी से हो रही है। आज जो वर्षा हो रही है इसे जुलाई माह में होना चाहिए था, अब इसमें देरी हो रही है। पहले नवरात्रि के समय लोगों के घर में चूड़ा आ जाता था लेकिन मौसम की देरी के साथ फसल भी देर से हो रही है। आज कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं सूखा पड़ रहा है। यह सब पर्यावरण के साथ खिलावाड़ का परिणाम है। लोग पेड़ काट रहे हैं। प्रदूषण के कारण जल के स्रोत खराब हो रहे हैं पानी प्रदूषित हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सारे कार्यों से हम जीवन के साथ जीवसृष्टि के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए सांसद रवि किशन शुक्ल ने कहा कि आज पूरा देश सीएम योगी के विकास और कल्याण के विजन को देख रहा है। यूपी का कानून व्यवस्था और नीतिगत आधार पर उन्होंने ऐसा कायाकल्प किया कि देश और दुनिया के निवेशक यूपी में निवेश को तत्पर हैं। रवि किशन ने कहा कि गोरखपुर में ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट ग्रीन एनर्जी की क्रांति का संवाहक बनेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में बदहाल और बदनाम रहा गोरखपुर अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच से पूरे देश में चमक रहा है।

गो-सेवा के क्षेत्र में गांव-गांव तकनीकी सहायता देगी पतंजलि

गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास में योगी सरकार

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उड़ान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग ने पतंजलि योगपीठ के साथ साझा रणनीति बनाई है। हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ में उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण से विस्तृत चर्चा की। इस बातचीत में उत्तर प्रदेश में गो संरक्षण, पंचगव्य उत्पाद, प्राकृतिक खेती और बायोगैस संयंत्रों के प्रसार को बढ़ावा देने पर सहमति बनी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि गांव की गाय, गांव की तरक्की का आधार है। इसी सोच को धरातल पर उतारने के लिए पतंजलि योगपीठ ने तकनीकी सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

अब गोशालाओं को केवल संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण उद्योग, पंचगव्य उत्पाद निर्माण और बायोगैस उत्पादन के आधुनिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए बाबा रामदेव जल्द ही उत्तर प्रदेश आएंगे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर रोडमैप को अंतिम रूप देंगे।

गो सेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश के 75 जिलों में 2 से 10 गोशालाओं को चयनित कर उन्हें बड़े मॉडल गोशालाओं के रूप में विकसित किया जाएगा। गो अभयारण्यों में खुले शेड, बाड़ और सुरक्षा व्यवस्था विकसित कर गोवंश की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उत्पादन से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और 50 प्रतिशत कमीशन मॉडल के माध्यम से गोमूत्र संग्रह व उत्पाद बिक्री में ग्रामीणों की सीधी भागीदारी होगी।

सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल सीएम योगी से मिलीं

भाजपा में शामिल होने की होने लगी चर्चा

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल ने सीएम योगी आदित्यनाथ से औपचारिक मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद राजनीतिक अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। सपा विधायक पूजा पाल ने माफिया सरगना अतीक अहमद के मारे जाने पर सीएम योगी की सराहना की थी, इससे बौखलाए अखिलेश यादव ने उन्हें पार्टी से निकाल दिया। पूजा पाल के भाजपा में शामिल होने की चर्चा है।

सपा की बागी और फिर बीते गुरुवार को निष्कासित की गईं विधायक पूजा पाल ने शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। सपा से निकाले जाने के बाद यह सीएम के साथ उनकी पहली औपचारिक मुलाकात है।

पूजा पाल कौशांबी जिले की चायल विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी की विधायक हैं। पिछले साल राज्यसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा के पक्ष में वोटिंग की थी। बृहस्पतिवार को पूजा पाल ने विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की तो सपा अध्यक्ष ने निष्कासन पत्र भिजवा दिया।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद माफिया सरगना अतीक अहमद और उसका आपराधिक साम्राज्य को धूल में मिलाने के बाद पूजा पाल ने योगी सरकार की तारीफ करते हुए कहा था कि उन्हें सपा सरकार में नहीं, भाजपा सरकार में न्याय मिला। उनके बयानों को लेकर पार्टी प्रमुख काफी नाराज चल रहे थे।

चुनाव-चोरी के आरोपों पर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का करारा प्रहार

कुर्सी खो चुके सपनों के सौदागर जनता को कर रहे गुमराह

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि सोशल मीडिया वाले नेता लगातार हार से हताश हो चुके हैं। हार से बौखलाए कुर्सी खो चुके सपनों के सौदागर अब जनता को गुमराह करने के लिए चुनाव आयोग पर हमला कर रहे हैं। लोकतंत्र की दुहाई देने वाले अखिलेश यादव पहले अपनी पार्टी और शासनकाल का दागदार इतिहास साफ करें तो ज्यादा बेहतर होगा। लोग भूले नहीं हैं।

चुनाव आयोग पर अखिलेश के आरोपों के जवाब में स्वतंत्र देव सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव लोकतंत्र के मसीहा नहीं, सपा के गुंडा-राज के वारिस हैं। उन्हें लोकतंत्र की चिंता नहीं, कुर्सी की चिंता ज्यादा है। जनता सब जानती है सपा का मतलब गुंडा-राज और भाजपा का मतलब सुशासन। हताश राजकुमार अब आयोग पर उंगली उठाकर अपनी डूबती नैया बचाना चाहते हैं। चुनाव आयोग पर अपनी हार का ठीकरा फोड़ के वह यह दिखाना चाहते हैं कि वह जनता के नेता हैं, जबकि असलियत यह है कि वह जनता का भरोसा कब का खो चुके हैं।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा का इतिहास बूथ कैप्चरिंग, मतदाता सूची में हेरफेर और चुनावी हिंसा से भरा पड़ा है। 2012 से 2017 तक यूपी में लोकतंत्र नहीं, बल्कि गुंडा-राज चला। 2009 में मैनपुरी चुनाव के दौरान एक बड़े सपा नेता की मौजूदगी में बूथ पर पुलिस पर हमला हुआ, लेकिन एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई। यही सपा का असली चेहरा है-क्या अखिलेश वही युग वापस लाना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के आरोप पूरी तरह झूठे और निराधार हैं। चुनाव आयोग ने जांच की और कोई सबूत नहीं पाया।

सपा को चुनाव आयोग बुलाती है तो वहां अपनी बात नहीं रखते। संसद में बात नहीं रखते। सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाने वालों को फटकारा है। लेकिन सोशल मीडिया पर ये लोग सफेद झूठ परोसते हैं। असलियत यह है कि हार से बौखलाए अखिलेश अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए आयोग पर उंगली उठा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि आज चुनाव आयोग पूरी तरह स्वतंत्र और पारदर्शी ढंग से काम कर रहा है। वीवीपैट, डिजिटल प्लेटफॉर्म और कड़ी निगरानी जैसे सुधारों ने सपा की बूथ कैप्चरिंग की राजनीति को हमेशा के लिए बंद कर दिया है। यही कारण है कि अखिलेश यादव बेचैन हैं और आयोग को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सपा के राज में विधानसभा व पंचायत चुनावों के दौरान बूथ कैप्चरिंग, नकली वोटिंग और प्रशासन पर दबाव की घटनाएं आम थीं।उस दौर में कई जिलों में चुनावी हिंसा में मौतें और गंभीर झगड़े हुए। सपा सरकार में अपराधी और बाहुबली चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा बने। माफिया सरगना खुलेआम मतदान केंद्रों पर कब्जा करते थे। लोगों के मताधिकार को छीना गया। उनकी चुनाव आयोग पर दबाव डालने की परंपरा रही है, ताकि वो सही से काम न कर सके। इसी तरह, प्रशासनिक अफसरों पर दबाव बनाकर मतदाता सूचियों में हेरफेर की शिकायतें भी आती रही हैं।

रीजेंसी हॉस्पिटल का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया लोकार्पण

इलाज के लिए सुविधा और पैसे की कोई कमी नहीं : योगी

गोरखपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर में उच्च स्तरीय इलाज के लिए अब न तो स्पेशलिटी सुविधाओं की कमी है और न ही पैसे की। यहां सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं हैं और आम नागरिक को उसका लाभ दिलाने की प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान) भी है। यदि किसी के इलाज में आयुष्मान योजना की राशि कम पड़ेगी तो मुख्यमंत्री राहत कोष और जनप्रतिनिधियों की निधि से उसकी भरपूर मदद की जाएगी।

सीएम योगी रविवार को रीजेंसी हॉस्पिटल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने हॉस्पिटल का निरीक्षण कर सुविधाओं का जायजा लिया और हॉस्पिटल के पेशेंट एप रीजेंसी माई केयर को भी लांच किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले महंगी स्वास्थ्य सुविधाएं गरीब के लिए दुर्लभ थीं, पर आज सहज उपलब्ध होने लगी हैं। यूपी सरकार ने साढ़े पांच करोड़ लोगों को

आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया है। इसके आलावा जिन लोगों के पास आयुष्मान योजना या मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ नहीं है, उनके लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से है। विधायकों को भी उनकी निधि से पचीस लाख तक की सहायता इलाज के लिए देने का अधिकार दिया गया है। सीएम योगी ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से भी पिछले एक वर्ष में 1100 करोड़ रुपए इलाज के लिए दिए गए हैं। पहले यह सुविधाएं नहीं थीं और अगर कुछ सुविधाएं मिलती भी थीं तो पिक एंड चूज के माध्यम से चेहरा देखकर मिलती थीं।

सीएम योगी ने कहा कि जनता के साथ जो हर समय खड़ी हो वही सरकार है। सरकार का लक्ष्य हो कि जनता को बिना भेदभाव के सभी सुविधाएं प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि इलाज हेतु प्रधानमंत्री राहत कोष से भी पैसा मिलता है। आज हर एक स्तर पर यह सुविधा मिल रही है। पिछले 11 वर्ष में विकासपरक परिवर्तन के फलस्वरूप व्यक्ति की आर्थिक क्षमता भी बढ़ी है। व्यक्ति पैसा खर्च कर सकता है बस उसको सुविधाओं की आवश्यकता रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ढाई सौ बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी सुपर स्पेशलिटी का शुरू होना गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। एक ही छत के नीचे यहां सारी सुविधाएं मिलेंगी। इसका लाभ पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमोत्तर बिहार और नेपाल के लोगों को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि की कानपुर में रीजेंसी हॉस्पिटल चिकित्सा सेवा के बैक बोन के रूप में है और यूपी में इसकी श्रृंखला शुरू हो रही है। इस हॉस्पिटल को गोरखपुर में स्थापित कराने के लिए सीएम योगी ने इसके साझीदार तनमय मोदी की मुक्त कंठ से सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल उपचार का माध्यम है लेकिन यदि उपचार में सावधानी और सतर्कता नहीं बरती गई तो वह इंफेक्शन का भी माध्यम बन जाता है। इस अस्पताल में इन सभी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। यह अस्पताल इस क्षेत्र के पांच करोड़ आबादी के लिए एक बेहतरीन स्वास्थ्य केंद्र बनेगा।

सीएम योगी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में आज से दस वर्ष पहले स्वास्थ्य सुविधाओं की हालत बहुत खराब थी। सरकार उदासीन थी, जनता जैसे-तैसे अपना जीवनयापन करती थी। जनता को उत्तम स्वास्थ्य की सुविधा देने की प्रतिबद्धता के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब कार्य शुरू किया तो देश में स्वास्थ्य सुविधाओं में बेहतरीन वृद्धि देखने को मिली। आज से दस वर्ष पूर्व, पूर्वी यूपी में बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही एक मात्र बड़ा स्वास्थ्य केंद्र था, जो खुद ही बीमार था। शासन की प्रतिबद्धता से आज बीआरडी मेडिकल कॉलेज में बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। गोरखपुर में एम्स भी संचालित हो गया है, दर्जनों अन्य अस्पताल भी खुल गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पूर्वी यूपी में गोरखपुर में ही मेडिकल कॉलेज था। आज बस्ती, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, अयोध्या, जौनपुर, बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अम्बेडकरनगर, चंदौली, मिर्जापुर आदि जिलो में भी मेडिकल कॉलेज हैं। बलिया में भी सरकार मेडिकल कॉलेज खोलने जा रही है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में स्वास्थ्य केंद्रों की एक लंबी श्रृंखला है, पहले इसका अभाव था।

फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट से युवाओं के सपनों को मिल रही उड़ान

विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं के विस्तार से अपराध नियंत्रण में तेजी

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस विभाग को टेक्नोलॉजी से जोड़ने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। योगी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में अपराध की रोकथाम, अपराधियों की पहचान और कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिए कठोर सजा दिलाने के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला का विस्तार किया है। वहीं प्रदेश में फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की स्थापना भी की, ताकि प्रदेश के युवा फॉरेंसिक के क्षेत्र में अपना करियर बना सकें। साथ ही इसके माध्यम से फॉरेंसिक के जरिये साइबर अपराध समेत अपराधियों को फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर कड़ी सजा दिलाई जा सके।

योगी सरकार ने प्रदेश के पहले फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की स्थापना की है। वर्तमान में यह संस्थान फॉरेंसिक शिक्षा और अनुसंधान का प्रमुख केंद्र है। यहां प्रशिक्षु वैज्ञानिकों, पुलिस अधिकारियों और जांच से जुड़े कर्मियों समेत छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।। साथ ही नई तकनीकों पर शोध कार्य भी किया जा रहा है। इससे उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी फॉरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में नई पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि प्रदेश में विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं को न सिर्फ विस्तार दिया गया, बल्कि उन्हें अत्याधुनिक संसाधनों से भी लैस किया गया है। प्रदेश में विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं की संख्या और क्षमता में वृद्धि, आधुनिक तकनीक का समावेश और प्रशिक्षित वैज्ञानिकों की नियुक्ति ने प्रदेश में अपराध नियंत्रण की गति को तेज कर दिया है। फॉरेंसिक विज्ञान को लेकर उठाए गए ये कदम केवल अपराधियों को सजा दिलाने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ये समाज में न्याय और सुरक्षा की भावना को भी मजबूत कर रहे हैं। यह पहल उत्तर प्रदेश को एक सुरक्षित, न्यायपूर्ण और आधुनिक राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में महज 4 विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं संचालित थी। इन प्रयोगशालाओं का संचालन लखनऊ, वाराणसी, आगरा और गाजियाबाद में किया जा रहा था। वहीं मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने अपराध नियंत्रण और न्याय प्रणाली को मजबूत करने के उद्देश्य से नई प्रयोगशालाओं की स्थापना का निर्णय लिया। नतीजतन वर्ष 2017 के बाद 8 नई प्रयोगशालाएं स्थापित की गईं। वर्तमान समय में प्रदेश में कुल 12 विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं सक्रिय हैं। इनमें झांसी, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर, बरेली, गोंडा, अलीगढ़ और मुरादाबाद शामिल हैं। योगी सरकार का यह विस्तार अपराध जांच की दिशा में क्रांतिकारी कदम साबित हुआ है।

ममनूर हवाई अड्डे की भूमि अधिग्रहण को लेकर किसानों का विरोध प्रदर्शन

वारंगल, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ममनूर हवाई अड्डे के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर अपर्याप्त मुआवजे से नाराज किसानों ने शनिवार को नक्कलपल्ली रोड पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी किसानों का आरोप है कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित मुआवजा वर्तमान बाजार मूल्य से काफी कम है।

संगम मंडल के गुंटूरपल्ली गांव के किसानों का कहना है कि उनकी भूमि का वर्तमान बाजार मूल्य लगभग 4 करोड़ रुपये प्रति एकड़ है, जबकि जिला कलेक्टर केवल 1.20 करोड़ रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दे रहे हैं। किसानों ने घोषणा की है कि जब तक सरकार मुआवजे में संशोधन नहीं करती, वे अपनी भूमि नहीं देंगे। एक किसान ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में कहा, यह भूमि शहरी सीमा में आती है और प्रत्येक गज की कीमत 30,000 से 40,000 रुपये के बीच है।

हवाई अड्डे के विस्तार के लिए गुंटूरपल्ली गांव के लगभग 40 किसानों की करीब 70 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। किसानों का तर्क है कि उनकी भूमि मुख्य सड़क से सटी हुई है, इसलिए सरकार को अधिक मुआ-वजा देना चाहिए।किसानों ने याद दिलाया कि सरकार ने शुरू में संपत्ति खोने वाले लोगों को समान भूमि आवंटित करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि इनर रिंग रोड परियोजना के लिए भूमि मालिकों को यार्ड मूल्य के आधार पर मुआवजा दिया गया था और हवाई अड्डे के विस्तार के लिए भी यही व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए।

किसानों ने बताया कि उनकी भूमि के पंजीकरण मूल्य में एक दशक से अधिक समय से कोई संशोधन नहीं किया गया है। जिला कलेक्टर, स्थानीय विधायक और मंत्री से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद कोई राहत नहीं मिली है।एक किसान ने स्पष्ट किया, हम विकास के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सरकार को उचित मुआवजा देना चाहिए। यही हमारी रोजी-रोटी है और हम रियल एस्टेट के कारोबार में नहीं हैं।

पिछले कुछ महीनों से गडीपल्ली, गुंटूरपल्ली, नक्कलपल्ली और आसपास के गांवों के किसान कम मुआवजे को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले नवंबर में राज्य सरकार ने हवाई अड्डे के लिए पहले से उपलब्ध 696 एकड़ भूमि के अतिरिक्त 260 एकड़ भूमि के अधिग्रहण के लिए 205 करोड़ रुपये जारी किए थे। यह परियोजना तेलंगाना के दूसरे हवाई अड्डे का विस्तार है।

निलवई के बीआरएस नेता गुरुंदला वसंत भाजपा में शामिल

चेन्नूर, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। निलवई के पूर्व वार्ड सदस्य और वरिष्ठ बीआरएस नेता गुरुंदला वसंत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया है। चेन्नूर में आयोजित एक कार्यक्रम में, मंचेरियल ज़िला अध्यक्ष नागुनुरी वेंकटेश्वर गौड़ ने उन्हें पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

इस मौके पर ज़िला अध्यक्ष नागुनुरी वेंकटेश्वर गौड़ ने कहा कि वसंत के शामिल होने से पार्टी को ज़िले में और मज़बूती मिलेगी।

इस कार्यक्रम में भाजपा मंडल के नेता कोप्पुला मधुनय्या, कोप्पुला चरण राज और अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। वसंत के भाजपा में शामिल होने को आगामी चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना माना जा रहा है।

मंचेरियल हिंदू उत्सव समिति का चुनाव सम्पन्न

मंचेरियल, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल हिंदू उत्सव समिति का नया चुनाव हुआ।

इस बैठक में गोन समसुंदर राव को मानद अध्यक्ष, चुंचू राज किरण को अध्यक्ष, कर्णकांति रविंदर को महासचिव और मुत्याला कृष्णा को कोषाध्यक्ष चुना गया।

नए पदाधिकारियों ने कहा कि वे हिंदू संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं और विशेष रूप से गणेश नवरात्रि उत्सव की सफलता के लिए मेहनत करेंगे।

उन्हें विश्वास है कि उनकी टीम हिंदू परंपराओं को जीवित रखने और धार्मिक कार्यक्रमों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मंचेरियाल-जगतियाल-धर्मपुरी मार्ग पर बाढ़: टीजीएसआरटीसी बस सेवाएं स्थगित

मंचेरियाल, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। धर्मपुरी मंडल के नेरेल्ला के निकट भारी बारिश के कारण सड़क पर बाढ़ का पानी जमा हो गया, जिससे मंचेरियाल, जगतियाल और धर्मपुरी के बीच सड़क संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया। वाहनों का आवागमन ठप होने के साथ ही टीजीएसआरटीसी ने इस मार्ग पर बस सेवाओं को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है।

आसपास के गांवों के निवासियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रवेश न करने की सलाह दी गई है। भारी वर्षा के कारण टैंक, नाले और तालाब जैसे जल निकाय उफान पर हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है।

जगतियाल के कलेक्टर सत्य प्रसाद ने स्थिति का जायजा लेने के लिए सुबह अनंतराम, रायपट्टनम पुल, धर्मपुरी में गोदावरी जलग्रहण क्षेत्र, नेरेल्ला के निम्न-स्तरीय पुल और सारंगपुर मंडल के रेचापल्ली में निम्न-स्तरीय पुलों का दौरा किया। उन्होंने बिजली, राजस्व, पुलिस, सड़क व भवन (आरएंडबी), पंचायती राज और सिंचाई विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को मुख्यालय न छोड़ने और 24 घंटे सतर्क रहने का आदेश दिया। उन्होंने नगर निगम आयुक्तों, एमपीडीओ और फील्ड कर्मचारियों को अपने क्षेत्रों में चौबीसों घंटे उपलब्ध रहने के लिए कहा। इसके अलावा, जर्जर इमारतों में चल रहे स्कूलों और छात्रावासों को तुरंत खाली कराने तथा पुराने घरों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने बताया कि एक नियंत्रण कक्ष 24 घंटे कार्यरत रहेगा। लोगों से अनुरोध किया गया है कि किसी भी सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 966623438 पर संपर्क करें।

पुलिस अधिकारियों ने निचले स्तर की नालियों का दौरा किया, जहां पानी ओ-वरफ्लो हो रहा था, और आवश्यक एहतियाती उपाय लागू किए। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है और लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

गणेश मंडप आयोजकों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य : एसपी कांतिलाल पाटिल

आसिफ़ाबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुरम भीम, आसिफ़ाबाद ज़िले में आगामी गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए ज़िला पुलिस प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। ज़िला पुलिस अधीक्षक (एसपी) कांतिलाल पाटिल, आईपीएस ने एक घोषणा में गणेश मंडप के आयोजकों और समिति के सदस्यों को अपनी सभी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कराने का निर्देश दिया है।

एसपी पाटिल ने बताया कि सुरक्षा कारणों से सभी गणेश मंडपों को पुलिस विभाग द्वारा बनाई गई ऑनलाइन वेबसाइटhttps://policeportal.tspolice.gov.in/index.htm पर अपना पूरा विवरण दर्ज करना होगा। इस प्रक्रिया से पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।

आयोजकों को वेबसाइट पर निम्नलिखित विवरण दर्ज करने होंगे:

-गणेश मंडप का नाम।
-मूर्ति स्थापना और विसर्जन की तारीख और समय।

-विसर्जन यात्रा का मार्ग।
-मंडप का स्थान और उसके मालिक का विवरण।
-गणेश मूर्ति की ऊँचाई और मंडप की ऊँचाई।
-संबंधित पुलिस स्टेशन और विसर्जन स्थल।

गणपति ले जाने वाले वाहन, उसके चालक और मालिक का विवरण।

मंडप आयोजकों, समिति सदस्यों और स्वयंसेवकों का नाम, फ़ोन नंबर और पता।

जो लोग ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कर सकते, उन्हें नज़दीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करने की सलाह दी गई है। एसपी पाटिल ने गणेश उत्सव के दौरान कुछ महत्वपूर्ण दिशानिर्देश भी जारी किए हैं।सुरक्षा: मंडप के स्वयंसेवकों और सदस्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि मंडप 24 घंटे खुला रहे।डीजे: उत्सव के दौरान तेज़ आवाज़ वाले डीजे बजाने की अनुमति नहीं होगी।पर्यावरण: समिति के सदस्यों ने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए मिट्टी की गणेश प्रतिमा स्थापित करने को प्राथमिकता देने की अपील की है।किसी भी आपात स्थिति में, लोग तुरंत डायल 100 पर संपर्क कर सकते हैं, क्योंकि ज़िला पुलिस प्रशासन 24 घंटे उपलब्ध रहेगा।

सड़कों पर आवारा मवेशियों का कब्जा राहगीर और वाहन चालक परेशान

आसिफ़ाबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरमभीम आसिफ़ाबाद ज़िला मुख्यालय की सड़कों पर इन दिनों आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। यह मवेशी सिर्फ़ यातायात को बाधित नहीं कर रहे, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का कारण भी बन रहे हैं।बारिश शुरू होने के बाद से यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। शहर के मुख्य चौक-चौराहों, जैसे विवेकानंद, गांधी चौक, अंबेडकर चौक, जनकापुर, और बस स्टैंड के पास मवेशी दिन-रात बैठे रहते हैं। इससे पैदल चलने वालों और वाहन चालकों को काफ़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार मवेशियों को हटाने की कोशिश में ही दुर्घटनाएं हो जाती हैं।साप्ताहिक बाज़ार के दिन स्थिति और भी ख़राब हो जाती है। बाज़ार में मवेशियों के घुसने से अफरा-तफरी मच जाती है और उन्हें भगाने की कोशिश में लोग भी घायल हो जाते हैं। शाम के समय जब ये मवेशी सड़कों पर बैठ जाते हैं, तो वाहनों के लिए निकलने की जगह नहीं बचती।मवेशियों को बचाने के चक्कर में कई वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। वहीं, वाहनों की टक्कर से मवेशी भी घायल होते रहते हैं। जब ये मवेशी आपस में लड़ने लगते हैं, तो पैदल चलने वाले और दोपहिया वाहन चालकों के मन में हमेशा डर बना रहता है। कई बार ये मवेशी सड़क किनारे खड़ी बाइक को भी गिरा देते हैं, जिससे गाड़ियों को नुकसान होता है।इस समस्या के लिए काफी हद तक मवेशी मालिक भी जिम्मेदार हैं। लोग तब तक अपने मवेशी को पालते हैं जब तक वे दूध देते हैं। जैसे ही गाय दूध देना बंद कर देती है, उन्हें सड़कों पर खुला छोड़ दिया जाता है। इसी वजह से इन आवारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। सबसे हैरानी की बात तो यह है कि जब किसी दुर्घटना में मवेशी की मौत हो जाती है, तो ये मालिक मुआवज़ा लेने के लिए तुरंत हाज़िर हो जाते हैं।लोगों का मानना है कि अगर ग्रामीण अपने मवेशियों की सही देखभाल करें और उन्हें सड़कों पर खुला न छोड़ें, तो इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देने की ज़रूरत है ताकि आम जनता और मवेशी दोनों सुरक्षित रह सकें।

भारी बारिश से कपास और धान की फसलें बर्बाद, किसानों की आँखों में आँसू

मंचेरियाल, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले के नेनेला मंडल में पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। कपास और धान की खड़ी फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं, जिससे किसान गहरे सदमे में हैं।

निचले इलाकों में खेतों में बाढ़ का पानी भर गया है। नदी के जलग्रहण क्षेत्र में सैकड़ों एकड़ कपास के खेत बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। पानी उतरने के बाद खेतों में कीचड़ की मोटी परत जम गई है, जिससे किसानों को डर है कि पौधे पूरी तरह से मर जाएंगे।

इसी तरह, नेनेला, मन्नेगुडेम, गोलापल्ली, नंदुलापल्ली, अवदम और गंगाराम गाँवों में धान की फसल भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। जिन खेतों में धान की रोपाई हुई थी, वे पूरी तरह से पानी में डूब गए हैं, जिससे धान सड़ रहा है। कई एकड़ खेतों में बाढ़ के कारण धान की फसल बह गई है और रेत के टीले जमा हो गए हैं, जिससे खेतों तक पहुँचना भी मुश्किल हो गया है। नहरों और नालियों के बंद होने से भी किसानों की परेशानी बढ़ गई है।इस भयावह स्थिति को देखते हुए किसान सरकार से तत्काल मदद की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार को जल्द से जल्द क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण करना चाहिए और उन्हें उचित मुआवजा देना चाहिए। किसानों का कहना है कि अगर सरकार ने समय पर सहायता नहीं दी, तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

मारवाड़ी प्रगति समाज द्वारा धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

मंचरियाल, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचरियाल में मारवाड़ी प्रगति समाज द्वारा हर साल की तरह इस साल भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व लक्ष्मी नारायण मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पूरे मंदिर को विभिन्न प्रकार के फूलों और रंगीन रोशनी से सजाया गया था।

सुबह भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा-अर्चना और अभिषेक किया गया। रात 9 बजे से भजन-कीर्तन का भव्य कार्यक्रम शुरू हुआ, जिसमें शहर के जाने-माने भजन गायकों ने अपनी प्रस्तुति दी।

द्वारका दास ईनाणी, रामदेव बाबा कीर्तन मंडल, गोपाल रेणवा, अनिल पारीक और सागर शर्मा ने श्रीकृष्ण के मधुर भजन गाकर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की। हाथी दीनो, घोड़ा दीनो और दीनो पालकी, जय कन्हैया लाल की जैसे भजनों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा।

रात 12 बजे श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के बाद दही हांडी का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। भजनों के बाद श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की गई और सभी भक्तों में प्रसाद व तीर्थ वितरित किया गया।

इस दौरान, मारवाड़ी प्रगति समाज के अध्यक्ष श्याम सुंदर बल्दवा, सचिव प्रेम राज अग्रवाल और समाज के सभी सदस्य मौजूद थे। इस कार्यक्रम में पुरुष और महिलाओं सहित सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया।

जलाशय की क्षमता करीब पहुंचने पर येल्लमपल्ली परियोजना से पानी छोड़ा गया

जलस्तर नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए

मंचेरियाल, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्रीपदा येल्लमपल्ली परियोजना का जलस्तर करीब पहुंचने के कारण अधिकारियों ने पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। जलाशय में कदमम परियोजना और ऊपरी हिस्से में भारी बारिश के कारण लगातार जलप्रवाह बढ़ रहा था। इसे नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों ने 20 शिखर द्वार खोलकर 66,807 क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ा है।

शुरुआत में 10 द्वार खोलकर 13,007 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। जब जलप्रवाह 90,118 क्यूसेक से बढ़कर 2.15 लाख क्यूसेक हो गया, तो द्वारों की संख्या बढ़ाकर 20 कर दी गई।

वर्तमान में जलाशय में 17.7303 टीएमसी पानी मौजूद है, जबकि इसकी कुल क्षमता 20.175 टीएमसी है।

जलाशय का स्तर सुरक्षित सीमा के भीतर बनाए रखने के लिए यह कदम उठाए गए हैं। अधिकारियों का मानना है कि यदि बारिश नहीं रुकती है, तो जलस्तर को और भी नियंत्रित किया जाएगा।

कुलियों की समस्याओं का हल शीघ्र किया जाएगा : गद्दम विनोद

बेल्लमपल्ली, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली के विधायक गद्दाम विनोद ने तेलंगाना पोर्टर वर्कर्स यूनियन की संयुक्त आदिलाबाद जिला आम बैठक में हिस्सा लिया और आश्वासन दिया कि वह कुलियों की समस्याओं को हल करने के लिए काम करेंगे। यह बैठक अग्रवाल भवन में आयोजित की गई थी।

विधायक विनोद ने कहा कि वह कुलियों के संघ के नेताओं को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मिलवाएंगे, ताकि वे अपनी समस्याएँ सीधे उनके सामने रख सकें।

बैठक में तेलंगाना पोर्टर वर्कर्स यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष गुंती समाजम ने कुलियों के लिए कई महत्वपूर्ण माँगें रखीं। उन्होंने कहा कि एक कुली कल्याण बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए।

असंगठित श्रमिकों की तरह ही उनके लिए पीएफ (PF) और ईएसआई (एडख) लागू किया जाए।

दुर्घटना बीमा और स्वास्थ्य बीमा की सुविधा दी जाए।

समान काम के लिए समान वेतन का सिद्धांत लागू किया जाए।

समाजम ने कुलियों से अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर लड़ने का भी आह्वान किया।बैठक से पहले, कुलियों ने बाजार क्षेत्र से शहर की मुख्य सड़कों तक एक विशाल रैली निकाली। इस आयोजन में संघ के संयुक्त जिला अध्यक्ष गेली राजलिंगु, निर्वाचन क्षेत्र के अध्यक्ष, अन्य कुली और कांग्रेस पार्टी के नेता भी मौजूद थे।

मारवाड़ी युवा मंच ने मनाई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

बच्चों ने किया मनमोहक प्रदर्शन

फ़ोटो : मारवाड़ी युवा मंच 1,2

मंचेरियाल, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच की मंचेरियाल शाखा ने शनिवार को श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर एक विशेष फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया। 15 साल तक के बच्चों के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता का विषय 'श्रीकृष्ण की लीलाएँ' था। बच्चों ने भगवान कृष्ण के विभिन्न रूपों में सजकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को उनकी शानदार प्रस्तुति के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में जज के रूप में डॉ. सुधा सना, देवरशेट्टी हेमा और नागी लक्ष्मी रेड्डी को आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की।इस आयोजन में मारवाड़ी प्रगति समाज के अध्यक्ष श्याम सुंदर बल्दवा और मारवाड़ी महिला मंडल की अध्यक्षा संतोष बल्दवा सहित समाज के कई सदस्यों ने भाग लिया। मंच के अध्यक्ष भरत लड्ढा ने सभी उपस्थित लोगों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी। उन्होंने उन सभी माताओं का विशेष धन्यवाद किया, जिन्होंने अपने बच्चों को इतनी खूबसूरती से तैयार करके इस कार्यक्रम को सफल बनाया।कार्यक्रम में मंच के मंत्री आनंद झंवर, कोषाध्यक्ष अमित केडिया और अन्य सदस्य भी मौजूद थे। यह आयोजन बच्चों और बड़ों, दोनों के लिए यादगार बन गया।

भारत की सॉवरेन रेटिंग के बाद 10 प्रमुख वित्तीय संस्थानों की रेटिंग भी बढ़ी

नई दिल्ली,17 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में सुधार के एक दिन बाद ही एजेंसी ने भारत के 10 प्रमुख वित्तीय संस्थानों की रेटिंग में भी सुधार किया है। इसमें एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक शामिल हैं। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, टाटा कैपिटल और एलएंडटी फाइनेंस जैसी वित्तीय कंपनियों की भी रेटिंग बढ़ाई गई है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, बेहतर वित्तीय प्रणाली और खराब कर्जों की वसूली में सुधार से इन संस्थानों की स्थिति मजबूत हुई है। एजेंसी को भरोसा है कि ये संस्थान देश की घरेलू मांग और निवेश वृद्धि का पूरा लाभ उठाएंगे। रेटिंग अपग्रेड की खबर से वित्तीय बाजारों में भी सकारात्मक असर पड़ा। भारत के 10 साल के बॉन्ड यील्ड में दो महीने की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई, और यह 6.38 फीसदी तक पहुंचा। वहीं, रुपया भी थोड़ा मजबूत होकर 87.56 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

भारत के 10 साल के बॉन्ड यील्ड में दो महीने की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई

जीएसटी सुधार और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की दिशा

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह देखी गई तेजी के बाद इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें मुख्य रूप से केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित जीएसटी सुधारों और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर टिकी रहेंगी। अनुमान है कि सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कुछ अहम बदलावों की घोषणा कर सकती है, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बन सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा जीएसटी प्रणाली को और अधिक पारदर्शी और सरल बनाने की दिशा में बड़े कदम उठाए जा सकते हैं। इससे व्यापारियों और कंपनियों को कर अनुपालन में राहत मिलने की संभावना है। विशेष रूप से उपभोक्ता वस्तुओं, ऑटोमोबाइल, और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। हालांकि, निवेशक सुधारों की प्रकृति और विस्तार से जानकारी मिलने तक सतर्क रुख अपना सकते हैं। यदि सुधार व्यावहारिक और दूरगामी हुए, तो बाजार में और तेजी देखने को मिल सकती है। कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव, डॉलर-रुपया विनिमय दर निवेशकों की रणनीति प्रभावित कर सकते हैं इसी बीच वैश्विक कारक भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगे। अमेरिका और चीन की आर्थिक स्थिति, फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, और डॉलर-रुपया विनिमय दर जैसे कारक निवेशकों की रणनीति को प्रभावित कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एयर कनाडा में पहली बड़ी फ्लाइट अटेंडेंट हड़ताल, 623 से अधिक उड़ानें रद्द

मुंबई। कनाडा की सबसे बड़ी एयरलाइन एयर कनाडा 1985 के बाद पहली और सबसे बड़ी फ्लाइट अटेंडेंट हड़ताल का सामना कर रही है। करीब 10,000 केबिन क्रू ने हड़ताल शुरू कर दी है, जिससे 623 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गई हैं और 1 लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए हैं। टोरंटो, मॉन्ट्रियल और वैंकूवर जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर यात्रियों को लंबी लाइनों और अफरा-तफरी का सामना करना पड़ रहा है। फ्लाइट अटेंडेंट्स की सबसे बड़ी मांग 'अनपेड वर्क' यानी बिना भुगतान के किए गए काम के लिए वेतन प्राप्त करना है। वर्तमान में एयर कनाडा कर्मचारियों को केवल विमान उड़ान के दौरान भुगतान करता है। लेकिन बोर्डिंग, सुरक्षा जांच और दो उड़ानों के बीच जमीन पर इंतजार का समय वेतन में शामिल नहीं है। फ्लाइट अटेंडेंट्स चाहते हैं कि वे काम किए गए हर घंटे का भुगतान पाएं, चाहे वह समय विमान में हो या जमीन पर। इसके अलावा वेतन वृद्धि की भी मांग की जा रही है, लेकिन अनपेड वर्क का मुद्दा सबसे अहम है। कनाडा की नौकरी और परिवार मंत्री एयरलाइन और यूनियन के बीच वार्ता कर समझौते का प्रयास किया, लेकिन दोनों पक्षों में सहमति नहीं बन पाई। एयरलाइन ने 'बाइंडिंग आर्बिट्रेशन' लागू करने का सुझाव दिया, जिसमें मध्यस्थ का फैसला अंतिम माना जाएगा और हड़ताल रोक दी जाएगी। यूनियन ने इसे हड़ताल के अधिकार का उल्लंघन बताया और इसे स्वीकार नहीं किया।

डिविडेंड वीकः अगले हफ्ते 90 कंपनियों से निवेशकों को मिलेगा लाभ

मुंबई। शेयर बाजार में डिविडेंड का माहौल गर्म है। 18 अगस्त से 22 अगस्त के बीच निवेशकों के लिए एक सुनहरा मौका आने वाला है, जब करीब 90 कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड (लाभांश) देने जा रही हैं। इसमें दिग्गज ए-ग्रुप कंपनियों से लेकर मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियां भी शामिल हैं। डिविडेंड वीक की शुरुआत 18 अगस्त को होगी। इस दिन आरती इंडस्ट्रीज, ब्राइट ब्रदर्स, जेके पेपर और पावर फाइनेंस कारपोरेशन जैसे नाम डिविडेंड देंगे। 19 अगस्त को अपोलो हॉस्पिटल्स, नेटको फार्मा और पावर ग्रिड कारपोरेशन जैसे जैसे दिग्गज कंपनियों की बारी होगी। 20 अगस्त को मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में हलचल देखने को मिलेगी। इस दिन भंसाली इंजीनियरिंग, सेन्को गोल्ड आ ैर सुखजीत स्टार्च जैसे शेयर चर्चा में रहेंगे। 21 अगस्त को कोल इंडिया, हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स और रिलेक्सो फुटवियर जैसी बड़ी कंपनियां अपने निवेशकों को इनाम देंगी। डिविडेंड वीक का सबसे खास दिन 22 अगस्त रहेगा। इस दिन एलआईसी हाउसिंग फायनेंस, जिंदल स्टील, प्रोक्टर एंड गैम्बल समेत सबसे ज्यादा कंपनियां डिविडेंड बांटेंगी।

कम्प्यूटर बाइक 'हीरो ग्लैमर' को होगी नए रूप में पेश

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय कम्प्यूटर बाइक 'हीरो ग्लैमर' को हीरो मोटोकॉर्प कंपनी नए रूप में पेश करने जा रही है।कंपनी हीरो मोटोकार्प ने लॉन्च से पहले इसका आधिकारिक टीज़र जारी कर दिया गया है। बाइक में सबसे बड़ा आकर्षण है क्रूज़ कंट्रोल टेक्नोलॉजी, जो अब तक केवल कारों या हाई-एंड बाइक्स में देखने को मिलती थी। यह फीचर कम्प्यूटर बाइक सेगमेंट में पहली बार शामिल किया जा रहा है, जिससे नई ग्लैमर अपने वर्ग में अलग पहचान बना सकती है। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में इस बाइक को टेस्टिंग के दौरान सड़कों पर देखा गया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। तस्वीरों से पता चलता है कि हैंडलबार पर इग्निशन बटन के नीचे, दाईं ओर क्रूज़ कंट्रोल के लिए अलग टॉगल स्विच दिया गया है। बाईं ओर के स्विचगियर का डिजाइन भी बदला गया है और इसमें एलसीडी इंस्ट्रूमेंट पैनल को नियंत्रित करने के लिए विशेष नेविगेशन बटन मौजूद हैं। क्रूज़ कंट्रोल की मदद से राइडर बिना लगातार थ्रॉटल घुमाए तय की गई रफ्तार पर बाइक को चला सकता है, जिससे खासकर लंबी हाईवे राइडिंग में थकान काफी कम होती है। इसके अलावा नई ग्लैमर में पारंपरिक टेलिस्कोपिक फोर्क्स, साड़ी गार्ड, पूरी तरह बंद चेन कवर, सिंगल पीस सीट और मजबूत रियर ग्रैब रेल जैसे भरोसेमंद फीचर्स भी दिए गए हैं। तकनीकी दृष्टि से यह कदम भारतीय कम्प्यूटर बाइक मार्केट में एक नया ट्रेंड शुरू कर सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भाजपा की साजिश...

हम गरीबों के वोट की चोरी नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा, मैं इस मंच से आपको बता रहा हूं कि पूरे देश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव चुराए जा रहे हैं। भाजपा की ताजा साजिश बिहार में एसआईआर कराने और बिहार के चुनाव भी चुराने की है। हम सब इस मंच पर आपको यह बताने आए हैं कि हम उन्हें यह चुनाव नहीं चुराने देंगे।

सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, हम सबसे पहले राहुल गांधी को बिहार से वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत करने के लिए धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान ने देश के गरीब से गरीब और ताकतवर से ताकतवर व्यक्ति को भी एक वोट देने का अधिकार दिया है, लेकिन भाजपा चुनाव आयोग के माध्यम से इस अधिकार को छीनना चाहती है। चुनाव आयोग यह जान ले कि बिहार लोकतंत्र की जननी है और महागठबंधन लोकतंत्र को समाप्त नहीं होने देगा।

हलफनामा दें या...

सुधारने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए चुनाव आयोग ने बिहार से विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत की। एसआईआर की प्रक्रिया में सभी मतदाताओं, बूथ स्तर के अधिकारियों और सभी राजनीतिक दलों द्वारा नामित 1.6 लाख बीएलए ने मिलकर एक मसौदा सूची तैयार की है। लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया में एक करोड़ से ज्यादा कर्मचारी, 10 लाख से ज्यादा बूथ लेवल एजेंट, उम्मीदवारों के 20 लाख से ज्यादा पोलिंग एजेंट काम करते हैं। इतने सारे लोगों के सामने इतनी पारदर्शी प्रक्रिया में क्या कोई मतदाता वोट चुरा सकता है?

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि बिहार में मसौदा सूची जब से तैयार की जा रही थी, तभी से इसे सभी राजनीतिक दलों के बीएलए से हस्ताक्षर करा सत्यापित कराया गया। इसमें आने वाली त्रुटि को ठीक करने के लिए सभी राजनीतिक दल और मतदाता अहम योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर में त्रुटि हटाने के लिए अभी भी 15 दिनों का समय बाकी है। हम सभी दलों और बीएलए से अपील करते हैं कि आने वाले 15 दिनों में सूची में त्रुटि को फॉर्म भरकर बताएं। जमीनी स्तर पर सभी बीएलओ, बीएलए और मतदाता मिलकर काम कर रहे हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, चुनाव आयोग के दरवाजे सभी के लिए समान रूप से सदैव खुले हैं। जमीनी स्तर पर सभी मतदाता, सभी राजनीतिक दल और सभी बूथ स्तरीय अधिकारी मिलकर पारदर्शी तरीके से काम कर रहे हैं। सत्यापन कर रहे हैं। हस्ताक्षर कर रहे हैं। वीडियो प्रशंसापत्र भी दे रहे हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है कि राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों और उनकी ओर से नामित बीएलओ के ये सत्यापित दस्तावेज, प्रशंसापत्र या तो उनके अपने राज्य स्तरीय या राष्ट्रीय स्तर के नेताओं तक नहीं पहुंच रहे हैं या फिर जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करके भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। सच्चाई यह है कि कदम दर कदम सभी पक्ष बिहार के एसआईआर को पूर्ण रूप से सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध, प्रयासरत और मेहनत कर रहे हैं। जब बिहार के सात करोड़ से अधिक मतदाता चुनाव आयोग के साथ खड़े हैं, तो न तो चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर और न ही मतदाताओं की विश्वसनीयता पर कोई प्रश्नचिन्ह लगाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने शपथपत्र पर अगर सही समय पर त्रुटि हटाने का आवेदन नहीं दिया और वोट चोरी जैसे गलत शब्दों के इस्तेमाल पर जनता के समक्ष खेद जाहिर नहीं किया तो यह गलत होगा और यह संविधान का सीधा अपमान होगा। ऐसे बेबुनियाद आरोपों पर जब उनसे सबूत मांगे गए तो कोई जवाब नहीं दिया। मतदाताओं के तस्वीरों का इस्तेमाल बिना उनकी इजाजत के किया गया, यह लोकतंत्र का अपमान नहीं तो और क्या है। ऐसे बेबुनियाद आरोपों से चुनाव आयोग डरने वाला नहीं है। ज्ञानेश कुमार ने कहा, रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से नतीजे घोषित करने के बाद भी कानून में यह प्रावधान है कि 45 दिनों की अवधि के भीतर राजनीतिक दल कोर्ट जाकर चुनाव को चुनौती देने के लिए चुनाव याचिका दायर कर सकते हैं। इस 45 दिनों की अवधि के बाद इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाना, चाहे वह केरल हो, कर्नाटक हो या बिहार। जब चुनाव के बाद की वह 45 दिन की अवधि समाप्त हो जाती है और उस अवधि के दौरान किसी भी उम्मीदवार या राजनीतिक दल को कोई अनियमितता नहीं मिलती है, तो आज इतने दिनों के बाद देश के मतदाता और जनता ऐसे बेबुनियाद आरोप लगाने के पीछे की मंशा समझ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जहां तक मशीन-पठनीय मतदाता सूची का सवाल है तो सुप्रीम कोर्ट 2019 में ही कह चुका है कि यह मतदाता की निजता का उल्लंघन हो सकता है। हमें मशीन-पठनीय मतदाता सूची और खोज योग्य मतदाता सूची के बीच के अंतर को समझना होगा। आप चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मतदाता सूची को एपिक नंबर डालकर खोज सकते हैं। इसे डाउनलोड भी कर सकते हैं। इसे मशीन-पठनीय नहीं कहा जाता। मशीन-पठनीय के संबंध में 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विषय का गहन अध्ययन किया और पाया कि मशीन-पठनीय मतदाता सूची देने से मतदाता की निजता का उल्लंघन हो सकता है। मशीन-पठनीय मतदाता सूची प्रतिबंधित है। चुनाव आयोग का यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद और 2019 का है।

हमें जनता का ...

रहे थे। भाजपा ने अथक प्रयास करके इसे बाहर निकाला है। ये संयोग भी पहली बार बना है कि दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, राजस्थान और पूर्वोत्तर राज्यों में चारों तरफ भाजपा की सरकार है। यह दिखाता है कि इस पूरे क्षेत्र के लोगों का कितना आशीर्वाद भाजपा को और हम सभी को मिला है। इसलिए हम अपना दायित्व समझकर विकास में जुटे हैं। हालांकि, कुछ राजनीतिक दल हैं, जो जनता के इस आशीर्वाद को अभी भी पचा नहीं पा रहे हैं। वो जनता के विश्वास और जमीनी सच्चाई दोनों से बहुत कट चुके हैं।

उन्होंने कहा, दिल्ली में हमारे जो स्वच्छता मित्र हैं, वो सभी बहुत बड़ा दायित्व निभाते हैं, लेकिन पहले की सरकारों ने इन्हें भी जैसे अपना गुलाम समझ रखा था। ये जो लोग सिर पर संविधान रखकर नाचते हैं, ये संविधान को कैसे कुचलते थे, ये बाबा साहेब की भावनाओं को कैसे दगा देते थे, आज मैं वो सच्चाई आपको बता रहा हूं।

यह झूठ की...

राहुल गांधी जो कहानी गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, वह झूठ की बुनियाद पर खड़ी है। इस लिहाज से बिहार की जनता जानती है कि यह मुख्य रूप से राज्य में कांग्रेस की खोई जमीन वापस पाने की यात्रा है। यह एक ऐसी यात्रा है जिसके बारे में हर एक व्यक्ति जानता है। यह यात्रा राजनीतिक फायदे के लिए की जा रही है। इसका जनता से कोई सरोकार नहीं है।

हम भारत के...

इस दौरान मैंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में हुए महत्वपूर्ण बदलावों को देखा। अब मैं पिछले 10 वर्षों में हुए और भी अच्छे बदलावों को देख रहा हूं। इसलिए मुझे यहां वापस आकर और अपने दोस्तों से मिलकर बहुत खुशी हो रही है।

चो ह्यून ने याद किया कि जब उन्होंने राजदूत के रूप में कार्य किया था, तब उनकी मुलाकात एस जयशंकर से हुई थी, जो 2015-18 तक विदेश सचिव के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के तरीकों की खोज की। उन्होंने कहा, यह एक अच्छी बैठक थी। जब मैं यहां था और वह विदेश सचिव थे, तब मैं उनसे मिलता था। चो ह्यून ने कहा, आज हमने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और अपने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। साथ ही हमारे देशों के सामने मौजूद भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक चुनौतियों के समाधान पर भी चर्चा की।

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, मैं 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की दक्षिण कोरिया की ओर से निंदा के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं। इस तथ्य के लिए भी कि जब हमारा संसदीय प्रतिनिधिमंडल सियोल गया, तो वहां उनकी बहुत अच्छी बैठकें हुईं, आपने स्वयं उनसे मुलाकात की, यह ऐसी बात है जिसकी हम तहेदिल से सराहना करते हैं।

दक्षिण कोरियाई नेता के साथ बैठक के दौरान जयशंकर ने कहा, ऐसा कम ही होता है कि आपको किसी पुराने मित्र का नए सहयोगी के रूप में स्वागत करने का अवसर मिले। इसलिए भारत में आपका फिर से स्वागत करना मेरे लिए विशेष सम्मान की बात है। कृपया अपनी नियुक्ति पर मेरी बधाई स्वीकार करें। आपको इस पद पर आए हुए मुश्किल से एक महीना ही हुआ है। यह तथ्य कि आप अपने राष्ट्रीय दिवस और हमारे राष्ट्रीय दिवस के ठीक एक दिन बाद यहां हैं, इस रिश्ते को हमारी ओर से दिए जाने वाले महत्व के बारे में बहुत कुछ कहता है। उन्होंने कहा, मैं इस अवसर पर आपको कोरिया के राष्ट्रीय मुक्ति दिवस की शुभकामनाएं भी देता हूं। मुझे लगता है कि आपकी यात्रा कई मायनों में एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय पर हो रही है। यह हमारी विशेष रणनीतिक साझेदारी की 10वीं वर्षगांठ है। मुझे कनाडा के कनानसकिस में आपके राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री के साथ रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था।

सीमा समस्या के...

इस दौरान वे भारत की ओर से विशेष प्रतिनिधि अजीत डोभाल के साथ भारत-चीन सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों की 24वीं दौर की वार्ता करेंगे। यह यात्रा भारत सरकार के निमंत्रण पर हो रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह वार्ता भारत-चीन सीमा मसले पर चल रही जटिलताओं के समाधान और परस्पर विश्वास बहाली के लिए एक अहम अवसर है। दोनों देशों के शीर्ष प्रतिनिधियों के बीच यह संवाद ऐसे समय हो रहा है जब क्षेत्रीय स्थिरता और आपसी सहयोग की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है।

सुभाष चंद्र बोस ...

सुभाष चंद्र बोस सिर्फ एक किताब का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि एक स्थायी राष्ट्रीय नायक हैं। केरल सरकार को इस बात का जवाब देना होगा कि किताब का यह अध्याय एक चूक थी या जानबूझकर किया गया प्रयास? महान स्वतंत्रता सेनानी के प्रति इस तरह के शब्द और तथ्यों से छेड़छाड़ को त्रुटि या चूक कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। पाठ्यपुस्तक तैयार करते समय सावधानी बरती जाती है। इन्हें कई स्तरों पर जांचा जाता है। लोगों का कहना है कि सीपीआई-एम के नेतृत्व वाली केरल सरकार और उसकी एजेंसियां का यह एक प्रयोग लगता है। उन्होंने यह टटोलने की कोशिश की है कि इस तरह के ऐतिहासिक विकृतियों पर समाज कैसे प्रतिक्रिया देता है।

जानकारों का कहना है कि वामपंथियों का नेताजी के प्रति दुराग्रह नया नहीं है। वे नेताजी सुभाष चंद्र बोस के लिए अपमानजक कार्टून अपने मुखपत्रों में छापते थे। 1940 में कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा प्रकाशित अंग्रेजी पुस्तिका बेनकाब दल व राजनीति में नेताजी को अंधा मसीहा कहा गया। फिर उनके कामों को कहा गया, सिद्धांतहीन अवसरवाद, जिसकी मिसाल मिलनी कठिन है। धीरे-धीरे नेताजी के प्रति कम्युनिस्ट शब्दावली हिंसक और गाली-गलौज से भरती गई। जैसे, काला गिरोह, गद्दार बोस, दुश्मन के जरखरीद एजेंट, तोजो (जापानी तानाशाह) और हिटलर के अगुआ दस्ते, राजनीतिक कीड़े, सड़ा हुआ अंग जिसे काटकर फेंकना है,आदि। ये सब विशेषण सुभाष बोस और उनकी सेना आई.एन.ए.(इंडियन नेशनल आर्मी) के लिए थे। तब कम्युनिस्ट मुखपत्रों, पत्रिकाओं में नेताजी के कई कार्टून छपे थे, जिससे कम्युनिस्टों की घोर अंधविश्वासी मानसिकता की झलक मिलती है (उन पर सधी नजर रखने वाले इतिहासकार स्व.सीताराम गोयल के सौजन्य से वे कार्टून उपलब्ध हैं)। अधिकांश कार्टूनों में सुभाष बाबू को जापानी, जर्मन फासिस्टों का कुत्ते या बिल्ली जैसा दिखाया गया है, जिससे उसका मालिक जैसे चाहे खेलता है। एक कार्टून में बोस को तोजो का मुखौटा, तो अन्य में भारतवासियों पर जापानी बम गिराने वाला दिखाया गया है।

सीपी राधाकृष्णन...

राधाकृष्णन भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जनसंघ से की। वे 1998 और 1999 में कोयम्बटूर से लोकसभा सांसद चुने गए और 2003 से 2006 तक तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष रहे।

राधाकृष्णन ने अपने राजनीतिक करियर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभाईं। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने 93 दिन की रथ यात्रा निकाली, जिसका उद्देश्य नदियों को आपस में जोड़ना, आतंकवाद के खिलाफ जागरूकता फैलाना और अस्पृश्यता उन्मूलन था। संसद में वे वस्त्र उद्योग पर स्थायी समिति के अध्यक्ष रहे और कई वित्तीय व सार्वजनिक उपक्रमों से जुड़ी समितियों में सक्रिय भूमिका निभाई।

राधाकृष्णन ने अपने राजनीतिक और सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज में बदलाव लाने का प्रयास किया है। उनकी रथ यात्रा और सामाजिक जागरूकता अभियानों ने तमिलनाडु में भाजपा की स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में पार्टी ने सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर सक्रियता दिखाई।

एनडीए के इस फैसले के बाद उपराष्ट्रपति चुनाव में राधाकृष्णन की उम्मीदवारी को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि विपक्ष इस घोषणा पर किस तरह प्रतिक्रिया देता है।

भारत ही नहीं...

ट्रंप ने कहा था, भारत न केवल भारी मात्रा में रूस से तेल खरीद रहा है, बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊंचे दामों पर बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। भारत को इस बात की कोई परवाह नहीं है कि रूस के कारण यूक्रेन में कितने लोगों की जान जा रही है। इस वजह से मैं भारत से आने वाले सामानों पर अधिक टैरिफ लगाऊंगा।

भारत ने ट्रंप के इस बयान के बाद ही अमेरिका को आईना दिखा दिया था। भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया था कि अमेरिका भी रूस से परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम हेक्स-फ्लोराइड, ईवी उद्योग के लिए पैलेडियम के साथ उर्वरक और रसायन आयात करता है। लिहाजा, भारत को निशाना बनाना न केवल अनुचित है, बल्कि अवांछित भी है। भारत हर बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह अपने राष्ट्रीय हित और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। भारत ने यूरोप और रूस के बीच हो रहे व्यापार की भी पोल खोल दी थी।

भारत के इस बयान के बाद जब ट्रंप से यह पूछा गया कि क्या अमेरिका, रूस से रसायन और उर्वरक आयात करता है तो उन्होंने इसकी जानकारी होने से ही इन्कार कर दिया था। उन्होंने कहा था, मुझे इस बारे में कुछ नहीं पता। हमें इसकी जांच करनी होगी। भारत द्वारा कलई खोलने से भन्नाए ट्रंप ने इसके कुछ समय बाद ही भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी थी। इससे पहले 30 जुलाई को वह 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके थे। यानि, भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया था। अमेरिकी सरकार के कार्यकारी आदेश में अतिरिक्त टैरिफ की वजह वही बताई गई कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है। अब पुतिन ने दुनिया के सामने अमेरिकी नकाब उतार कर ट्रंप की सारी हकीकत उजागर कर दी है। अब देखना है कि जब ट्रंप से व्यापार बढ़ने को लेकर सवाल पूछा जाएगा तो वो यह कहते हैं कि उन्हें जानकारी नहीं है, या जानकारी है। इन दोनों जवाब से ट्रंप की फजीहत होनी तय है।

दिल्ली पहुंचे ...

मौजूद शुभांशु की पत्नी कामना शुक्ला का स्वागत किया।

बताया जा रहा है कि शुभांशु शुक्ला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। इसके बाद वह लखनऊ जाएंगे। शुभांशु के साथ भारत के गगनयान मिशन के लिए चुने गए एक और अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर भी भारत लौटे। वह आईएसएस मिशन के लिए भारत के बैकअप अंतरिक्ष यात्री थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 18 अगस्त, 2025

गोवत्स फाउण्डेशन
हैदराबाद
(Reg. No. 224/2013)
निराश्रित गोवंश, गोशालाओं में आपकी
नित्य सेवा का इंतज़ार कर रहा है
आपका छोटा सा सहयोग
गौशालाओ में रह रहे गोवंश का
कष्ट दूर करने में सहायक होगा
नित्य गोसेवा करें...
Scan for Donation
जय गो माता – जय गोपाल
सीए मुरली मनोहर पलोड़ 9849467807
ओमप्रकाश अग्रवाल 9246532277

श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट का श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में महिन्द्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन-वंदन का लाभ लिया। इस अवसर पर गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह, एसीपी गोपालपुराम, कैंटोनमेंट विधायक गणेश, मोंडा मार्केट पार्षद के. दीपिका, नारायण गुप्ता, हितेश सराफ, राजेश गोयल एवं अन्य मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

पहाड़ी श्याम मंदिर को जन्माष्टमी पर अत्यंत भव्य रूप से सजाया गया। सुबह से ही भक्तों ने कतारबद्ध होकर दर्शन का लाभ लिया। भक्तों ने लड्डू गोपाल की श्रृंगारिक झांकी के दर्शन, अलौकिक श्रृंगार के दर्शन, भव्य दरबार के दर्शन का आनंद लिया। कार्यक्रम में श्याम दिवाने क्षारा आयोजित भजन संध्या में विशेष रूप से कोलकाता से विवेक शर्मा, हैदराबाद से पंकज ओझा ने श्याम बाबा के मधुर भजनों से सभी को भाव विभोर किया।

भक्तों ने देर रात तक भजनों एवं लड्डू गोपाल के दर्शन का लाभ लिया। देव म्यूजिकल ग्रुप, दिल्ली ने भव्य संगीत प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर पहाड़ी श्याम मंदिर के चेयरमैन अरुण डकोटिया ने अतिथियों का सम्मान किया। अशोक सिंघानिया, विजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अक्षय डकोटिया, ब्रिजेश मोदी, राहुल अग्रवाल एवं सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने श्याम बाबा के दर्शन किये।

कार्यक्रम में मुख्य सेवाएँ झाबरमल बाबुलाल डाकोतिया परिवार, अत्तापुर द्वारा दी गई । ड्राईफ्रुट भोग सेवा बाबुलाल सुभाषचन्द अग्रवाल परिवार द्वारा, फ्रुट्स सेवा महेन्द्र अग्रवाल (जगदम्बा पर्ल्स) द्वारा, खिलौनौं की सेवा मदन ठाकुर परिवार सिकन्दराबाद द्वारा, बाबा के भोग की सेवा मनीष बंसल परिवार कोमपल्ली द्वारा एवं श्रृंगार सेवा श्रीकिशन अमर टिबडेवाल परिवार बंजारा हिल्स, राजाप्रसाद मनोजकुमार अग्रवाल परिवार बंजारा हिल्स, मेसर्स राधे ज्वेल्स सिंगूर कोलकाता, अशोक कुमार जैन परिवार जयपुर, राजस्थान, श्री तामा मण्डल, देव्यानी मण्डल, सिंगूर, कोलकाता तथा श्रीगोपाल जालान परिवार सूरत द्वारा दी गई।

श्रीमद् भागवत कथा : राघवाचार्य जी महाराज ने गजेंद्र मोक्ष और श्री कृष्ण जन्मोत्सव की महिमा बताई

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । हिमायनगर स्थित होटल प्लैटिनम में मधुसूदन-ललिता मोदानी परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन रविवार को भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रख्यात कथावाचक पं. राघवाचार्य जी महाराज ने भक्तों को गजेंद्र मोक्ष, समुद्र मन्थन, श्री राम जन्मोत्सव और श्री कृष्ण जन्मोत्सव (नंदोत्सव) की कथाओं का रसपान करवाया। विशेष रूप से उन्होंने श्री कृष्ण जन्मोत्सव के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला, जिसने श्रोताओं के मन को भक्ति रस से सराबोर कर दिया।

पं. राघवाचार्य जी महाराज ने अपनी ओजस्वी वाणी में श्रीमद् भागवत पुराण की कथाओं को जीवंत करते हुए भक्तों को भगवान विष्णु और श्री कृष्ण की लीलाओं से जोड़ा। उन्होंने गजेंद्र मोक्ष की कथा सुनाते हुए बताया कि जब गजेंद्र ने संकट के समय भगवान विष्णु को सच्चे मन से पुकारा, तब भगवान ने तुरंत उनकी रक्षा की। यह कथा भक्तों को यह संदेश देती है कि सच्ची भक्ति और समर्पण से भगवान अपने भक्तों के दुखों को हर लेते हैं।

इसके पश्चात, समुद्र मन्थन की कथा का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र का मन्थन किया। इस कथा के माध्यम से उन्होंने जीवन में संतुलन और सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा समुद्र मन्थन हमें सिखाता है कि जीवन में सुख और दुख, दोनों एक साथ आते हैं। भगवान शिव ने विष को ग्रहण कर और भगवान विष्णु ने कच्छप अवतार में सहायता कर संसार को कल्याण का मार्ग दिखाया।

श्री राम जन्मोत्सव की कथा में राघवाचार्य जी ने भगवान राम के जन्म की महिमा और उनके आदर्श जीवन के बारे में बताया, जो मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं।

चौथे दिन की कथा का मुख्य आकर्षण श्री कृष्ण जन्मोत्सव (नंदोत्सव) रहा। राघवाचार्य जी ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि भगवान कृष्ण का जन्म न केवल कंस के अत्याचारों से मुक्ति का प्रतीक है, बल्कि यह भक्तों के लिए प्रेम, भक्ति, और आनंद का उत्सव भी है। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण का जन्मोत्सव हमें सिखाता है कि जीवन में कितने भी संकट हों, भगवान का नाम और उनकी भक्ति हर बाधा को दूर कर सकती है। नंदोत्सव वह आनंद है, जो भक्त के हृदय में भगवान के प्रति प्रेम को जागृत करता है।

पं. राघवाचार्य जी ने श्री कृष्ण जन्मोत्सव के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत पुराण में वर्णित श्री कृष्ण की लीलाएँ केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि जीवन को नैतिकता, प्रेम, और धर्म के मार्ग पर चलाने के लिए हैं। उन्होंने भक्तों से आह्वान किया कि वे हरे कृष्ण हरे राम मंत्र का जप करें और अपने जीवन में भगवान कृष्ण के गुणों को आत्मसात करें।

उन्होंने यह भी बताया कि श्री कृष्ण जन्मोत्सव का पर्व भक्तों को यह संदेश देता है कि भगवान सदा अपने भक्तों के साथ हैं, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी विपरीत हों। नंदोत्सव के उत्साह को दर्शाते हुए उन्होंने भक्तों को प्रेरित किया कि वे अपने जीवन में भगवान के प्रति श्रद्धा और उत्साह बनाए रखें।

चौथे दिन की कथा में होटल प्लैटिनम का सभागार भक्तों से खचाखच भरा हुआ था।

हजारों की संख्या में उपस्थित श्रोताओं ने कथा का रसपान किया और राधे-राधे व हरि बोल के जयघोष के साथ अपनी भक्ति को व्यक्त किया। कथा स्थल को भव्य रूप से सजाया गया था, और माहौल भक्ति रस से ओतप्रोत था।

इस अवसर पर मधुसूदन मोदानी, ललिता मोदानी और उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

माँ दुर्गा की कृपा चैरिटेबल ट्रस्ट ने ज़रूरतमंदों को बांटी भोजन सामग्री

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। माँ दुर्गा की कृपा चैरिटेबल ट्रस्ट ने अपनी मासिक सेवा के तहत मुरलीधर मंदिर, हाईकोर्ट परिसर में ज़रूरतमंद परिवारों को भोजन सामग्री के 30 किट वितरित किए। ट्रस्ट के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने इस आयोजन की जानकारी दी।

इस नेक कार्य को सफल बनाने में एम.आर. पर्ल्स के श्री मंगत राय और राम कुमार तथा राधेश्याम गुप्ता ने प्रायोजक के रूप में सहयोग दिया।प्रत्येक किट में ज़रूरत की सभी सामग्री शामिल थी, जैसे: सोना मसूरी चावल, आशीर्वाद आटा, उपमा रवा, तुवर की दाल, शक्कर, गोल्ड ड्राप तेल, चाय पत्ती, सभी आवश्यक मसाले,बर्तन धोने और नहाने की साबुन और टूथपेस्ट।

इस कार्यक्रम में प्रायोजक परिवार से श्रीमती यशोदा देवी, श्रीमती रजनी गुप्ता, रमेश कुमार गुप्ता, और श्रीमती ललिता गुप्ता शामिल हुए। इनके अलावा, ट्रस्ट के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, गोवर्धन लाल अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, नमिता अग्रवाल, नम्रता अग्रवाल, जैना सोलंकी, कैलाश अग्रवाल और गायत्री अग्रवाल भी उपस्थित थे।

गुमशुदा किशोर की तलाश

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

15 अगस्त, 2025 को सुबह 11 बजे घाँसी बाज़ार के हाई कोर्ट समीप से 14 वर्षीय किशोर ऋषि अग्रवाल संदिग्ध रूप से लापता हो गया है। माता पूनम अग्रवाल ने अपील की है कि यदि कोई भी उन्हें ऋषि का कहीं भी पता चले तो कृपया तुरंत संपर्क करें। उन्होंने कहा कि बेटा कहीं भी हो, एक बार फोन पर बात करें, आपको कोई कुछ भी नहीं बोलेंगे। संपर्क करें:+91 79-89836622.

प्रमोदकुमार कुलदीप व्यास परिवार द्वारा सीतारामबाग स्थित जगन्नाथ मठ माधवदास झिरा में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया।
इस धार्मिक आयोजन में श्री वैष्णव सत्संग मंडल, सुल्तान बाजार के सदस्यों ने अपनी प्रस्तुति दी। सुंदरकांड पाठ करने वालों में राधेश्याम दुर्गा राठी, गोपीकिशन इंदिरा बंग, गुलाबचंद जयश्री देवड़ा और ओमप्रकाश शारदा गुप्ता शामिल थे। इस अवसर पर जसमतभाई पटेल एवं अन्य उपस्थित थे।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 27^{0}
न्यूनतम : 22^{0}

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

कृष्ण उत्सव 2025 में बच्चों ने प्रस्तुत की श्रीकृष्ण की मनमोहक लीलाएँ

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। वाई डी आई इवेंट्स एंड वेडिंग्स द्वारा आयोजित कृष्ण उत्सव 2025 का कार्यक्रम कल यंग इंप्रूवमेंट हॉल, सुल्तान बाज़ार में धूमधाम से संपन्न हुआ। आयोजक यश जोशी के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपरा और स्वतंत्रता संग्राम के महत्व से जोड़ना था। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई, जिसने देशभक्ति और भक्ति का एक अद्भुत संगम प्रस्तुत किया।

इस उत्सव को एसबीआई द्वारा संचालित किया गया था, जबकि बीपीपी यूनिवर्सिटी इसके एसोसिएट पार्टनर थे। बीके टेक्सटाइल्स, हिमालय क्रॉकरी एंड गिफ्ट, नीड्स सिक्योरिटी सॉल्यूशंस, श्री वेंकटेश्वरा स्क्रीन्स और गोपाल बालदावा ग्रुप ने स्पॉन्सर के तौर पर सहयोग किया।

कार्यक्रम में बच्चों ने कृष्ण लीला, सांस्कृतिक नृत्य, फैशन शो और रैंप वॉक जैसी मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। इन रंगारंग प्रस्तुतियों का मूल्यांकन निर्णायक मंडल के सदस्य गार्गी शर्मा और संदीप जी ने किया।

इस प्रतियोगिता में 65 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया: जिसमें- सर्वश्रेष्ठ कृष्ण: ध्रुव जोशी, सर्वश्रेष्ठ राधा: यशिका शर्मा, सर्वश्रेष्ठ यशोदा-कृष्ण: योगिता पांडे एवं रुद्र पांडे, सर्वश्रेष्ठ एकल नृत्य: अनुषा शर्मा, नृत्य परामर्श पुरस्कार: बी. निकिता, सर्वश्रेष्ठ समूह नृत्य: किरणमयी समूह, सर्वश्रेष्ठ युगल नृत्य: नेता पांडे एवं योगिता पांडे शामिल हैं।

इसके अलावा, सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन के तौर पर सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मेंनरेंद्र कुमार गोयल और डॉ. अजय अग्रवाल मौजूद थे। विशेष अतिथियों में श्रीमती बीना मेहता, गोपाल बलदवा, अरुण डकोटिया सहित समाज के कई प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल थे।

कार्यक्रम के सफल संचालन का श्रेय अंचल जोशी और सोनिका शर्मा को जाता है। अंत में, आयोजक यश जोशी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में संस्कृति, परंपरा और एकता को और सशक्त बनाते हैं।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव का भव्य आयोजन

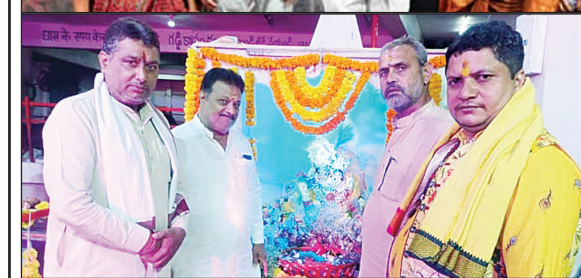

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंजारा हिल्स रोड नंबर 12, एनबीटी नगर स्थित श्री साईं बाबा मंदिर में श्री कृष्ण गौशाला के तत्वावधान में श्री कृष्ण जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जीएचएमसी महापौर गदवाल विजय लक्ष्मी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उनके संरक्षण में आयोजित इस समारोह में विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, और प्रधान पुजारी कुलदीप तिवारी सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।श्री कृष्ण जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया। कार्यक्रम में भक्ति भजनों, श्री कृष्ण लीला के मंचन और भगवान श्री कृष्ण की आरती के साथ उत्सव का माहौल बनाया गया। महापौर गदवाल विजय लक्ष्मी ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि श्री कृष्ण जन्मोत्सव हमें प्रेम, भक्ति और एकता का संदेश देता है। यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक एकता को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ और श्री कृष्ण गौशाला के प्रयासों की सराहना की, जो सामाजिक और धार्मिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय ने आयोजन की सफलता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी और प्रधान पुजारी कुलदीप तिवारी ने भक्तों के साथ मिलकर पूजा-अर्चना की और भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों और भक्तों की भारी भीड़ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

24वें यूसीएमएएस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का भव्य सम्मान समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश की सबसे बड़ी अबैकस और मानसिक अंकगणित प्रतियोगिता, 24वीं यूसीएमएएस राष्ट्रीय प्रतियोगिता, का भव्य सम्मान समारोह रविवार को गाचीबोवली स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में 6 से 13 साल की उम्र के 6000 से अधिक बच्चों ने भाग लिया, जिनमें से 1500 से ज़्यादा प्रतिभागियों को ट्रॉफियाँ देकर सम्मानित किया गया।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मुंबई के अमेय हरिदास मुंडे ने 'चैंपियन ऑफ चैंपियन' का सर्वोच्च पुरस्कार जीता। उन्हें यह पुरस्कार यूसीएमएएस इंडिया के सीईओ और अध्यक्ष डॉ. स्नेहल करिया और यूसीएमएएस इंटरनेशनल के कार्यकारी निदेशक डॉ. क्रिस चेव ने प्रदान किया।यह सम्मान समारोह बच्चों के लिए एक प्रेरणादायक पल था, जिसने उनकी कड़ी मेहनत और लगन को पहचान दी। इस तरह की प्रतियोगिताएँ बच्चों को गणित में तेज़ और सटीक बनने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

राष्ट्रीय कवि गोष्ठी का सफल आयोजन, कवियों ने भरी देशभक्ति की हुंकार

हैदराबाद, 16 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गीत चाँदनी के कार्यालय कवि भवन में 79वें स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रीय कवि गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर, पूर्व सैनिक श्री विद्या प्रकाश कुरील ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण किया।

गीत चाँदनी के 44वें वर्ष के इस विशेष कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि और उपाध्यक्ष डॉ. प्रभासचंद सिंह चंदर ने की, जबकि गोल्कोंडा दर्पण के संपादक गोविंद अक्षय ने मंच का सफल संचालन करते हुए स्वाधीनता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

कवियों ने अपनी प्रभावशाली कविताओं के माध्यम से राष्ट्र की सुरक्षा में कवियों की भूमिका और राष्ट्रीय भावनाओं को उजागर किया। कवि संतोष कुमार मिश्र 'माधुर्य' ने अपनी स्वरचित सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की।

काव्य पाठ करने वाले कवियों में सत्यनारायण काकड़ा, रत्नकला मिश्र, आरती कुमारी, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, ठाकुर दिनेश सिंह, डी. प्रेमराज, श्रीपूनम जोधपुरी, अशोक दोशी और अनुज कुमार तिवारी जैसे कई जाने-माने नाम शामिल थे। मुख्य अतिथि विद्या प्रकाश कुरील ने कहा कि कवियों की भूमिका राष्ट्र की सुरक्षा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, कवि अपनी रचनाओं से देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना जगाते हैं, समाज को एकजुट करते हैं और बेहतर राष्ट्र के निर्माण में सहायक होते हैं।

मुख्य वक्ता डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने रानी लक्ष्मीबाई जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया, जिन्होंने अपनी जान की बाज़ी लगाकर देश को आज़ादी दिलाई। उन्होंने कहा कि आज हम एक विकसित और विकासशील भारत के रूप में आगे बढ़ रहे हैं।

कवि उमेश चंद श्रीवास्तव ने भगत सिंह, राजगुरु, तात्या टोपे और सुभाष चंद्र बोस जैसे वीरों के त्याग को नमन किया। साहित्यकार ठाकुर दिनेश सिंह ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर को याद करते हुए कहा कि उनकी रचनाएँ आज भी लोगों को प्रेरित करती हैं।

अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. प्रभासचंद सिंह चंदर ने कहा, कवि अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गीत चाँदनी हर स्वतंत्रता दिवस पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करके समाज में एक महत्वपूर्ण कार्य कर रही है, जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

इस अवसर पर दीपांकर तिवारी, फतेहचंद मित्तल और के. श्रीहरि जैसे गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अंत में, कवयित्री रत्नकला मिश्र ने सभी कवियों और श्रोताओं का धन्यवाद किया।

अग्रवाल समाज, बंजारा सेंट्रल शाखा की कार्यकारिणी सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, बंजारा सेंट्रल शाखा की कार्यकारिणी सभा का आयोजन रविवार, 17 अगस्त को बंजाराहिल्स स्थित जिमखाना क्लब में किया गया। इस सभा में शाखा के आगामी कार्यक्रमों और गतिविधियों पर चर्चा की गई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, सभा की शुरुआत महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ हुई। शाखा अध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों का स्वागत और अभिनंदन किया।

शाखा के मंत्री मनीष अग्रवाल ने 25 अगस्त को आयोजित होने वाले 'सावन की सैर' कार्यक्रम की जानकारी दी, जो कि शमशाबाद के सिरीन रिसॉर्ट्स में होगा। कार्यक्रम संयोजक गोपाल दास अग्रवाल ने बताया कि सदस्य इस कार्यक्रम के लिए उत्साहपूर्वक अपना नाम पंजीकृत करा रहे हैं।सभा में बताया गया कि इस वर्ष सावन की सैर को और भी विस्तार दिया जा रहा है। सदस्यों के पास दिन भर के भ्रमण (डे आउटिंग) के अलावा रात्रि प्रवास का विकल्प भी होगा। रात्रि प्रवास में कराअ-ोके, संगीत और रात्रिभोज का भी आयोजन किया जाएगा। सदस्यों को सलाह दी गई है कि वे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अपना नाम संयोजक या मंत्री के पास जल्द से जल्द पंजीकृत करवा लें।

शाखा अध्यक्ष ने सभी सदस्य परिवारों से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इसे सफल बनाएँ।

कार्यकारिणी सभा मेंप्रमुख पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे, जिनमें उपायक्ष: सीए भरत अग्रवाल,केंद्रीय समिति सदस्य: नवल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष: जयदीप गुप्ता, कार्यकारी सदस्य: रवि अग्रवाल, धीरेंद्र बंसल, रमेश कुमार अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य: वेद प्रकाश अग्रवाल, आशुतोष नारेड्डी, घनश्याम दास अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुभाष केडिया, दिलीप अग्रवाल और विनय गुप्ता शामिल हैं।

राधे राधे ग्रुप ने गोगा नवमी पर किया अन्न सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि और श्री गोगा नवमी के पावन अवसर पर, राधे राधे ग्रुप ने पब्लिक गार्डन, पिलर -1265, नामपल्ली और बेगम बाजार गौशाला, पुल की माता के पास जरूरतमंदों के लिए 'नित्य अन्नप्रसाद सेवा' का आयोजन किया।

सुबह 7:01 बजे से यह सेवा दो स्थानों पर शुरू हुई। इस दौरान, बड़ी संख्या में लोगों को पौष्टिक नाश्ता कराया गया। ग्रुप के सदस्यों ने मिलकर इस नेक कार्य को सफल बनाया।इस अन्न सेवा में जगत नारायण अग्रवाल, राम प्रकाश गोयल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, वंश अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, नरेश बंसल, विनोद तोषनीवाल, पन्नालाल जी, पूजा सांघी, आशीष, किशन पाल और अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।इस तरह के सामाजिक और धार्मिक आयोजन समाज में सेवा और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देते हैं।

नारायण सेवा संस्थान के नि:शुल्क शिविर में 783 दिव्यांगों को मिला आत्मनिर्भर जीवन

851 कृत्रिम हाथ-पैर और कैलिपर्स लगाए गए

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। नारायण सेवा संस्थान ने मिनर्वा गार्डन्स, चंपापेट में नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में तेलंगाना, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 783 दिव्यांगजनों को 851 कृत्रिम हाथ-पैर और कैलिपर्स निशुल्क प्रदान किए गए। यह पहल मानव सेवा और दिव्यांग सशक्तिकरण के प्रति संस्थान के समर्पण को दर्शाती है।

शिविर का शुभारंभ राष्ट्र संत पूज्य ललितप्रभ सागर जी महाराज सा और पूज्य आचार्य भक्तिरत्न सुरिश्वर जी महाराज सा के मंगल आशीर्वाद से हुआ। आचार्यों ने अपने आशीर्वचन में कहा कि नारायण सेवा संस्थान न केवल दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग प्रदान कर रहा है, बल्कि उनके खोए आत्मविश्वास को भी पुनर्जनन कर रहा है। उन्होंने संस्थान के संस्थापक कैलाश मानव और अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल सहित सभी सेवाभावियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

दीप प्रज्वलन समारोह में जेसीआई ज़ोन प्रेसिडेंट चतुर्वेदी वुतुकूरु, जेसीआई बंजारा प्रेसिडेंट सुरेश मलानी, मुंबई शाखा प्रेसिडेंट महेश अग्रवाल, पिरामिड संस्थान से माधवी दंतरिका, भास्कर, वेणुगोपाल, संरक्षक अलका-अभय चौधरी, खुशी की अध्यक्ष मंजुला कल्याण, संस्थान की निदेशक वंदना अग्रवाल, ट्रस्टी देवेंद्र चौबिसा, भगवान प्रसाद गौड़, रोहित तिवारी, और आश्रम प्रभारी महेंद्र सिंह रावत उपस्थित रहे।

अतिथियों ने लाभान्वित दिव्यांगजनों से संवाद किया, उनकी कहानियाँ सुनीं और कृत्रिम अंगों की उपयोगिता पर संतोष व्यक्त किया।

संस्थान की निदेशक वंदना अग्रवाल ने बताया कि अप्रैल में आयोजित चयन शिविर में 1100 रोगियों में से 783 दिव्यांगजनों को चुना गया था। इन सभी को जर्मन टेक्नोलॉजी से निर्मित नारायण लिम्ब और कैलिपर्स प्रदान किए गए, जिससे वे आत्मनिर्भर जीवन की ओर कदम बढ़ा सके।

दिव्यांगजनों ने कृत्रिम अंग पहनकर परेड में हिस्सा लिया और डॉक्टरों ने उन्हें चलने की ट्रेनिंग व रखरखाव की जानकारी दी। कई दिव्यांगजन ट्रेनिंग के बाद बैडमिंटन और फुटबॉल जैसे खेलों में भी शामिल हुए, जिससे उनका आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ा।

शिविर में संस्थान की 70 सदस्यीय टीम और कॉग्निजेंट कंपनी सहित 70 स्वयंसेवकों ने सेवा प्रदान की। दिनभर रोगियों व उनके परिजनों के लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई। आभार प्रदर्शन देवेंद्र चौबिसा ने किया, जबकि कार्यक्रम का संयोजन महिम जैन ने किया।

नारायण सेवा संस्थान की उपलब्धियाँ

1985 में स्थापित नारायण सेवा संस्थान अब तक 40,000 से अधिक कृत्रिम अंग निशुल्क प्रदान कर चुका है। संस्थान के संस्थापक कैलाश मानव को उनके मानव सेवा कार्यों के लिए पद्मश्री और हाल ही में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा सामुदायिक सेवा व सामाजिक उत्थान सम्मान से नवाजा गया। संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल को भी 2023 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

संस्थान मेडिकल, शिक्षा, कौशल विकास और खेल अकादमी के माध्यम से लाखों दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ रहा है। इस शिविर के जरिए तेलंगाना के दिव्यांगजनों के जीवन को नई दिशा देने का संकल्प लिया गया है।

पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने नागालैंड के राज्यपाल के निधन पर गहरा दुख जताया

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने नागालैंड के राज्यपाल ला. गणेशन के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख और सदमा व्यक्त किया है। उन्होंने श्री ला गणेशन को एक बेहतरीन, मृदुभाषी और गहन ज्ञान रखने वाला नेता बताया, जिन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में उत्कृष्ट सेवाएँ दीं।

श्री दत्तात्रेय ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि श्री ला गणेशन ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के तमिलनाडु संगठन मंत्री के रूप में पार्टी के विकास के लिए निस्वार्थ भाव से लगातार काम किया।दत्तात्रेय ने याद किया कि श्री गणेशन एक ऐसे नेता थे जिन्होंने अपना जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया।

उन्होंने राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय भावना और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सभी वर्गों के साथ मिलकर काम किया। श्री दत्तात्रेय ने यह भी बताया कि श्री गणेशन अविभाजित आंध्र प्रदेश के भाजपा प्रभारी और अखिल भारतीय भाजपा सचिव के रूप में भी सेवाएँ दे चुके हैं।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, KOMATLA UMA Spouse of Service No.JC 877827X Nb Sub (Gunner) ADISESHU REDDY GADE, R/o. Vill: MV Rajupalem, PO:KaralaPalem, Teh:Bapatla, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522111 have changed my name from KOMATLA UMA to GADE UMA vide Affidavit dt:16-8-2025 before Mohd Hameed Khan, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, APPALANARASHMA Mother of Service No. 15210221W Hav (OPR) SIVASRINIVASA RAO M, R/o.Vill:Aganampudi, PO:Gajuwaka, Teh:Gajuwaka, Dist:Visakhapatnam, Andhra Pradesh-533252 have changed my name from APPALANARASHMA to MEDASETTI APPALANARASAMMA vide affidavit dt:14-8-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, APPALANAIDU Father of Service No. 15210221W Hav (OPR) SIVASRINIVASA RAO M, R/o.Vill:Aganampudi, P.O:Gajuwaka, Teh:Gajuwaka, Dist:Visakhapatnam, Andhra Pradesh-533252 have changed my name from APPALANAIDU to MEDASETTI APPALANAIDU vide affidavit dt:14-8-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 15435876X Hav (NA) YOGENDRA SINGH of Unit:68 Med Regt, C/o.56 APO, PIN:925768 hereby declare that my mother name and DOB is to be changed from SHEELA BAI, DOB:08-02-1966 to SHILA BAI, DOB;01-01-1971 vide affidavit dt:14-08-2025 before C. SAMUEL, Advocate and Notary, Secunderabad.

जाट समाज का जन्माष्टमी महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। वनस्थलीपुरम, अलमासगुड़ा स्थित जाट समाज ट्रस्ट मंदिर भवन में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का महोत्सव बड़े ही उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस आयोजन में समाज बंधुजन पूजा-अर्चना, जागरण और भजनों का आनंद लेते हुए भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया।

अध्यक्ष दूदाराम बाबल ने बताया कि महोत्सव के दौरान ठाकुरजी का भव्य दरबार फूलों और लाइटिंग से सजा गया था। भक्तों और समाज बंधुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था की गई थी। जागरण में प्रसिद्ध भजन गायक छोटो सिंह आसानाडा ने भजनों की प्रस्तुति दी, जिसे श्रद्धालुजनों ने खूब सराहा।

इस अवसर पर छोटो सिंह आसानाडा का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कृष्ण जन्मोत्सव, झूला झुलाना, प्रसाद वितरण और आरती का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष दूदाराम बाबल, संरक्षक सोहनलाल बांगड़ा, सचिव बाबूलाल पूनिया, कोषाध्यक्ष लिखमाराम खोखर, और जाट समाज अलमासगुड़ा की समस्त कार्यकारिणी, सदस्य एवं समाज बंधुजनों का सहयोग रहा।

अध्यक्ष दूदाराम बाबल ने सभी समाज बंधुजनों का आभार व्यक्त किया और कृष्ण जन्मोत्सव में पधारे सभी श्रद्धालुजनों को शुभकामनाएँ दीं। महाआरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

किनवट में बादल फटने जैसी बारिश ने मचाई तबाही, सांसद ने किया दौरा

किनवट, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। किनवट शहर और ग्रामीण इलाकों में बादल फटने जैसी भारी बारिश ने कहर बरपाया है, जिससे कई घरों और किसानों को भारी नुकसान हुआ है। स्थिति की जानकारी मिलते ही हिंगोली क्षेत्र के सांसद नागेश पाटील आष्टीकर ने तुरंत नुकसानग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया और हालात का जायजा लिया।

सांसद पाटील ने प्रशासन को तत्काल सर्वेक्षण करने और पीड़ितों को तुरंत मदद पहुँचाने का निर्देश दिया है।

इस मूसलाधार बारिश से किनवट तहसील में कई घर और फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। कई जगहों पर ज़मीन का कटाव हुआ है, जिससे कृषि भूमि को भारी नुकसान पहुँचा है। नदियों और नालों में उफान आने के कारण पानी घरों में घुस गया, जिससे कई परिवारों के घर और घरेलू सामान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

सांसद ने प्रभावित लोगों की समस्याओं को सुना और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने तुरंत जिलाधिकारी को इस नुकसान के बारे में सूचित किया, जिस पर जिलाधिकारी ने खुद किनवट का दौरा करने का भरोसा दिलाया है।

सांसद नागेश पाटील आष्टीकर के साथ तहसीलदार शारदा चौडेकर और नगर परिषद के प्रशासक व मुख्य अधिकारी डॉ. अजय कुरवाडे भी मौजूद थे।

प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी से पीड़ितों में सरकार से मदद की उम्मीद जगी है। सांसद ने गंगा नगर, मामीडगुड़ा और मोमिनपुरा क्षेत्रों का दौरा किया।

इस दौरान, पूर्व नगराध्यक्ष साजिद खान और मूर्ती अण्णा, शिवसेना तहसील प्रमुख मारोती दिवसे, कांग्रेस शहराध्यक्ष गिरीश नेमानीवार, शिवसेना शहर प्रमुख प्रशांत कोरडे, युवा सेना प्रमुख अतुल दर्शनवाड, और अन्य महाविकास आघाडी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

तेलंगाना बिहार महिला एसोसिएशन ने धूमधाम से मनाई जन्माष्टमी

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना बिहार महिला एसोसिएशन और बिहार सहयोग समिति ने मिलकर इस साल भी जन्माष्टमी का त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। मल्काजगिरि के इंदिरा नेहरू नगर स्थित दुर्गा माता मंदिर में आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

इस अवसर पर, बच्चों ने पिछले एक महीने से किए गए अभ्यास का प्रदर्शन स्टेज पर किया। कुछ बच्चों ने कृष्ण लीलाओं का मंचन किया, तो कुछ ने भगवान शिव को समर्पित नृत्य प्रस्तुत किए। इन रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

रात ठीक 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। इसके बाद, भव्य आरती की गई और सभी भक्तों में प्रसाद का वितरण किया गया।

इस आयोजन में तेलंगाना बिहार महिला एसोसिएशन की केंद्रीय समिति की सदस्य माधवी यादव और रीना देवी, अध्यक्ष अनीता भगत, रविता भगत, गुड़िया यादव, रेनू यादव और दिव्या गुप्ता सहित कई महिलाओं ने हिस्सा लिया।

तेलंगाना बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष विनय कुमार यादव भी अपनी पूरी टीम के साथ इस जन्मोत्सव में मौजूद थे। इस तरह के आयोजनों से समाज में एकता और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा मिलता है।

बालाजी नगर श्री आईजी गौशाला में कृष्ण जन्माष्टमी का उल्लासपूर्ण आयोजन

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें पंडित गोविंद शर्मा और मंगलाराम पंवार ने विधि-विधान से पूजा की और 56 भोग लगाए गए।

आईमाता भजन मंडली के अचलाराम हाम्बड़ और मोहनलाल भायल एंड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुतियों से माहौल भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम

पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा, सह सचिव ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष नारायण परिहार, भगाराम मुलेवा, मोतीलाल काग, भंवरलाल मुलेवा, नेमीचंद काग, चन्द्र प्रकाश गेहलोत, हीरालाल चोयल, चेनाराम परिहार, पारसमल शर्मा, किशनलाल पंवार, बाबूलाल मुलेवा, अशोक प्रजापत, जयराम पंवार, गोपाराम मुलेवा, मांगीलाल परिहार, लादुराम सीरवी, ओमप्रकाश परिहार, ओमप्रकाश काग, मोतीलाल राठौड़, अशोक पंवार (माली), महिला मंडल की सदस्यें जैसे मैना देवी सीरवी, सुगना बाई सीरवी, प्रेमा देवी सानपुरा, पारि बाई सीरवी, नीतू सीरवी, गणकी सीरवी, कमला सीरवी आदि की उपस्थित थीं। सभी श्रद्धालुजन ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का आनंद लिया और त्योहार की खुशियों में डूबे रहे।

जीडिमेटला के आई माता मंदिर में जन्माष्टमी का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जीडिमेटला स्थित श्री आई माता जी मंदिर में जन्माष्टमी का पावन पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस शुभ अवसर पर, श्री आईजी भजन मंडली, चिंतल एंड पार्टी द्वारा मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया।इस आयोजन में मंदिर समिति के कई पदाधिकारी और समाज के सदस्य उपस्थित थे, जिनमें अध्यक्ष: मांगीलाल काग, उपाध्यक्ष: अर्जुनलाल बर्फा, सह सचिव: प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष: भंवरलाल काग,अन्य सदस्यों में रावतराम बर्फा, सोहनलाल परिहार, महेंद्र देवड़ा, दुर्गाराम मुलेवा, जयराम परिहार, उदाराम, भुडाराम बर्फा, सोहनलाल हाम्बड़, जोराराम सोलंकी, और अशोक हाम्बड़ शामिल हैं।

सभी ने मिलकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की और इस उत्सव को सफल बनाया।

कोरेमुला श्री आई माता मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन

कोरेमुला, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कोरेमुला स्थित श्री आई माता मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर श्री आईमाता जी भजन मंडली ने भक्ति गीतों की प्रस्तुतियों से माहौल भक्तिमय कर दिया। इस अवसर पर संरक्षक प्रभुराम परिहारिया, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, राजाराम गेहलोत, राजाराम पंवार, प्रकाश खंडाला, ताराराम परिहारिया, रामलाल राठौड़, बाबूलाल परिहार, पुनाराम हाम्बड़, देवाराम परिहार, कमल किशोर सहित समाजबंधुगण उपस्थित थे।

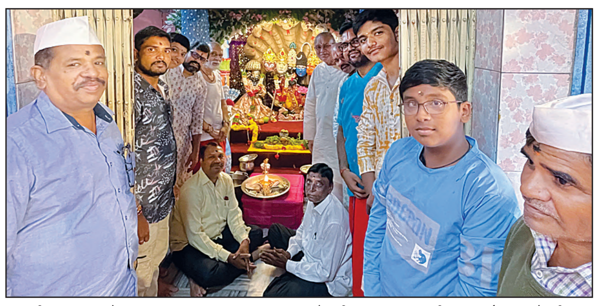

श्री रामदास सेवकदास मठ, इसामिया बाज़ार में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का विशेष श्रृंगार किया गया और उन्हें विश्व स्वरूप अवतार के रूप में सजाया गया।इस दौरान महंत मोहनदास, शिष्य कौशल वैष्णव और अन्य भक्तों ने भजन-कीर्तन का आयोजन किया। कार्यक्रम में राजस्थानी भजन मंडली और श्री संत तुकाराम भजन मंडली ने भी भाग लिया और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नारायणगुड़ा सिंफोनी रॉयल निवास में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का भक्तिपूर्ण जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में गोविंदलाल मूंदड़ा, नर्मदा देवी मुंदड़ा, अभिषेक मुंदड़ा, कोमल मुंदड़ा, दीपेश कुमार मुंदड़ा, दिव्या मुंदड़ा, यशिका, चहक, लविश्का, अयांश कुमार, युवान कुमार मुंदड़ा एवं अन्य उपस्थित थे।

लेउवा पाटीदार समाज की सभा एवं जन्माष्टमी महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री कच्छ वागड लेउवा पाटीदार समाज हैदराबाद सिकंदराबाद के तत्वावधान में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में समाज के अध्यक्ष धनजीभाई पटेल ने बताया कि शनिवार, 16 अगस्त को प्रातः 8 बजे से रात 1 बजे तक गंडीमैसम्मा स्थित सद्गुरू इंटरनेशनल स्कूल में समाज की साधारण सभा एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में सद्गुरू इंटरनेशनल स्कूल की टीम के राम भाटी, जय दयाल, सरीता भाटी, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमतभाई पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, तिरूमला तिरूपती देवस्थानम के स्वामी कमलेश स्वामी, आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष आर.के. जैन, जैन संघ के प्रवीण वाणीगोता, ओम पिठम के

वेंकटेशम गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

धनजीभाई ने बताया कि इस अवसर पर सत्यनारायण कथा का आयोजन हुआ, मध्यान्ह भोजन के बाद समाज की सभा भी हुई। सभा के अंत में समाज ने गंडीमैसम्मा में खरीदी गई 3000 वर्ग गज जमीन को दिखाया, जिसे सभी ने हर्ष व्यक्त किया। इसके बाद भगवान की सवारी (झांकी) निकाली गई और मंडप में स्थापित की गई।

महिलाओं एवं बच्चों ने रंगीन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समाज के प्रतिभावान छात्राओं का भी सम्मान किया गया, जिसमें दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा जीया जयेश पटेल को साउथ कोरिया में आयोजित 20वें एशियन रोलर स्केटिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने पर सम्मानित किया गया।

अतिथि के रूप में कांजीभाई पटेल, रतीलाल पटेल, हरीश पटेल, जिगर पटेल व अन्य समाज सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात्रि भोजन का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान राम भाटी, जयदयाल, सरीता भाटी, कमलेश महाराज, जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, जीया जयेश पटेल आदि को सम्मानित किया गया।

श्री शिव महापुराण कथा का समापन

पं. प्रदीप मिश्रा ने दिया भक्ति का संदेश

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमशाबाद रोड, हैदराबाद स्थित पूरन सन्स फार्म्स में रामनिवास ब्रिजगोपाल भूतड़ा परिवार द्वारा आयोजित श्री शिव महापुराण कथा रविवार को भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथावाचक पं. प्रदीप जी मिश्रा (सीहोर वाले) ने इस अवसर पर कथा को विश्राम देते हुए श्री शिव महापुराण के महत्व पर विस्तृत प्रवचन दिया। हजारों की संख्या में उपस्थित भक्तों ने इस आध्यात्मिक आयोजन में भाग लिया, जिसमें भगवान शिव की भक्ति और उनके पूजन का संदेश गूंजा।पं. प्रदीप जी मिश्रा ने कथा के अंतिम दिन भगवान शिव की महिमा और श्री शिव महापुराण के आध्यात्मिक महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि शिव महापुराण न केवल भगवान शिव और देवी पार्वती की पावन कथाओं का संग्रह है, बल्कि यह जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाला एक मार्गदर्शक ग्रंथ भी है। उन्होंने कहा, शिव महापुराण का श्रवण करने से भक्तों के जीवन से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, और उन्हें साहस, बुद्धि, स्वास्थ्य, और समृद्धि प्राप्त होती है। यह कथा हमें भगवान शिव की भक्ति और उनके प्रति समर्पण का मार्ग दिखाती है।

पं. मिश्रा ने भक्तों से शिव आराधना, जप, पूजा, और अर्चना के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि नियमित रूप से रुद्राक्ष, बेलपत्र और भस्म के साथ भगवान शिव की पूजा करने से

जीवन में शांति और समृद्धि आती है। उन्होंने भक्तों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति को बनाए रखें।

पं. प्रदीप मिश्रा ने कथा सुनने के लाभों पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शिव महापुराण का श्रवण करने से: नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। पिछले कर्मों के दुष्प्रभाव कम होते हैं। मानसिक शांति और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। जीवन में सुख, समृद्धि, और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।उन्होंने भक्तों को प्रेरित करते हुए कहा कि भगवान शिव को प्रसन्न करना सरल है, बशर्ते भक्ति सच्चे मन से हो। ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप और बेलपत्र अर्पित करना भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का सबसे आसान तरीका है।रविवार को कथा के अंतिम दिन हजारों भक्तों ने पूरन सन्स फार्म्स में उपस्थित होकर इस आध्यात्मिक आयोजन का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था, और पूरा पंडाल हर हर महादेव और ॐ नमः शिवाय के जयघोष से गूंज उठा। कथा स्थल पर भक्ति और श्रद्धा का अनुपम संगम देखने को मिला।आयोजन के दौरान रामनिवास ब्रिजगोपाल भूतड़ा, दीपाली भूतड़ा, गौरव भूतड़ा, और आलोक भूतड़ा सहित भूतड़ा परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित थे। परिवार ने इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भक्तों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कीं।यह कथा 13 अगस्त से 17 अगस्त 2025 तक आयोजित की गई थी, जिसमें पं. प्रदीप मिश्रा ने प्रत्येक दिन शिव महापुराण की कथाओं और शिक्षाओं को भक्तों तक पहुँचाया। पूरन सन्स फार्म्स, गगनपहाड़, प्रेस्टीज सिटी मेन गेट के सामने, शमशाबाद हाईवे पर स्थित इस स्थल को भव्य रूप से सजाया गया था, जो भक्तों के लिए एक आध्यात्मिक माहौल प्रदान करता था।पं. प्रदीप मिश्रा, जो सीहोर, मध्य प्रदेश के निवासी हैं, अपनी सहज और प्रभावशाली कथावाचन शैली के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। उनकी कथाएँ न केवल भक्ति को प्रेरित करती हैं, बल्कि जीवन के नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को भी उजागर करती हैं। इस आयोजन ने हैदराबाद के भक्तों को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया।कथा के समापन के बाद कई भक्तों ने अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं। एक भक्त ने कहा, पं. प्रदीप मिश्रा जी की कथा सुनकर ऐसा लगा जैसे भगवान शिव स्वयं हमसे बात कर रहे हों। उनकी शिक्षाएँ हमारे जीवन को नई दिशा देंगी।शमशाबाद में आयोजित यह श्री शिव महापुराण कथा न केवल एक धार्मिक आयोजन था, बल्कि यह भक्तों के लिए एक आध्यात्मिक यात्रा थी, जिसने उनके मन और आत्मा को भगवान शिव की भक्ति से जोड़ा। पं. प्रदीप मिश्रा के प्रवचनों ने भक्तों को न केवल प्रेरित किया, बल्कि उन्हें जीवन में सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी दी।

रामनिवास भूतड़ा परिवार ने कथा की सफलता के लिए जताया आभार

हैदराबाद, 17 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री शिव महापुराण भव्य कथा के सफल समापन के बाद, रामनिवास ब्रिजगोपाल भूतड़ा परिवार की ओर से गौरव भूतड़ा ने सभी भक्तों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। गौरव भूतड़ा ने इस आयोजन को गुरुदेव का आशीर्वाद बताते हुए कहा कि यह कथा बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

उन्होंने कहा कि भगवान इंद्रदेव और भगवान शिव की कृपा से यह कार्यक्रम निर्विघ्न रहा, और हर विपत्ति में उन्होंने भक्तों और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

स्थान और व्यवस्था: भूतड़ा परिवार ने पूरण सन्स परिवार का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने कथा के लिए स्थान उपलब्ध कराया। उन्होंने पुलिस विभाग समेत सभी सरकारी विभागों को विशेष रूप से धन्यवाद दिया, जिन्होंने व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मीडिया कवरेज: गौरव भूतड़ा ने आस्था टीवी चैनल को धन्यवाद दिया, जिसने कथा को घर-घर तक पहुँचाया। उन्होंने डेली शुभ लाभ अखबार का भी आभार प्रकट किया, जिसकी वजह से भक्तों की संख्या में हर दिन वृद्धि हुई।

पंडाल और आवास: स्वागत सप्लाइंग के प्रकाश लड्डा, अमित लड्डा (गग्गु भाई) और अश्विन लड्डा को विशाल वाटरप्रूफ पंडाल और बाहर से आए भक्तों के लिए रात में ठहरने की व्यवस्था के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया।

खान-पान की व्यवस्था: भंडारी कैटरर्स के रामप्रकाश भंडारी को बाहर से आए भक्तों को स्वादिष्ट भोजन प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया गया।

उनके सहयोगियों, नितिन सारडा, नानू सारडा, राजेश तोषनीवाल, आशु अग्रवाल और राजकुमार झा का भी आभार व्यक्त किया गया।

प्रसाद वितरण: प्रीमियर कैटरर्स के कमल अट्टल को महाराज जी और उनसे मिलने आए भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था करने के लिए धन्यवाद दिया गया।

अंत में, गौरव भूतड़ा ने बड़ी संख्या में पधारे सभी भक्तों का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके बिना यह कथा अविस्मरणीय नहीं बन पाती।

29 आतंकी समूहों से जुड़ा जैश का आतंकी गिरफ्तार

अनंतपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में श्री सत्य साईं अनंतपुर ज़िला पुलिस ने आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान नूर मोहम्मद (40) के रूप हुई है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आज रात में उसे अदालत में पेश कर सकती है।पुलिस की पकड़ में आया नूर मोहम्मद मूल रूप से धर्मावरम का रहने वाला है। स्थानीय पुलिस, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की टीम ने उसे धर्मावरम से ही गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि नूर की पहचान जैश-ए-मोहम्मद

संगठन से जुड़े लगभग 29 आतंकवादी समूहों के प्रमुख सदस्य के रूप में की गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि नूर भारत में मुस्लिम युवाओं को आतंकवाद की ओर मोड़ने के लिए उकसाने का काम करता था।

पुलिस नूर के मोबाइल फ़ोन के डेटा का गहन विश्लेषण कर कर रही है।

एनआईए ने धर्मावरम के कोटा इलाके में नूर मोहम्मद के घर पर छापा मारा, तो पता चला है कि वह एक होटल में रसोइया का काम करता है। एनआईए अधिकारियों ने नूर के घर की भी तलाशी ली और वहां से 16 सिम कार्ड ज़ब्त किए। आईबी अधिकारियों ने बताया कि वह भारत में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के व्हाट्सएप ग्रुपों का सदस्य है। वह ऑनलाइन कॉल के जरिये पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद और लोगों से बात करता था। साथ ही, अधिकारियों ने आंध्र प्रदेश में ऐसे छात्रों की पहचान की है, जिनके आतंकवादी संगठन स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) से संबंध हैं।

आईबी अधिकारियों ने बताया कि खुफिया एजेंसियां आंध्र प्रदेश में दस संदिग्धों की पहचान की है। विजयवाड़ा में चार और उपनगरों में छह अन्य की पहचान की गई है।

वे एसी मैकेनिक का काम करते थे और कुछ मस्जिदों के पास भीख मांगते थे, झोपड़ियों में काम करते थे और सिमी के लिए काम करते थे। इन संदिग्धों ने 30 साल से अधिक आतंकी संगठन को समर्थन देते हुए आम आदमी की तरह पेश आते और छोटे उप नगरों में अपना ठिकाना बनाकर पुलिस के निगरानी से बचते रहे। श्री सत्य साईं अनंतपुर के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नरसिंहप्पा ने बताया हमें पता चला कि नूर मोहम्मद एक प्रतिबंधित आतंकवादी समूह का सदस्य है। हमने कुछ सिम कार्ड ज़ब्त किए हैं। हम उससे पूछताछ कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि नूर के जैश-ए-मोहम्मद संगठन से संबंधों की और गहराई से जांच की जा रही है। क्योंकि वह जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े व्हाट्सएप ग्रुपों का सदस्य है। जांच में पता चला है कि नूर ने व्हाट्सएप ग्रुपों में ऐसी टिप्पणियां की हैं, जिनसे युवा आतंकवाद की ओर आकर्षित हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.